जन-जन की वाणी...

हिन्दी दैनिक

सोन वर्षा वाणी

औरंगाबाद, पटना, आरा एवं रांची से प्रकाशित

इगा स्वियातेक ने रचा इतिहास : पोलैंड को दिलाया पहला महिला सिंगल्स खिताब

भाजपा-आरएसएस का मुखपत्र बन गई है सीबीआई, हिरासत में मौत पर विजय की...

मूल्य ₹ 2.00

कृष्ण पक्ष, शतभिषा, विक्रम संवत् 2082 • औरंगाबाद • सोमवार • 14 जुलाई 2025 • वर्ष 27 • अंक 213 • पृष्ठ 12

सोना चांदी

सोना	चांदी
10 ग्राम 22 कैरेट	1 किलो चांदी
₹ 99,710	₹ 1,15,000

आज का इतिहास

2015 : नासा का न्यू हॉरिजन प्लूटो पर जाने वाला पहला अंतरिक्ष यान बना।

1933 : कानून की रोकथाम के लिए कानून के अधिनियमन के साथ, जिसे नाजी पार्टी ने वसंत ऋतु से दूर कर दिया, नाजी पार्टी ने अपना युगांतकारी कार्यक्रम शुरू किया।

न्यूज बाइट्स

ट्रेनों में सुरक्षा बढाने के लिए डिब्बों तथा ईंजनों में लगाए जायेंगे कैमरे

नई दिल्ली (ए.) । रेलवे ने ट्रेनों में यात्रियों की सुरक्षा बढ़ाने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए सभी डिब्बों में सीसीटीवी कैमरे लगाने का निर्णय लिया है। रेल मंत्रालय ने रविवार को बताया कि यात्रियों की सुरक्षा बढाने के उद्देश्य से सभी 74 हजार डिब्बों और 15 हजार इंजनों में सीसीटीवी कैमरे लगाये जायेंगे। प्रत्येक डिब्बे में चार सीसीटीवी कैमरे और इंजनों में छह कैमरे लगाए जायेंगे। ये कैमरे अत्याधुनिक होंगे और 100 किमी प्रति घंटे से भी अधिक रफ्तार में तथा कम रोशनी में भी उच्च गुणवत्ता वाली सीसीटीवी फुटेज उपलब्ध करायेंगे।

भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला 15 जुलाई को लौटेंगे धरती

नई दिल्ली (ए.) । भारतीय अंतरिक्ष विज्ञान के लिए एक बड़ी उपलब्धि की घड़ी करीब आ रही है। भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला की पृथ्वी पर वापसी की तारीख तय कर दी गई है। केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री जितेंद्र सिंह ने रविवार को जानकारी दी कि शुभांशु शुक्ला 15 जुलाई को दोपहर तीन बजे भारतीय समयानुसार सुरक्षित धरती पर लौटेंगे। वह एक्सिओम-4 मिशन के तहत इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन यानी आईएसएस पर गए थे। उनके साथ तीन अन्य अंतरिक्ष यात्री भी इस मिशन में शामिल हैं, जिनमें कमांडर पेगी व्हिटसन, स्लावोस उजनान्स्की-विस्निव्स्की और टिबोर कापू शामिल हैं। मंत्री जितेंद्र सिंह ने सोशल मीडिया पर बताया कि अंतरिक्ष यान का आईएसएस से अलग होने की प्रक्रिया 14 जुलाई को शाम 4:30 बजे शुरू होगी। इसके बाद स्पेसएक्स ड्रैगन अंतरिक्ष यान 15 जुलाई को प्रशांत महासागर में कैलिफोर्निया तट के पास स्प्लैशडाउन करेगा।

बीईपी में डेढ़ साल से बिहार शिक्षा सेवा के अधिकारी की तैनाती नहीं

पटना (नि.सं.) । बिहार शिक्षा परियोजना परिषद (बीईपी) में पिछले लगभग डेढ़ वर्ष से बिहार शिक्षा सेवा के अधिकारी नहीं हैं। बीईपी में राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी (एसपीओ) के 10 पद हैं। इन पदों पर शिक्षा विभाग की ओर से हमेशा बिहार शिक्षा के वरीय और योग्य पदाधिकारियों की पोस्टिंग होती रही है। लेकिन डेढ़ साल पहले यहां कार्यरत बिहार शिक्षा सेवा के सभी अधिकारियों को दूसरा-दूसरा जिम्मा विभाग ने देकर अन्यत्र पदस्थापित किया। उसके बाद से शिक्षा विभाग का यह महती संस्थान आउटसोर्स कर्मियों के सहारे ही संचालित है।

बिहार के युवाओं के लिए बड़ी सौगात

2025 तक 50 लाख और 2030 तक एक करोड़ रोजगार देने का लक्ष्य : सीएम

- कौशल विश्वविद्यालय खोलने की तैयारी

निज संवाददाता | पटना

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बिहार के युवाओं को नौकरी और रोजगार के क्षेत्र में नई उम्मीद दी है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का निरंतर प्रयास है कि अधिक से अधिक युवाओं को सम्मानजनक जीवन और आर्थिक आत्मनिर्भरता के लिए अवसर उपलब्ध कराए जाएं। इसी दिशा में सरकार ने आने वाले वर्षों के लिए नया विजन और ठोस लक्ष्य निर्धारित किया है। मुख्यमंत्री ने जानकारी देते हुए कहा कि वर्ष 2005 से 2020 के बीच बिहार सरकार ने 8 लाख युवाओं को सरकारी नौकरी दी। इसके बाद सात निश्चय-2 कार्यक्रम के तहत 2020 में 10 लाख सरकारी नौकरी और 10 लाख रोजगार सृजन का लक्ष्य तय किया गया था। लेकिन बिहार सरकार ने इस लक्ष्य को और बढ़ाते हुए अगस्त 2025 तक 12 लाख सरकारी नौकरी और 38 लाख रोजगार, यानी कुल 50 लाख रोजगार देने का नया लक्ष्य निर्धारित किया।

नीतीश कुमार ने बताया कि अब तक सरकार 10 लाख युवाओं को सरकारी नौकरी और 39 लाख लोगों को रोजगार मुहैया करा चुकी है। उन्होंने विश्वास जताया कि अगस्त 2025 तक 50 लाख रोजगार और नौकरी देने का लक्ष्य निश्चित रूप से पूरा कर लिया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने युवाओं के लिए अगले पांच वर्षों (2025-2030) को लेकर भी एक बड़ा विजन पेश किया है। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य 1 करोड़ युवाओं को नौकरी और रोजगार से जोड़ना है। इसमें सरकारी नौकरियों के साथ-साथ निजी क्षेत्र, औद्योगिक क्षेत्र और स्वरोजगार के माध्यम से अवसर सृजित किए जाएंगे।

इसके लिए राज्य सरकार एक उच्चस्तरीय समिति का गठन करेगी, जो रोजगार सृजन की रणनीति और कार्ययोजना तैयार करेगी। मुख्यमंत्री ने इन तमाम योजनाओं और संकल्पों की जानकारी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व ट्विटर) के माध्यम से साझा की। उन्होंने लिखा कि युवाओं का भविष्य सुरक्षित और उज्ज्वल बनाने के लिए सरकार हरसंभव कदम उठा रही है। इस ऐलान के बाद बिहार की राजनीतिक हलचल भी तेज हो गई है। जानकारों का मानना है कि आगामी विधानसभा चुनावों को देखते हुए सरकार युवाओं को साधने की कोशिश कर रही है। लेकिन इससे इंकार नहीं किया जा सकता कि अगर यह योजनाएं जमीन पर उतरीं, तो बिहार में रोजगार और विकास की

कौशल विकास पर होगा विशेष जोर

नीतीश कुमार ने कहा कि राज्य में सात निश्चय योजना के तहत कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम पहले से ही चल रहा है। आने वाले समय में इस कार्यक्रम को और विस्तार दिया जाएगा, ताकि अधिक से अधिक युवा तकनीकी और व्यावसायिक कौशल हासिल कर सकें। उन्होंने यह भी घोषणा की कि राज्य में एक कौशल विश्वविद्यालय की स्थापना की जाएगी, जिसका नाम जननायक कर्पूरी ठाकुर कौशल विश्वविद्यालय होगा। इस विश्वविद्यालय की स्थापना से युवाओं को आधुनिक और उद्योगोन्मुखी प्रशिक्षण मिलेगा, जिससे उनके लिए रोजगार के अवसर व्यापक होंगे।

मुख्यमंत्री ने बख्तियारपुर-ताजपुर पुल निर्माण का लिया जायजा

निज संवाददाता | पटना

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने रविवार को बाढ़ अनुमंडल के अथमलगोला प्रखंड में अपने ड्रीम प्रोजेक्ट ताजपुर पुल का औचक निरीक्षण किया। वे करीब आधे घंटे तक अधिकारियों के साथ निर्माण कार्यों की प्रगति देखते रहे। निरीक्षण के दौरान पटना के आयुक्त डॉ चंद्रशेखर और डीएम त्यागराजन समेत कई अधिकारी मौजूद थे। मुख्यमंत्री ने निर्माण में विलंब को लेकर अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए। गंगा नदी पर बन रहा यह पुल बख्तियारपुर को समस्तीपुर से जोड़ेगा। इससे लोगों की 60 किलोमीटर की दूरी कम होगी। यात्रा में चार घंटे की बचत होगी। पुल बनने से जेपी सेतु, महात्मा गांधी सेतु और राजेंद्र सेतु पर यातायात का दबाव भी कम होगा। 2014 में शुरू हुए इस प्रोजेक्ट की लागत 1608 करोड़ थी। देरी के कारण यह बढ़कर 935 करोड़ और बढ़ गई। प्रोजेक्ट को तीन भागों में बांटा गया है। पहला भाग चकलाल तक पूरा हो चुका है। दूसरा भाग चकलाल शाही से डुमरी तक और तीसरा भाग डुमरी से करजान तक का है।

बिहार के बाद अब पूरे देश में होगा वोटर लिस्ट का विशेष पुनरीक्षण, अगस्त से शुरू होने की संभावना

विशेष संवाददाता | नई दिल्ली

चुनाव आयोग (ईसी) ने बिहार के बाद देशभर में स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) प्रक्रिया लागू करने की तैयारी कर ली है, जिसका उद्देश्य वोटर लिस्ट की गहराई से जांच और उसे अपडेट करना है। यह प्रक्रिया संभवतः अगस्त 2025 से शुरू होगी । यह कदम सुप्रीम कोर्ट की 10 जुलाई, 2025 को बिहार में एसआईआर जारी रखने की अनुमति पर आधारित है, जब कोर्ट ने इसे संविधान सम्मत बताया था । इसके बाद चुनाव आयोग सभी राज्यों में अपनी चुनाव मशीनरी सक्रिय कर चुका है। 28 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट में बिहार मामले की अगली सुनवाई होगी और उसके बाद आयोग अंतिम निर्णय लेगा ।

इस बीच, कई राज्यों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों ने एसआईआर के बाद वोटर लिस्ट प्रकाशित करना शुरू कर दिया है। दिल्ली में आखिरी एसआईआर वर्ष 2008 में हुआ था और उत्तराखंड में वर्ष 2006 में । पुरानी वोटर लिस्ट को 'कट-ऑफ डेट' माना जाएगा; बिहार में 2003 की लिस्ट इसी आधार पर उपयोग की जा रही है, जबकि अन्य राज्यों में 2002–2004 के बीच की लिस्ट का आधार ले रहे हैं । बिहार में 24 जून से शुरू हुई एसआईआर के दौरान हुए घर-घर सर्वे में ईसी अधिकारियों का दावा है कि नेपाल, बांग्लादेश और म्यांमार से आने वाले कई लोग वोटर लिस्ट में शामिल पाए गए हैं । उन्हें 1 अगस्त से 30 सितंबर तक विस्तार से जांचा जाएगा और 30 सितंबर को प्रकाशित अंतिम वोटर लिस्ट में इनके नाम शामिल नहीं होंगे इस पूरे अभियान पर विपक्ष के कई दलों ने आपत्ति जताई है, उनका कहना है कि यह प्रक्रिया अनुचित ढंग से योग्य नागरिकों को मतदान से वंचित कर सकती है। इस संबंध में सुप्रीम कोर्ट में कई याचिकाएं दर्ज की गई हैं, जिनमें आरोप लगाया गया है कि यह प्रक्रिया मौलिक संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन कर सकती है। सुप्रीम कोर्ट ने 11 जुलाई को चुनाव आयोग को निर्देश दिया कि वह आधार, वोटर आईडी (ईपीआईसी) और राशन कार्ड को मान्य पहचान दस्तावेज के रूप में स्वीकार करे ताकि अधिकतम समावेशन सुनिश्चित हो सके। अंत में, यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि चुनाव आयोग 28 जुलाई की सुनवाई के बाद इस राष्ट्रीय स्तर के एसआईआर को कैसे आगे बढ़ाता है, और क्या यह लोकतांत्रिक प्रक्रिया को अधिक सुदृढ़ बनाता है या कोई विवाद खड़ा करता है।

सुप्रीम कोर्ट से मिली संवैधानिक मंजूरी

» 10 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट ने बिहार में एसआईआर जारी रखने की अनुमति दी। अगली सुनवाई 28 जुलाई को होगी।

» साथ ही कोर्ट ने चुनाव आयोग से निवेदन किया कि आधार, वोटर-आईडी (ईपीआईसी) और राशन कार्ड को वैध दस्तावेज माना जाए।

बिहार की वोटर लिस्ट में नेपाल-बांग्लादेश के लोग

ईसी अधिकारियों का दावा है कि नेपाल, बांग्लादेश और म्यांमार से आने वाले कई लोग वोटर लिस्ट में शामिल पाए गए हैं । उन्हें 1 अगस्त से 30 सितंबर तक विस्तार से जांचा जाएगा और 30 सितंबर को प्रकाशित अंतिम वोटर लिस्ट में इनके नाम शामिल नहीं होंगे । 25 जुलाई तक वोटर गणना फॉर्म जमा करने की अंतिम तिथि तय की गई थी । इस पूरे अभियान पर विपक्ष के कई दलों ने आपत्ति जताई है, उनका कहना है कि यह प्रक्रिया अनुचित ढंग से योग्य नागरिकों को मतदान से वंचित कर सकती है। इस संबंध में सुप्रीम कोर्ट में कई याचिकाएं दर्ज की गई हैं, जिनमें आरोप लगाया गया है कि यह प्रक्रिया मौलिक संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन कर सकती है ।

पूर्णिया में 25.17 करोड़ की लागत से एनएच-107 का होगा चौड़ीकरण-सुदृढीकरण : सम्राट चौधरी

निज संवाददाता | पटना

उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि पूर्णिया जिले के पथ प्रमंडल अंतर्गत एनएच-107 के चेथरियापीर चौक से धनहारा, कुम्हारटोला, जंगली, जगनी होते हुए चंपानगर तक कुल 7.653 किलोमीटर सड़क के चौड़ीकरण एवं मजबूतीकरण कार्य को प्रशासनिक स्वीकृति दे दी गई है। इस परियोजना पर कुल 2517.46 लाख रुपये (25 करोड़ 17 लाख 46 हजार) खर्च होंगे।

चौधरी ने कहा कि पूर्णिया जिले के ग्रामीण एवं अर्द्धशहरी क्षेत्रों के लिए महत्वपूर्ण यह सड़क वर्तमान में संकीर्ण स्थिति में है। इसके चौड़ीकरण एवं मजबूतीकरण से यह सड़क यातायात के लिए अनुकूल हो जाएगी। इससे क्षेत्रीय संपर्कता एवं व्यावसायिक गतिविधियों में वृद्धि होगी। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि तकनीकी स्वीकृति मिलने के बाद इस योजना की निविदा प्रक्रिया शुरू की जाएगी। यदि सड़क किसी अन्य विभाग के अधीन है तो विधिवत हस्तांतरण एवं डीएलपी अवधि पूरी होने के बाद कार्य शुरू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यदि यह सड़क ओपीआरएमसी के अधीन है तो पहले उसे हटाना अनिवार्य होगा। इस योजना पर वर्ष 2025-26 में 1258.00 लाख रुपये तथा वर्ष 2026-27 में 1259.46 लाख रुपये व्यय किए जाएंगे। इस योजना का क्रियान्वयन पथ प्रमंडल, पूर्णिया के कार्यपालक अभियंता द्वारा किया जाएगा।

उपमुख्यमंत्री चौधरी ने कहा कि बिहार में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में एनडीए सरकार ग्रामीण एवं शहरी सड़कों के व्यापक विस्तार एवं विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है। 2005 की तुलना में आज बिहार में सड़कों का विशाल जाल बिछा हुआ है। उन्होंने कहा कि पूर्णिया में एनएच-107 से जुड़े इस मार्ग के चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण से न केवल यातायात सुगम होगा, बल्कि रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं व्यवसाय को भी बढ़ावा मिलेगा।

» सम्राट चौधरी ने विश्वास जताया कि एनएच-107 से जुड़े इस मार्ग के सुदृढ़ीकरण से क्षेत्र के लोगों को न केवल सुगम आवागमन मिलेगा, बल्कि रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य और व्यापार को भी बल मिलेगा।

शिक्षा लोन लेने वाले छात्र की मृत्यु होने पर परिवार से नहीं वसूली जायेगी राशि

निज संवाददाता | पटना

स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना के तहत पढ़ाई के लिए लोन लेने वाले छात्र-छात्राओं की मृत्यु होने की स्थिति में उनके परिवार से राशि की वसूली नहीं होगी। ब्याज सहित शिक्षा लोन की मूल राशि माफ कर दी जाएगी। शिक्षा विभाग ने इससे संबंधित प्रस्ताव तैयार कर वित्त विभाग को भेज दिया है। वित्त विभाग से हरी झंडी मिलने के बाद इस पर कैबिनेट की मंजूरी ली जाएगी। विभाग का लक्ष्य है कि यह प्रावधान इसी वित्तीय वर्ष से लागू कर दिया जाए। अभी तक शिक्षा लोन लेने वाले छात्र-छात्राओं की मृत्यु होने की स्थिति में उनके माता-पिता या लोन के लिए गारंटर के रूप में हस्ताक्षर करने वाले व्यक्ति से राशि वसूली का प्रावधान है। इसमें बदलाव के बाद लागू होने वाले नये प्रावधान से तत्काल राज्य के 185 मृतक छात्र-छात्राओं के परिजनों को लोन राशि चुकाने से राहत मिल जाएगी। इन 185 छात्र-छात्राओं को स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना के तहत 3 करोड़ 52 लाख रुपए दिए गए थे।

संक्षिप्त समाचार

24 जुलाई को विधान सभा घेराव का निर्णय

टिकारी। अतिपिछड़ा आरक्षण बचाओ संघर्ष मोर्चा के बैनर तले 24 जुलाई को विधानसभा का घेराव किया जायेगा। विधानसभा घेराव के कार्यक्रम को सफल बनाने को लेकर शुक्रवार को टिकारी स्थित शांति पैलेस में तैयारी समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में पूर्व एमएलसी सह मोर्चा के पूर्व सहसंयोजक प्रो. रामबली सिंह चंद्रवंशी सहित अन्य मोर्चा के नेता मौजूद रहे। प्रो चंद्रवंशी ने प्रदेश के 36 प्रतिशत अति पिछड़ा वाली आबादी को पटना के गांधी मैदान पहुंचने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि हमारे प्रमुख मांगों में तेली, तमोली और दांगी को मूल अति पिछड़ी जाति की श्रेणी से अलग करने, कर्पूरी फर्मूला के तर्ज पर रोहणी आयोग की अनुशंसा को अविलंब लागू करने समेत अन्य मांगें शामिल है।

मविवि : विदाई समारोह का आयोजन

बोधगया। मगध विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर रसायन शास्त्र विभाग में सत्र 2022-24 के विद्यार्थियों द्वारा विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस मौके पर विभागाध्यक्ष डॉ. अतुल कुमार श्रीवास्तव ने सभी छात्रों को उनके भविष्य के प्रयासों के लिए शुभकामना दीं और कहा कि विश्वविद्यालय में बिताया गया समय बहुत ही कम था। सीखना तो जीवन के हर पल में होता है। भविष्य में जो भी करें, ईमानदारी से करें। ईमानदार प्रयास सफलता की कुंजी है। साथ ही विभाग में एल्युमनी के रूप में जुड़े रहे। आपके उत्कर्ष से विभाग गौरवान्वित होगा। डॉ. सुमित कुमार ने भी विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए उन्हें पढ़ाई पर विशेष ध्यान देने की सलाह दी। डॉ. सुप्रिया कुमारी, जो स्वयं भी इस विभाग की पूर्व छात्रा हैं, ने विद्यार्थियों को जीवन में प्रेरित और सकारात्मक बने रहने की सलाह दी और उन्हें अच्छा करने के लिए प्रोत्साहित किया। सभी प्राध्यापकों ने भी विद्यार्थियों को शुभकामना दीं। विभाग के अन्य प्राध्यापक डॉ. शिप्रा सोलंकी, डॉ. बिकाश मंडल, डॉ. रूपेश झा एवं डॉ. आभा पांडे ने भी अपना विचार प्रकट करते हुए विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर अमृत धारा योजना के तहत जो कार्यक्रम विभाग ने करवाया था उसमें सम्मिलित होने वाले छात्र-छात्राओं को सर्टिफिकेट भी वितरित किया।

राहुल बने जदयू मीडिया सेल के प्रखंड अध्यक्ष

फतेहपुर। प्रखंड के मायापुर निवासी राहुल कुमार को जदयू मीडिया सेल के फतेहपुर प्रखंड अध्यक्ष बनाया गया है। जदयू के जिला अध्यक्ष आशुतोष जैन ने उन्हें मनोनयन कर प्रमाण पत्र दिया है। जिलाध्यक्ष ने कहा कि राहुल कुमार की राजनीतिक सक्रियता, अनुभव, जदयू के प्रति समर्पण व निष्ठा को देखते हुए उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेवारी दी गई है। राहुल कुमार को जदयू मीडिया सेल के प्रखंड अध्यक्ष बनाए जाने पर प्रखंड जदयू अध्यक्ष रणविजय कुमार, पूर्व अध्यक्ष पप्पू मालाकार, उपाध्यक्ष अशोक कुमार सिंह, अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के प्रखंड अध्यक्ष मो. मिनाज , अनुसूचित जनजाति के प्रखंड राजू चौधरी, असलम आदि ने उन्हें बधाई दी है।

जयपुर में गयाजी के युवक की मौत

बोधगया। राजस्थान के जयपुर में मजदूरी करने गए गया जिले के चेरकी थाना क्षेत्र अंतर्गत परसावां गांव के रहने वाले 27 वर्षीय जुगेश मांझी की मौत संदिग्ध परिस्थितियों में हो गई है। इस घटना से मृतक के परिजनों में शोक और आक्रोश का माहौल है। परिजनों ने दोबारा पोस्टमार्टम कराने और निष्पक्ष जांच की मांग की है। घटना की जानकारी 11 जुलाई को दोपहर 1 बजे परिजनों को मिली, जिसके बाद वे जयपुर पहुंचे। वहां अस्पताल में पहले से शव रखा हुआ था। परिजनों का आरोप है कि मानसिक रूप से सदमे में होने की स्थिति में उनसे पोस्टमार्टम नहीं कराने का फॉर्म भरवा लिया गया, जबकि वे इसके लिए तैयार नहीं थे। अब परिजनों ने चेरकी थाना में आवेदन देकर पोस्टमार्टम प्रक्रिया दोबारा कराए जाने की मांग की है। मृतक के रिश्तेदार सुजीत कुमार (20) और टूनु कुमार (22) ने बताया कि जुगेश जयपुर में एक ठेकेदार रामलाल सिंगला के पास मजदूरी करता था। उन्होंने बताया कि शुक्रवार को छह मंजिला इमारत की छत पर ठेकेदार से पैसे को लेकर बहस हुई थी। उसी दौरान करीब 11 बजे उन्हें फोन पर सूचना दी गई कि जुगेश गिर गया है। परिजनों का आरोप है कि घटना की सूचना देने के बाद उन्हें दूसरी जगह बुलाया गया, जहां एक ऐम्बुलेंस में जुगेश का शव रखा हुआ था। उन्होंने दावा किया कि शव के दोनों हाथ बंधे हुए थे और शरीर पर चोट के निशान थे। सुजीत ने बताया कि जब वे सवाल पूछने लगे, तो ठेकेदार के साथ रहे कुछ लोगों ने उनसे मारपीट की और उन्हें जबरन एंबुलेंस में बैठाकर शव के साथ रवाना कर दिया गया। मृतक के पिता बेली मांझी और माता कबुतरी देवी ने प्रशासन से निष्पक्ष जांच और सच्चाई सामने लाने की अपील की है। जुगेश की पत्नी प्रतिमा देवी और उनके तीन छोटे बच्चे इस हादसे से बेसुध हैं। परिजन इस मामले को जरूरत पड़ने पर उच्च स्तर तक ले जाने की बात कर रहे हैं।

टेक्नोलॉजी सेंटर निर्माण को लेकर पेड़ कटाई से बढ़ा विवाद, आक्रोश

नीमचक बथानी। गया जिले के खिजरसराय प्रखंड के देवगांव मौजा में केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी परियोजना के तहत 200 करोड़ की लागत से बनने वाले टेक्नोलॉजी सेंटर का निर्माण कार्य इन दिनों विवादों में घिरता नजर आ रहा है। विवाद की जड़ – मनरेगा योजना के तहत लगाए गए हजारों पेड़ों की कटाई है। चिरैली पंचायत के मुखिया मुकेश पासवान ने आरोप लगाया है कि टेक्नोलॉजी सेंटर के चहारदीवारी निर्माण के दौरान मनरेगा से लगाए गए लगभग 5,000 पेड़ काटे जा चुके हैं। उन्होंने इस संबंध में कार्यक्रम पदाधिकारी को लिखित शिकायत देकर तत्काल कार्य रोकने की मांग की है। ग्रामीण महिलाओं रौशन आरा, सुमन देवी, लगनी देवी आदि ने भी आरोप लगाया कि रात के अंधेरे में जेसीबी से पेड़ काटे जा रहे हैं, जबकि पास में खाली पड़ी जमीन होते हुए भी जानबूझकर हरे-भरे हिस्से को चिन्हित किया गया। खाली जमीन छोड़ पेड़ों वाले भूखंड का चयन बना कारण विवाद ग्रामीणों का आरोप है कि खाता संख्या 314 के 91 एकड़ में से अधिकांश हिस्सा खाली है, लेकिन जानबूझकर पेड़ लगे 20 एकड़ भूखंड को चिन्हित कर टेक्नोलॉजी सेंटर के लिए आवंटित कर दिया गया। करीब 50,000 पौधे लगे इस क्षेत्र में निर्माण की प्रक्रिया शुरू होते ही विवाद और गहरा गया। अधिकारी बोले : सरकारी जमीन, पेड़ कटाई पर रोक नही... अंचल अधिकारी चंदन कुमार ने स्पष्ट किया कि उक्त जमीन बिहार सरकार की है जिसे केंद्र सरकार को परियोजना हेतु मुफ्त में हस्तांतरित कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि जब संवेदक को एनओसी मिल चुका है, तो वह अपने स्तर पर कार्य करा सकता है। इतने बड़े प्रोजेक्ट में कुछ पेड़ों की कटाई बड़ी बात नहीं है। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि पेड़ काटने के संबंध में उन्होंने कोई अलग आदेश नहीं दिया है।

नालंदा में निशुल्क हेल्थ कैंप, 10 विशेषज्ञ डॉक्टर करेंगे जांच

नालंदा। नालंदा में निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया जा रहा है। बिहार शरीफ स्थित भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी भवन में साप्ताहिक शिविर सुबह 7:30 से 9 बजे तक संचालित होगा। शिविर में 10 विशेषज्ञ डॉक्टर अपनी सेवाएं प्रदान करेंगे। शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. श्याम बिहारी मौजूद रहेंगे। जो बच्चों के स्वास्थ्य की जांच करेंगे। इसके अलावा हड्डी एवं नस के मरीजों के लिए डॉ. सुमित राज, डॉ. इंद्रजीत कुमार, डॉ. उमेश कुमार सिंह मौजूद रहेंगे। आंतरिक रोगों के लिए फिजिशियन डॉ. अखिलेश कुमार, आंखों की समस्या के लिए डॉ. अरविंद कुमार सिंह, डेंटिस्ट डॉ. उदय देव रंजन मरीजों की समस्या का समाधान करेंगे। शिविर में आधुनिक एलोपैथिक चिकित्सा के साथ-साथ वैकल्पिक चिकित्सा पद्धति भी उपलब्ध है। फिजियोथेरेपिस्ट डॉ. मोहम्मद शहजाद आलम और होम्योपैथिक डॉ. गौतम कुमार भी मरीजों की सेवा में तैनात रहेंगे। श्रवण संबंधी समस्याओं के लिए ऑडियोलॉजिस्ट डॉ. प्रदीप कुमार सिंह भी उपलब्ध रहेंगे। यहां मधुमेह की जांच भी की जाएगी। भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी की यह साप्ताहिक पहल सामुदायिक स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण कदम है। जहां गरीब और जरूरतमंद लोगों को बेहतर चिकित्सा सुविधा मुहैया कराई जाती है।

बेटी बात नहीं मानती थी, इसलिए मार डाला

निज संवाददाता। गयाजी

❐ गयाजी में सौतेली मां और पिता गिरफ्तार घर में हत्या की, 10किमी दूर जलाने वाले थे

गयाजी में शुक्रवार की शाम पति-पत्नी ने मिलकर बेटी की गला दबाकर हत्या कर दी। हत्या के बाद दोनों शनिवार को उसका अंतिम संस्कार करने पुस्तैनी गांव पहुंचे। इसी दौरान पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लिया। फिर दंपती को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों ने पुलिस की पूछताछ में मर्डर की बात स्वीकार की है। दंपती ने पुलिस को बताया कि बेटी (14) का व्यवहार ठीक नहीं था। वो हमारी बात नहीं मानती थी। घर के काम में सहयोग नहीं करती थी। इससे परेशान होकर उसको मार डाला। आरोपी पिता ने दो शादियां की थी। जिसकी हत्या की, वो पहली पत्नी की बेटी थी। पिता और सौतेली मां ने मिलकर वारदात को अंजाम दिया। दंपती ने पुलिस को बताया कि इमामगंज के रानीगंज में किराए के मकान में मर्डर किया। इसके बाद शाम में रानीगंज से 10 किमी दूर ऑटो से तेतरिया स्थित पुस्तैनी घर पर शव ले आए। यहां अंतिम संस्कार की तैयारी में थे। ग्रामीणों ने बताया कि लड़की के गले पर जख्म के निशान देखे। फिर इसकी सूचना पुलिस को दी। पुलिस मौके पर पहुंचकर दंपती मनोज (38) और रुचि (34) को गिरफ्तार किया और पूछताछ की तो मामले का खुलासा हुआ।

पहली पत्नी की 7 साल पहले हो गई थी मौतः आरोपी मनोज मजदूरी करता है। उसकी पहली पत्नी की मौत 7 साल पहले हो गई थी। इसके बाद मनोज ने दूसरी शादी रुचि से की। दोनों की दो संतान हैं। एक की उम्र 5 और दूसरी की 3 साल है। मां-पिता की गिरफ्तारी के बाद बच्चे रुचि के मायके वालों के पास हैं।

ग्रामीण विकास मंत्री ने मणिराम अखाड़ा में लंगोट किया अर्पण

निज संवाददाता। नालंदा

बिहार सरकार के ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार ने बिहार शरीफ स्थित प्रसिद्ध बाबा मणिराम अखाड़ा में वार्षिक पूजा के अवसर पर लंगोट अर्पण किया। बाबा की समाधि पर श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए राज्य की समृद्धि और शांति के लिए विशेष प्रार्थना की। मंदिर परिसर में आयोजित धार्मिक अनुष्ठान के दौरान मंत्री श्रवण कुमार ने कहा, 'बाबा मणिराम से आशीर्वाद लेने के लिए हर साल आते हैं। हमलोग उनसे आशीर्वाद प्राप्त करते हैं। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को बाबा श्री ऐसी शक्ति प्रदान करें कि वे बेहतर बिहार का निर्माण कर सकें। बड़ी संख्या में बाबा के अनुयायी यहां आते हैं। जो भी मन्नत मांगकर जाते हैं, बाबा के आशीर्वाद से पूरा होता है।'

785 साल पुराना इतिहासः धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, संत शिरोमणि बाबा मणिराम का आगमन 1238 ईस्वी में अयोध्या से इस स्थान पर हुआ था। उन्होंने पिसत्ता घाट को अपनी तपोस्थली बनाया और "स्वस्थ मन के लिए स्वस्थ तन" का संदेश देते हुए कुश्ती का अखाड़ा स्थापित किया। वर्ष 1300 में उन्होंने यहीं पर जीवित समाधि ली थी। इस प्रकार यह स्थान 785 वर्षों से निरंतर श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र बना हुआ है।

13 वर्षों से जल रही अखंड ज्योतिः मंदिर परिसर की एक विशेष बात यहां 13 वर्षों से अनवरत जल रही अखंड ज्योति है। श्री बाबा मणिराम अखाड़ा न्यास समिति के उपाध्यक्ष अमरकांत भारती ने बताया कि वर्ष 2012 में अयोध्या की बड़ी छावनी से यह पवित्र ज्योति लाई गई थी, जो तब से निरंतर प्रज्वलित है। यह ज्योति निरंतरता और आस्था के अटूट रिश्ते का प्रतीक बन गई है।

पार्टी के नेता और कार्यकर्ता रहे मौजूदः मंदिर परिसर में मंत्री श्रवण कुमार के साथ मंत्री श्रवण कुमार के साथ जेडीयू नेता राजेंद्र प्रसाद, प्रवक्ता डॉ. धनंजय कुमार देव, प्रखंड अध्यक्ष संजय कुशवाहा, सोनी लाल, शशिभूषण प्रसाद, बंटी यादव, अभिषेक पटेल, शैलेन्द्र चौहान, निवास मुखिया, सौरभ पासवान, दिलवाला समेत कई लोग मौजूद थे।

नालंदा में महिला समेत 2 लोगों की मौत

निज संवाददाता। नालंदा

नालंदा के अलग-अलग इलाकों में नदी में डूबने से महिला समेत 2 लोगों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान गिरियक थाना क्षेत्र के बजरंगी बिगहा निवासी गिरनी देवी(55) और चिकसौरा गिलानीपुर के मन्नू प्रसाद(70) के तौर पर हुई है। महिला के परिजनों ने बताया कि शनिवार शाम घर से शौच के लिए निकली थी। काफी देर तक नहीं लौटी। अनहोनी की आशंका के चलते खोजबीन शुरू की, लेकिन कुछ पता नहीं चला। रविवार सुबह पंचाने नदी से शव मिला है। पैर फिसलने से गहरे पानी में जाने से मौत की आशंका है।

जांच में जुटी पुलिसः वहीं, मन्नू प्रसाद के परिजनों कहा कि शनिवार को धान रोपनी के लिए मजदूर खोजने गए थे। देर रात तक घर लौटकर नहीं आए। सुबह लोकयन नदीं में उफलाता हुआ शव मिला। शौच के दौरान नदी में डूबने से मौत की आशंका है। गिरियक थानाध्यक्ष दीपक कुमार और चिकसौरा थानाध्यक्ष रविन्द्र कुमार ने बताया कि नदी में शव मिलने की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची थी।

शिक्षित होने के बाद भी राजनीति में हिस्सेदारी नहीं:गयाजी में पाल समाज की हुई सभा, कहा- हम कई अधिकारों से वंचित रह जाते

निज संवाददाता। गयाजी

गयाजी में बिहार गड़ेरिया मोर्चा (संगठन) के बैनर तले रेखा पैलेस गुरारु के पाल समाज की सभा हुई। सभा में बड़ी संख्या में पाल समाज के लोग जुटे। संगठन के अध्यक्ष संतोष पाल ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया। गुरुआ विधानसभा के प्रत्याशी सौरभ पाल कार्यक्रम के केंद्र बने रहे। इस मौके पर राष्ट्रीय अध्यक्ष संतोष पाल ने कहा कि हमारे समाज के प्रति किसी भी राजनीतिक पार्टी का ध्यान नहीं है। हमलोग शिक्षित हैं पर हमारे समाज को राजनीति में अब तक कोई हिस्सेदारी नहीं दी गई है। इस ओर राजनीतिक पार्टी का कोई ध्यान नहीं है। इसकी वजह से हम कई अहम अधिकारों से वंचित रह जाते हैं। हमारे समाज के लोगों का इस्तेमाल किया जा रहा है।

राज्य स्तर पर सभा की जाएगीः गुरुआ विधानसभा से चुनाव लड़ने को तैयार सौरभ पाल ने कहा कि गुरुआ विधानसभा की जनता ने हमें मौका दिया तो सभी सरकारी कार्यालय से भ्रष्टाचार को मिटा देंगे। शिक्षा व स्वास्थ्य को बेहतर बनाएंगे। युवाओं को अधिक से अधिक रोजगार देंगे। उत्थान की दृष्टिकोण से शिक्षा के बाद यदि कोई चाबी है तो वह राजनीति है। फिलहाल हमलोग समाज को एकजुट कर रहे हैं। समाज को जागरूक कर रहे हैं। इसके बाद बिहार स्तर पर एक सभा होगी और फिर तय किया जाएगा कि समाज का चुनाव में क्या भूमिका होगी। इस मौके पर समाज के नेताओं ने भी आने लोगों के बीच जोश भरा। कहा कि बढ़चढ़ कर राजनीति में भाग लीजिए और अपने समाज के बेटे को हर हाल में आगे बढ़ाइए। बिहार विधानसभा पहुंचाइए। इस मौके पर पाल समाज की ओर से नारा दिया गया कि टिकट नहीं तो वोट नहीं। कोर कमेटी अध्यक्ष दिनकर पाल ने कहा कि अपने समाज के प्रत्याशी का प्रचार-प्रसार अभी से शुरू कर दीजिए। अपना भाई बेटा को विधायक बनाइए। इस मौके पर संगठन के जिला अध्यक्ष सोनू मंडल मीडिया प्रभारी दीपक पाल रफीगंज विधानसभा के प्रत्याशी डॉक्टर शंभू पाल कमलेश पाल धर्मवीर पाल सुधीर पाल गौतम पाल उमेश पाल गुप्तेश्वर पाल आदि मौजूद रहे।

'बिहार में बाहर की कंपनियां सामान बेचकर मुनाफा कमा रही'

निज संवाददाता। गयाजी

बिहार में बाहर की कंपनियां करोड़ों का सामान बेचकर मुनाफा कमा रही हैं, लेकिन यहां के गांव और जनता के लिए कुछ नहीं कर रही। यह आरोप अरिस्टो फार्मा के प्रबंध निदेशक उमेश शर्मा उर्फ भोला बाबू ने लगाया। उन्होंने कहा कि ये कंपनियां सीएसआर के तहत बिहार में कोई काम नहीं कर रही हैं। क्योंकि बिहार की जनता जागरूक नहीं है। इसलिए ये कंपनियां बेफिक्र होकर सिर्फ मुनाफा लूट रही हैं। यह बातें अरीस्टो कम्पनी के निदेशक भोला बाबू ने मगध को-आपरेटिव की ओर से आयोजित समारोह में कहीं। सिकहर मोड़ के पास एक निजी होटल में आयोजित अभिनंदन समारोह हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्ज्वलित कर की गई। मंच का संचालन सूर्यदेव प्रसाद ने किया। भोला बाबू ने कहा कि अगर जनता जाग जाए और इनका सामान लेना बंद कर दे, तो सरकार भी एक्टिव हो जाएगी। हमने सरकार के समक्ष भी यह मुद्दा रखा है। कोई छड़, सीमेंट, कपड़ा या अन्य सामान बेचने वाली कंपनियां बिहार में उद्योग लगाएं, लाइब्रेरी खोलें, फैक्ट्री लगाएं, ताकि पलायन रुके और रोजगार मिले।

महाराष्ट्र-गुजरात में को-ऑपरेटिव संस्थाओं ने किसानों की जिंदगी बदल दीः भोला बाबू ने कहा कि महाराष्ट्र और गुजरात में को-ऑपरेटिव संस्थाओं ने किसानों की जिंदगी बदल दी है। डेनमार्क में हर गाय की नंबरिंग होती है और संस्था के माध्यम से किसानों को सीधा लाभ मिलता है। न्यूजीलैंड ने भी मक्खन जैसे उत्पादों से बड़ी कमाई की है। बिहार में भी को-ऑपरेटिव मॉडल को मजबूत कर पलायन रोका जा सकता है। उन्होंने कहा कि बिहार में रोजगार देने के लिए कंपनियों को आगे आना चाहिए, तभी बिहार मजबूत होगा। को-ऑपरेटिव बैंक अध्यक्ष विनय कुमार ने कहा कि सहकारिता के माध्यम से ही गांव और किसान मजबूत होंगे। किसानों का उत्पाद बाजार तक पहुंचे, इसके लिए सबको मेहनत करनी होगी। उपाध्यक्ष राजीव कुमार सिंह ने बैंक में सुरक्षा और लैपटॉप सुविधा देने की मांग रखी। कार्यक्रम में राजीव कुमार सिंह, नरेश प्रसाद, राजेश कुमार, गायत्री देवी, मंजू देवी, हरिओम कुमार, मोहम्मद नवाब अली, अरुण कुमार आजाद सहित मगध के कई पैक्स अध्यक्ष मौजूद रहे। मौके पर भोला बाबू ने सबके प्रति आभार जताते हुए कहा कि सहकारिता को मजबूत करने में वे हर संभव सहयोग देंगे।

नालंदा में केस नहीं उठाने पर अधेड़ की हत्या

निज संवाददाता। नालंदा

नालंदा में चाकू से गोदकर एक किसान की हत्या कर दी गई। केस नहीं उठाने पर वारदात को अंजाम दिया गया है। सिर और गला में गहरे जख्म के निशान मिले हैं। एक आरोपी को पुलिस ने हिरासत में लिया है। मृतक की पहचान किशोरी यादव(58) के तौर पर हुई है। घटना सरमेरा थाना क्षेत्र के चुहरचक गांव की है। मृतक के भतीजे ने बताया कि चाचा शनिवार रात को फसल पटवन के लिए खेत पर गए थे। इस बीच सकलदेव यादव ने अपने साथियों के साथ मिलकर चाकू से गोदकर मौत के घाट उतार दिया। 2022 में होली के दिन सकलदेव यादव के परिवार के साथ विवाद हुआ था। दोनों तरफ से FIR दर्ज हुई थी। तब से केस उठाने की धमकी दे रहा था। इसी विवाद में हत्या की गई है।

आरोपी से थाने में पूछताछः सदर डीएसपी-1 नुरुल हक ने बताया कि रविवार सुबह हत्या की सूचना मिली थी। खेत पटवन के बाद रात में सड़क किनारे सो गए थे। इस दौरान धारदार हथियार से हमला कर हत्या कर दी गई है। जांच के लिए डॉग स्क्वायड और FSL की टीम को बुलाया गया है। हिरासत में लेकर आरोपी सकलदेव यादव से पूछताछ की जा रही है। शव को पोस्टमार्टम के लिए बिहार शरीफ मॉडल अस्पताल भेजा गया है।

नालंदा में होमगार्ड भर्ती के लिए फिजिकल एबिलिटी टेस्ट

निज संवाददाता। नालंदा

नालंदा में होमगार्ड के 812 पदों पर नियुक्ति के लिए शारीरिक सक्षमता जांच(फिजिकल एबिलिटी टेस्ट) की नई तिथियों की घोषणा कर दी गई है। पूर्व में स्थगित की गई जांच अब 13 से 17 जुलाई के बीच दीपनगर स्टेडियम में होगी। जिला समादेष्टा मोहम्मद फैज आलम ने बताया है कि जिन अभ्यर्थियों की जांच पूर्व में रद्द हुई थी, उन्हें अब नई डेट पर आना होना होगा। इसके लिए कोई एडमिट कार्ड जारी नहीं किया गया है। पहले से जारी कार्ड पर ही होगा। यह निर्णय प्रशासनिक सुविधा और समय की बचत को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। 7 जुलाई की जांच 13 जुलाई, 18 जून की जांच 15 जुलाई, 19 जून की जांच 16 जुलाई और 20 जून की जांच अब 17 जुलाई को होगी।

मौसम के चलते हुई थी देरीः इस साल असामान्य मौसमी परिस्थितियों और बारिश के कारण होमगार्ड भर्ती की शारीरिक सक्षमता जांच में व्यवधान आया था। जिला प्रशासन ने अभ्यर्थियों की सुरक्षा और उचित परीक्षा माहौल को देखते हुए जांच स्थगित करने का निर्णय लिया था।

अभ्यर्थियों के लिए महत्वपूर्ण सूचनाः जिला समादेष्टा ने अभ्यर्थियों से अपील की है कि वे नई तिथियों का सख्ती से पालन करें। समय पर स्टेडियम पहुंचे। 12 गृहरक्षक पदों के लिए कुल 38,649 अभ्यर्थियों ने आवेदन दिया है। इसमें 31,338 पुरुष, 7,310 महिला और एक थर्ड जेंडर कैंडिडेट शामिल है। 1 पद के लिए 47 कैंडिडेट्स ने अप्लाई किया है। इस भर्ती प्रक्रिया में आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल किया जा रहा है। शारीरिक दक्षता परीक्षा RFID तकनीक के माध्यम से कराई जा रही है।

गयाजी जीआरपी ने मास्टमाइंड समेत 3 बदमाशों को पकड़ा:दुरंतो एक्सप्रेस में हुई थी चोरी

निज संवाददाता। गयाजी

गयाजी जीआरपी ने नई दिल्ली-भुवनेश्वर दुरंतो एक्सप्रेस में चोरी के मामले का खुलासा कर दिया है। मास्टर माइंड समेत तीन बदमाशों को गिरफ्तार किया है। छह मोबाइल, छह लेडीज पर्स, एक लैपटॉप, आधार, पैन कार्ड, एटीएम कार्ड, 7600 रुपए कैश और कीमती सामान बरामद हुआ। जिसकी कीमत 4 लाख रुपए के करीब है। गिरोह में शामिल अन्य सदस्यों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है।

जांच के लिए स्पेशल टीम का गठनः रेल डीएसपी आलोक कुमार सिंह ने बताया, '27 जून को कष्ठा-पुरैया के बीच गाड़ी संख्या 12282 में यात्रियों के सामान की चोरी हुई थी। उस समय यात्रियों ने काफी हंगामा किया था। रेल थाने में केस दर्ज हुआ था। जांच के लिए एसपी अमृतेंदु शेखर के निर्देश पर स्पेशल टीम का गठन किया गया था। टीम में मेरे साथ सर्किल इंस्पेक्टर सुशील कुमार, गया रेल थानाध्यक्ष राजेश कुमार सिंह, रफीगंज आरपीएफ इंस्पेक्टर राम सुमेर समेत जवान शामिल थे।' टीम ने वैज्ञानिक तरीके से जांच करते हुए कोलकाता से डीडीयू तक के सभी सीसीटीवी फुटेज खंगाला। इसके बाद गयाजी रेलवे स्टेशन पोर्टिको से तीन युवकों को पकड़ा। जिसमें पटना के अथमलगोला निवासी सुमित कुमार उर्फ बाबा, बख्तियारपुर का छोटू कुमार उर्फ मॉडल और आकाश कुमार उर्फ निवास शामिल है।

बदमाशों ने अपना जुर्म स्वीकार कियाः पूछताछ में तीनों ने भुवनेश्वर दुरंतो एक्सप्रेस के अलावा बख्तियारपुर, ढोली (मुजफ्फरपुर), बछवाड़ा (बरौनी), इलाहाबाद और धनबाद में हुई कई घटनाओं में अपनी संलिप्तता स्वीकार की है।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com

संक्षिप्त समाचार

कछवां पुलिस ने एक अवैध भट्ठी को किया ध्वस्त

नासरीगंज (रोहतास) (नि. सं.)। कछवां थाना क्षेत्र के कैथी स्थित बैरिया डीला सोन नदी किनारे पुलिस ने छापेमारी कर अवैध शराब की एक भट्ठी को ध्वस्त कर दिया। पुलिस ने मौके से कैथी निवासी विश्वनाथ चौधरी के पुत्र पंकज कुमार को 31 लीटर देसी महुआ शराब के साथ गिरफ्तार किया। साथ ही भट्ठी में बन रहे करीब 750 लीटर महुआ पास शराब को भी मौके पर नष्ट कर दिया गया। वहीं दूसरी ओर कछवां निवासी बिजली राम के पुत्र बलिराम को भी 4.4 लीटर देसी महुआ शराब के साथ गिरफ्तार किया गया। थानाध्यक्ष पंकज कुमार पासवान ने बताया कि दोनों अभियुक्तों के विरुद्ध संबंधित मामला दर्ज कर उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। पुलिस ने अवैध शराब कारोबार के खिलाफ आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रखने की बात कही है।

रसोइया ने शिक्षक पर मारपीट और छेड़खानी का लगाया आरोप

संझौली (रोहतास) (नि.सं.)। थाना क्षेत्र स्थित के.के. मध्य विद्यालय में कार्यरत एक महिला रसोइया ने विद्यालय के एक शिक्षक पर गंभीर आरोप लगाते हुए संझौली थाना में लिखित शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत में रसोइया ने शिक्षक पर मारपीट और छेड़खानी का आरोप लगाया है, जिससे विद्यालय में कार्यरत महिला कर्मचारियों के बीच भय और असुरक्षा का माहौल बन गया है। घटना को लेकर महिला रसोइया ने संझौली थाना में आवेदन देते हुए बताया कि विद्यालय के ही एक स्थानीय शिक्षक ने उसके साथ न केवल दुर्व्यवहार किया, बल्कि मारपीट और शारीरिक छेड़खानी जैसी शर्मनाक हरकत भी की। यह घटना विद्यालय परिसर में ही घटित हुई, जहां अन्य सहकर्मी भी मौजूद थे।

तेलंगाना हादसे में बिहार के 3 बेटों की मौत

निज संवाददाता | काराकाट (रोहतास)

प्रखंड के अमरथा गांव की तंग गलियों में शनिवार की शाम हर लोगों की नजर में एक ही सवाल था कि रोजगार के लिए आखिर हमें घर क्यों छोड़ना पड़ता है इसी गमगीन माहौल में बिहार सरकार के श्रम संसाधन मंत्री संतोष कुमार सिंह पीड़ित परिवारों से मिलने पहुंचे। बीतें दिनों पूर्व में हुए तेलंगाना की केमिकल फैक्ट्री में हुए धमाके ने उक्त गांव के ही तीन घरों के चिराग को बुझा दिए और एक घायल मजदूर की अभी भी अस्पताल में बेहतर इलाज चल रहा है। मंत्री ने परिजनों को भरोसा दिलाया कि भारत और बिहार सरकार हर संभव मदद देगी। इस मुश्किल घड़ी में आप अकेले नहीं हैं, हम सब आपके साथ हैं। मौके पर कुछ मजदूरों को श्रम कार्ड भी सौंपे गए, ताकि भविष्य में वे सरकारी योजनाओं का लाभ उठा सकें।

गांव की टीस : "बिहार में रोजगार होता तो ये दिन नहीं देखना पड़ता":- गांव के कुछ बुजुर्गों और युवाओं ने मंत्री से सवाल किया कि अगर बिहार में काम होता,तो हमारे लोग तेलंगाना जैसे सुदूर प्रदेश में जिंदगी दांव पर क्यों लगाते ? इसपर मंत्री संतोष कुमार सिंह ने कहा कि हादसा फैक्ट्री में सुरक्षा नियमों की घोर अनदेखी से हुआ। उन्होंने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही महज 12 घंटे में बिहार से जांच टीम भेजी गई,जिसने मृतकों की पहचान डीएनए टेस्ट से करवाई गई और परिजनों को शव सौंपे गए। अभी तक टीम के द्वारा घायलों का बेहतर इलाज कराया जा रहा है और दोषियों पर सख्त कानूनी कार्रवाई होगी।

सरकार का दावा : लाखों को मिला रोजगार,आगे भी मिलेगा:- मंत्री ने कहा कि बिहार की डबल इंजन सरकार ने अब तक साढ़े आठ करोड़ लोगों को रोजगार दे चुकी है। गरीबों के लिए 16 योजनाओं का लाभ सरकार की ओर से दिया जा रहा है। 151आईटीआई कॉलेज खोले गए है जिसमें बिहार के युवाओं को बेहतर शिक्षा दी जा रही है। अगले वित्तीय वर्ष में 1 करोड़ रोजगार के नए अवसर देने का लक्ष्य रखा गया है। साथ ही अब तक 30–32 लाख रोजगार के अवसर और 12 लाख सरकारी नौकरियां युवाओं को दी जा चुकी हैं। मंत्री ने पूर्ववर्ती सरकारों पर हमला बोलते हुए कहा कि 2005 के पहले बिहार को 100 साल पीछे धकेल दिया गया था। उस समय अपहरण और अपराध चरम पर था। आज डबल इंजन की सरकार सड़क, बिजली, पानी, स्वास्थ्य और कानून व्यवस्था में क्रांतिकारी सुधार कर रही है। मंत्री ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा के नेतृत्व में बिहार की डबल इंजन सरकार मजदूर, किसान और गरीबों के साथ हर कदम पर खड़ी है और खड़ी रहेगी। मौके पर सहायक श्रमायुक्त डालमियानगर रिपु सुदन मिश्रा, श्रम अधीक्षक सुजीत कुमार, काराकाट बीडीओ राहुल कुमार सिंह, काराकाट श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी देवाशीष कुमार, राकेश कुमार सिंह, राहुल कुमार, रितेश कुमार सहित अनुमंडल क्षेत्र के सैकड़ों जनप्रतिनिधि व स्थानीय लोग मौजूद थे।

आग लगने से लाखों की संपत्ति जलकर हुई खाक

कोचस (रोहतास) (नि.सं.)। प्रखंड क्षेत्र के भगीरथा गांव में शनिवार की रात्रि एक किसान के फुशनुमा झोपड़ी में शॉर्ट सर्किट से आग लगने से लाखों रुपए की संपत्ति जल कर राख हो गया। घटना के बारे में बताया जाता है कि शनिवार की रात्रि में किसान अपने घर में सो रहा था जहां धारा प्रवाहित विद्युत करंट के शॉर्ट सर्किट से चिंगारी निकल फूशनुमा झोपड़ी पर जा गिरी, जहां देखते देखते आग लग गई और घर में रखें कुछ नगद रुपए मवेशी के चारा चौकी कपड़ा बर्तन सहित लाखों रुपए की संपत्ति जलकर राख हो गया। जबकि घर में बांधी गई भैंस को जलने से किसान ने बचा ली। पीड़ित किसान ग्राम भगीरथा निवासी मुरली सिंह बताए जाते हैं। पीड़ित किसान ने सरकार से मुआवजे की मांग की है। किसान ने बताया कि आग लगी कि जानकारी स्थानीय थाने तथा अंचलाधिकारी को दे दी गई है।

बिक्रमगंज के रमीज खान बने भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट, क्षेत्र में खुशी की लहर

निज संवाददाता | बिक्रमगंज (रोहतास)

नगर परिषद बिक्रमगंज के वार्ड संख्या 26 निवासी अब्दुल रमीज खान ने भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट बनकर पूरे रोहतास जिले और खासकर बिक्रमगंज क्षेत्र का नाम गौरवान्वित किया है। जैसे ही इस सफलता की खबर शहर में पहुंची, चारों ओर हर्ष और गर्व की लहर दौड़ गई। लोग एक-दूसरे को मिठाइयां खिलाकर और बधाइयां देकर इस उपलब्धि का जश्न मना रहे हैं। रमीज खान का सैन्य पृष्ठभूमि से गहरा नाता है। उनके पिता कासिम खान भारतीय सेना में आनरेरी कैप्टन के पद से सेवा निवृत्त हो चुके हैं। वर्तमान में उनका परिवार मेरठ में निवास कर रहा है, लेकिन उनकी जड़ें बिक्रमगंज से जुड़ी हुई हैं। इसी कारण जब उनके बेटे ने भारतीय सेना में अधिकारी बनकर प्रवेश किया, तो बिक्रमगंजवासियों ने इसे अपनी व्यक्तिगत उपलब्धि की तरह महसूस किया। प्रेरणादायक संघर्ष और बुलंद इरादे रमीज खान ने कठिन मेहनत, अनुशासन और समर्पण से यह मुकाम हासिल किया है। उन्होंने बचपन से ही सेना में जाने का सपना देखा था और उसे पूरा करने के लिए शिक्षा, ट्रेनिंग और शारीरिक फिटनेस पर विशेष ध्यान दिया। उनके करीबी बताते हैं कि रमीज हमेशा अनुशासित और राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत रहे हैं। समाज के लोगों ने दी शुभकामनाएं रमीज खान की इस ऐतिहासिक सफलता पर स्थानीय लोगों और समाज के प्रबुद्धजनों ने उन्हें दिल से शुभकामनाएं दीं। मोहम्मद शाहिद हुसैन, डॉ. अकील अहमद, मोहम्मद अयूब खान, मोहम्मद इरफान खान, मोहम्मद यूसुफ अफरीदी, एहसान खान और शेरा खान समेत सैकड़ों लोगों ने रमीज की सफलता को पूरे क्षेत्र की उपलब्धि बताया। युवाओं को मिली नई दिशा स्थानीय लोगों का मानना है कि रमीज खान जैसे युवाओं की सफलता से शहर और आस-पास के युवाओं को भी भारतीय सेना में करियर बनाने की प्रेरणा मिलेगी। यह उपलब्धि आने वाली पीढ़ी को देशसेवा के लिए तैयार होने की दिशा में बड़ा प्रोत्साहन देगी।

पहली सोमवारी पर देव मार्कण्डेय में शिवभक्ति का उल्लास मंदिर परिसर और नगर के मार्ग तोरण द्वारों से सजे

निज संवाददाता | बिक्रमगंज (रोहतास)

काराकाट प्रखंड के देव मार्कण्डेय में पहली सोमवारी को लेकर शिवभक्ति की गहमागहमी चरम पर पहुंच गई है। पूजा समितियों द्वारा नगर के विभिन्न मार्गों और मंदिर परिसर को भव्य तोरण द्वारों से सजा दिया गया है,जिससे पूरा क्षेत्र भक्तिमय माहौल में रंगा नजर आ रहा है। मंदिर को आकर्षक रूप से सजाया गया है और यहां की सजावट दूर से ही शिवभक्तों को अपनी ओर आकर्षित कर रही है। भक्तों में इस बार खासा उत्साह देखा जा रहा है। आज यानी सोमवार की अहले सुबह से ही शिवभक्त बाबा भोलेनाथ का जलाभिषेक कर पुण्य अर्जित करेंगे। स्थानीय पूजा समितियों ने श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए पुख्ता इंतजाम किए हैं। साथ ही नगर में जगह-जगह स्वागत द्वार बनाए गए हैं,जहां से गुजरने वाले श्रद्धालु खुद को भक्तिरस में डूबा महसूस कर रहे है। पहली सोमवारी पर विशेष पूजा-अर्चना और रुद्राभिषेक का भी आयोजन किया गया है, जिसमें भारी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है। शिवमंदिर प्रांगण में भक्तों की भीड़ और हर-हर महादेव के जयघोष से पूरा वातावरण शिवमय हो जाएगा। श्रद्धा, आस्था और उमंग के इस अनूठे संगम ने देव मार्कण्डेय को पूरी तरह से धार्मिक उत्सव के केंद्र में बदल दिया है।

पंचायत स्तर तक सरकार स्थापित करना ही जन सुराज का संकल्प : सुभाष

निज संवाददाता | सासाराम (रोहतास)

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने स्वराज की परिकल्पना की थी। स्वराज को लागू करने के लिए केंद्र में बैठी कई सरकारों ने प्रयास किया। लेकिन आज तक पंचायत स्तर पर सरकार नहीं चल रही है। उक्त बातें जन सुराज के प्रदेश संगठन महासचिव सुभाष सिंह कुशवाहा ने कहीं। सासाराम में जन सुराज के जिला कार्यकारिणी की बैठक को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि देश में तीन सरकारें होती है। केंद्र सरकार, राज्य सरकार और पंचायत सरकार। केंद्र व राज्य की सरकार है तो चल रही है लेकिन पंचायत सरकार में चुने हुए प्रतिनिधियों को उनका अधिकार तक नहीं मिलता है। उन्होंने कहा कि जन सुराज द्वारा बिहार बदलने का जो संकल्प लिया गया है वह तभी पूरा होगा जब पंचायत में चुने हुए प्रतिनिधियों को उनका सही अधिकार मिलेगा। प्रशांत किशोर जी इस बदलाव का संकल्प के लिए काम कर रहे हैं। बैठक में जिला प्रभारी कमलेश सिंह कमल ने पंचायत और बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत करने पर जोड़ दिया। बैठक की जानकारी देते हुए मुख्य प्रवक्ता विनोद तिवारी ने बताया कि बैठक में बुथ कमेटी तक बनाए गए पदाधिकारी को भी सरकार में अधिकार दिलाने की बात कही गई। बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष हीरालाल कुशवाहा कर रहे थे। बैठक में महासचिव अतेंद्र सिंह, प्रदेश कार्य समिति सदस्य अशोक भारती, संजय पांडे, विनय सिंह, रविंद्र दुबे, लड्डू खान, रोहित पांडे, रूबी देवी सहित काफी संख्या में महिलाओं और पुरुष मौजूद थे।

शपथ पत्र

मैं मिन्हाजुल एकराम फरोग (MINHAJUL EKRAM FAROGH) उर्फ (MINAJUL EKRAM FAROGH) पिता - मोहम्मद एकराम (MOHAMMAD EKRAM) निवासी ग्राम- दुआरी (DUARI), पो. दुगुल (DUGUL) थाना - कासमा (Kasma) जिला - औरंगाबाद (बिहार) शपथ पूर्वक घोषणा करता हूँ कि :-

1. यह कि उक्त पते का स्थाई निवासी हूँ।
2. यह कि मिन्हाजुल एकराम फरोग (MINHAJUL EKRAM FAROGH) एवं (MINAJUL EKRAM FAROGH) दोनों नाम मेरा है तथा मैं दोनों नामों से जाना एवं पहचाना जाता हूँ।
3. यह कि मेरे नाम पता का मेरे अलावा कोई दूसरा व्यक्ति नहीं है।
4. यह कि यह शपथ पत्र में गजट प्रकाशन हेतु कर रहा हूँ।

सत्यापन

मैं पुनः शपथ पूर्वक घोषणा करता हूँ कि पारा 1 से 4 तक लिखी बातें मेरे व्यक्तिगत जानकारी में सत्य एवं सही हैं।

कोनिचिवा! वंदेभारत, चिनाब ब्रिज

वर्ल्ड एक्सपो 2025

नए भारत के प्रतिनिधि

OSAKA, KANSAI, JAPAN EXPO 2025

वर्ल्ड एक्सपो में भारतीय रेल का पवेलियन भारत की प्रगति से दुनिया को परिचित करा रहा है। एक ओर जहाँ वंदे भारत एक्सप्रेस 'मेक इन इंडिया' की गौरवगाथा सुना रही है, वहीं दूसरी ओर विश्व का सबसे ऊँचा रेल आर्च पुल चिनाब ब्रिज भारतीय इंजीनियरिंग का परचम लहरा रहा है।

जापान के ओसाका में चल रहे वर्ल्ड एक्सपो-2025 में जहाँ दुनिया भर के देश भविष्य की तकनीक और शहरों के मॉडल दिखा रहे हैं। वहीं भारतीय रेल का पवेलियन सबका ध्यान खींच रहा है। यहाँ सिर्फ ट्रेनें और पुल नहीं दिखाए जा रहे, बल्कि भारत की तरक्की और सोच को एक नई कहानी की तरह पेश किया जा रहा है। ओसाका के युमेशिमा द्वीप पर बने भारतीय पवेलियन में दो चीज़ें सबसे ज्यादा चर्चा में हैं वंदे भारत एक्सप्रेस और चिनाब ब्रिज।हर बार ऐसा नहीं होता कि ट्रेनें और पुल किसी बड़े एक्सपो में इतना आकर्षण बटोरें, लेकिन इसबार वंदे भारत एक्सप्रेस और चिनाब ब्रिज नए भारत के प्रतीक हैं। ये दिखाते हैं कि भारत अब सिर्फ बात नहीं कर रहा, बल्कि तेजी से भविष्य की ओर बढ़ रहा है।

भारतीय रेल का नया युग

वंदे भारत एक्सप्रेस और चिनाब ब्रिज भारतीय रेल के नए युग की पहचान हैं। वंदे भारत ट्रेन पूरी तरह स्वदेशी है। यह न सिर्फ तेज़ है, बल्कि आरामदायक भी है। इसमें नई तकनीकें हैं जैसे स्मार्ट ब्रेक सिस्टम, साफ-सुथरे बायो टॉयलेट और हवाई जहाज़ जैसी आरामदायक सीटें। यह ट्रेन 'मेक इन इंडिया' का ज़िंदा उदाहरण है। एक्सपो में जापान जैसे देशों से आए दर्शक, जहां पहले से शिंकानसेन बुलेट ट्रेन हैं। वह वंदे भारत की स्वदेशी तकनीक देखकर चकित हैं। उन्हें यकीन नहीं होता कि भारत ने इतनी जल्दी अपनी खुद की हाई-स्पीड ट्रेन बना ली।

चिनाब ब्रिज: भारत की सबसे ऊँची उड़ान

वंदे भारत की तेज़ रफ्तार और एयरोडायनॉमिक डिजाइन के उलट, चिनाब ब्रिज एक मजबूत और ऊँचा पुल है जो सबका ध्यान खींचता है। यह पुल जम्मू और कश्मीर में चेनाब नदी के ऊपर बना है और दुनिया का सबसे ऊँचा रेलवे आर्च ब्रिज है। जो एफिल टावर से भी ऊँचा है और इसकी ऊँचाई 359 मीटर है। इस पुल को बनाना आसान नहीं था। वहाँ का मौसम, ज़मीन और भूकंप का खतरा, सबकुछ मुश्किल था। लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में यह इतिहास रचा गया। यह भारतीय इंजीनियरिंग की ताकत और मेहनत का अद्भुत उदाहरण है। इस पुल से जम्मू और कश्मीर जैसे दूर-दराज़ इलाकों को देश से जोड़ना आसान हो गया। यह सिर्फ एक पुल नहीं, बल्कि वहाँ के लोगों के लिए उम्मीद और विकास का सेतु है।

सिर्फ तकनीक नहीं, बदलाव की कहानी

भारतीय रेल का यह प्रदर्शन केवल इंजीनियरिंग का नहीं, एक परिवर्तन की गाथा है। एक पुरानी रेल व्यवस्था अब नया रूप ले चुकी है। डिजिटल टिकटिंग, सौर ऊर्जा से चलने वाले स्टेशन, प्लेटफॉर्म पर वाई-फाई, बुलेट ट्रेन कॉरिडोर। यह नई भारतीय रेल है जो सिर्फ सफर नहीं करा रही, बल्कि राष्ट्र को स्थाई मजबूती के साथ आगे बढ़ा रही है।

दुनिया की सराहना, देश का आत्मविश्वास

इस एक्सपो में भारत को जो तारीफें मिल रही हैं, वो इस बात की पहचान है कि भारत अब आत्मनिर्भर हो चुका है। लोग हैरान हैं कि कैसे भारत ने कुछ ही वर्षों में भारतीय रेल तकनीक के आयात से आगे बढ़कर अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर विश्वस्तरीय और स्वदेशी प्रणालियों का प्रदर्शन करने लगा है। अब देश के हर कोने में वंदे भारत ट्रेनें चल रही हैं और चिनाब जैसे पुल बन रहे हैं कि ये सब भारत को और करीब ला रहे हैं।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com

नाली विवाद में हिंसा, कई पुलिसकर्मी घायल

निज संवाददाता | पकरीबरावां (नवादा)

पकरीबरावां थाना क्षेत्र अंतर्गत प्रखंड मुख्यालय के छोटी तालाब मोहल्ले में शनिवार की संध्या नाली विवाद में मारपीट की सूचना पर पहुंची डायल 112 की टीम पर असामाजिक तत्वों द्वारा पहले पत्थरबाजी की गई और फिर बाद में मौके पर पहुंची भारी पुलिस बल पर मिर्ची पाउडर, फल पकाने वाले केमिकल तथा ईंट-पत्थर से हमला कर दिया गया। इस हिंसक झड़प में आधा दर्जन पुलिसकर्मी घायल हो गए। सभी घायलों का इलाज पकरीबरावां सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में किया गया है। घायलों में डायल 112 के चालक कुणाल गोस्वामी, एएसआई श्याम कुमार मिश्रा, पकरीबरावां थाना के एएसआई प्रशांत कुमार, अशोक पाल, ओमप्रकाश कुमार एवं महिला सिपाही जायदा परवीन शामिल हैं। घटना शनिवार की रात करीब नौ बजे की है। बताया जाता है कि छोटी तालाब मोहल्ला में अकबर अली की पत्नी फरहाना खातून का उसके पड़ोसी के साथ नाली निर्माण को लेकर विवाद चल रहा था। इसी को लेकर मारपीट की घटना घटी, जिसमें फरहाना का सिर फट गया था और उसे चोटें आई थी। मारपीट की जानकारी मिलते ही डायल 112 की पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन वहां मौजूद कुछ उपद्रवियों ने पुलिसकर्मियों से झड़प शुरू कर दी। देखते ही देखते स्थिति बिगड़ गई और लोगों ने डायल 112 की गाड़ी पर पथराव कर शीशे तोड़ दिए और पुलिसकर्मियों को दूर तक खदेड़ दिया। इसमें चालक सहित एक जमादार घायल हो गए। मामले की गंभीरता को देखते हुए डायल 112 की टीम ने तत्काल इसकी सूचना पकरीबरावां थाने को दी। इसके बाद वरीय अधिकारियों के निर्देश पर पकरीबरावां, धमौल, काशीचक एवं शाहपुर थाना की पुलिस के साथ ही वज्रा व स्वाट के जवान घटनास्थल पर पहुंचे। लेकिन जैसे ही पुलिस टीम ने छापेमारी शुरू की, वैसे ही ग्रामीण और उग्र हो गए। पहले से तैयारी कर रखे असामाजिक तत्वों ने मिर्ची पाउडर और फल पकाने में प्रयुक्त केमिकल पुलिसकर्मियों पर फेंकना शुरू कर दिया। साथ ही ईंट और पत्थर से भी हमला किया गया। अचानक हुए इस हमले में कई जवान घायल हो गए। महिला सिपाही जायदा परवीन की आंख में मिर्ची पाउडर पड़ जाने से उसे गंभीर स्थिति में अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। अन्य घायलों का भी इलाज अस्पताल में किया गया। मिर्ची पाउडर व केमिकल से से कई पुलिसकर्मियों के त्वचा में जलन होने लगी। पुलिस ने संयम बरतते हुए इलाके में सघन छापेमारी चलाई और करीब 30 लोगों को हिरासत में लिया, जिनमें तीन महिलाएं भी शामिल हैं। पकरीबरावां थाना परिसर में प्रेस कॉन्फ्रेंस में जानकारी देते मुख्यालय डीएसपी इमरान परवेज ने घटना की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि हिंसा में शामिल असामाजिक तत्वों को चिन्हित कर कड़ी कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने बताया कि विधि व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने बताया कि इस मामले में प्राथमिकी दर्ज की गई है। एक प्राथमिकी घायल फरहाना खातून ने दर्ज कराई है। वहीं, दूसरा प्राथमिकी पुलिस की ओर से दर्ज किया गया है। तीन महिला सहित 27 लोगों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया है। वहीं, तीन बालक को विधि निरुद्ध किया गया है। अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। स्थानीय लोगों की माने तो नाली निर्माण को लेकर पहले से ही विवाद चल रहा था, लेकिन प्रशासनिक हस्तक्षेप के बावजूद कोई स्थायी समाधान नहीं निकल पाया, जिससे विवाद बढ़ता गया और मारपीट की घटना घटी।

संक्षिप्त समाचार

जमीन पर बैठे अपर मुख्य सचिव

नवादा (नि.सं.)। शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव एस. सिद्धार्थ ने रविवार को जिले के अकबरपुर प्रखंड क्षेत्र के उर्दू विद्यालय रजहत का औचक निरिक्षण किया। तत्पश्चात जिले के गोनौरी रामकली टीचर ट्रेनिंग कॉलेज में मगध क्षेत्र के शिक्षकों की समस्याएं सुनीं। रजहत गांव के उर्दू विद्यालय में कक्षाओं, बाथरूम, और रसोईघर का निरीक्षण किया। दरअसल, एस. सिद्धार्थ गनौरी रामकली टीचर ट्रेनिंग कॉलेज में मगध क्षेत्र के शिक्षकों की समस्याएं उनके साथ बेंच पर बैठकर सुनी। सिद्धार्थ की इस प्रकार की सादगी से शिक्षक काफी प्रेरित दिखे साथ ही शिक्षकों के तबादले के लिए सकारात्मक कदम उठाए गए, और लोगों की समस्या भी सुनी। उन्होंने ऑनलाइन कक्षाएं संचालित करने वाले शिक्षकों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया, जो शिक्षा के डिजिटलकरण को प्रोत्साहित करने वाला कदम है। उन्होंने रजहत गांव के उर्दू विद्यालय में कक्षाओं, बाथरूम, और रसोईघर का निरीक्षण किया और सब कुछ व्यवस्थित पाया। इसके बाद, एक मदरसे में बच्चों से मुलाकात कर 'सलाम वालेकुम' कहकर उनका स्वागत किया, जिससे बच्चों ने भी उत्साह पूर्वक जवाब दिया।

अलग-अलग मामले के दो आरोपित गिरफ्तार

नारदीगंज (नवादा) (नि.सं.)। थाना क्षेत्र के विभिन्न गांव में पुलिस ने रविवार को छापेमारी की। इस दौरान पुलिस ने अलग अलग मामले के दो आरोपित को गिरफ्तार किया। थानाध्यक्ष प्रभा कुमारी ने कहा पड़रिया गांव के चाकू कांड से सम्बंधित कांड 261/2025 के आरोपित किशोरी यादव को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इसके अलावा एक अन्य वारंटी को भी पुलिस ने दबोचा है। दोनों आरोपित को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

पुनर्वस नक्षत्र में गर्मी से लोग परेशान

नारदीगंज (नवादा) (नि.सं.)। पुनर्वस नक्षत्र के आठवें दिन रविवार को सुबह होते ही तीखी धूप खिली। आसमान से लग रहा था कि आग के गोले धरती पर गिर पड़ा है। गर्मी से लोगों को जीना मुहाल हो गया। लोग छाया व ठंडी जगहों की तलाश में भटकते रहे। सावन माह की इस तरह की गर्मी देखकर हर कोई आवक रह गए। उमस भरी गर्मी से लोग परेशान रहे। दोपहर के बाद मौसम अचानक बदल गया, और आसमान में काले काले बादल छा गए। हल्की आंधी भी शुरु हो गया। उसके बाद देखते देखते वर्षा होने लगा। ऐसे में लोगों ने नियमित तौर पर बिजली उपलब्ध कराने की मांग विभागीय अधिकारियों से किया है।

गुमसुदा युवक को पुलिस ने किया बरामद

नारदीगंज (नवादा) (नि.सं.)। थाना क्षेत्र के पड़रिया निवासी रामाश्रय सिंह का गुमसुदा पुत्र 31 वर्षीय पुत्र अमरजीत कुमार को पुलिस ने बरामद कर लिया। उसके बाद पुलिस ने स्वजन को हवाले कर दिया। घर आते हो स्वजन समेत अन्य परिवार में खुशी की लहर दौड़ पड़ी। थानाध्यक्ष प्रभा कुमारी ने कहा नवादा में रजौली बस स्टैंड के समीप रविवार को अमरजीत टहल रहा था। तब यह सूचना मिली, और उसका फ़ोटो लोगों ने वाट्सएप के जरिये भेजा। फोटो को मिलान के बाद पुलिस वहां पहुंच कर अमरजीत को लेकर आया, और उसके स्वजन को सौप दिया। वह मंदबुद्धि का था। आठ जुलाई को दोपहर साढ़े बारह बजे घर से टहलने के लिए निकला था। जो अभी तक वापस नहीं लौटा है। तभी से उसके स्वजन खोजबीन कर रहे थे, नहीं मिलने परेशान व चिंतित थे। अमरजीत को पाकर लोगों खुशी की लहर दौड़ पड़ी।

127.5 लीटर शराब के साथ तस्कर गिरफ्तार

रजौली (रजौली) (नि.सं.)। थाना पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर बड़ी कार्रवाई करते हुए हरदिया पंचायत के फुलवरिया डैम के समीप से 127.5 लीटर देसी महुआ शराब और एक मोटरसाइकिल के साथ एक शराब तस्कर को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार तस्कर की पहचान रजौली थाना क्षेत्र के हरदिया पंचायत अंतर्गत न्यू सिंगर निवासी अरूण राजवंशी के पुत्र पवन कुमार के रूप में हुई है। थानाध्यक्ष सह इंस्पेक्टर राजेश कुमार ने बताया कि उन्हें गुप्त सूचना मिली थी कि फुलवरिया डैम के पास शराब का अवैध कारोबार चल रहा है। सूचना के सत्यापन और कार्रवाई के लिए तत्काल एसआई संजय कुमार के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया। टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए बताए गए स्थान पर छापेमारी की और भारी मात्रा में शराब और मोटरसाइकिल के साथ रंगे हाथों शराब तस्कर को पकड़ लिया। इस संबंध में रजौली थाना में नियमानुकूल शराब अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है और गिरफ्तार तस्कर पवन कुमार को स्वास्थ परीक्षण के उपरांत न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। थानाध्यक्ष ने बताया कि अवैध शराब के खिलाफ पुलिस का अभियान लगातार जारी रहेगा।

सड़क हादसे में युवक की मौत

कोचस (रोहतास) (नि.सं.)। थाना क्षेत्र के राष्ट्रीय राजमार्ग 319 पर शनिवार की देर रात अज्ञात वाहन की चपेट करने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक कैमूर जिले के कुदरा थाना क्षेत्र के ग्राम सहवलिया वर्तमान कोचस वार्ड 5 निवासी सुरेंद्र शाह का 35 वर्षीय पुत्र ओम प्रकाश शाह उर्फ बिट्टू शाह बताया जाता है। घटना को अंजाम दे चालक वाहन लेकर फरार हो गया। घटना के बारे में बताया जाता है कि शनिवार की देर शाम राष्ट्रीय राजमार्ग 319 पर मझुई गेट के समीप सड़क पर पैदल जा रहे हैं एक 35 वर्षीय युवक को अज्ञात वाहन ने कुचल दिया जिसमें उसकी दर्दनाक मौत हो गई। घटना के बाद उसे रास्ते से गुजर रहे वाहन चालकों ने देख योग के पास गए हालांकि देखते देखते वहां काफी संख्या में लोग जुड़ गए। स्थानीय लोगों की पहल से उसे स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया जहां मौके पर उपस्थित चिकित्सक डॉक्टर तुषार कुमार ने युवक को मृत्यु घोषित कर दिया। बताया जाता है कि युवक कोचस वार्ड नंबर 5 में रहता था, आखिर किस परिस्थिति में युवक कोचस से रात दस बजे के करीब लगभग चार किलोमीटर की दूरी पैदल चलकर मझुई गेट तक पहुंचता है और उसकी संदिग्ध स्थिति में मौत हो जाती है। जबकि राहगीरों ने बाइक रोक मृत अवस्था में युवक को पीएससी पहुंचाया जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। युवक के मौत पुलिस के लिए अब पहेली बन चुकी है। दिनारा थाना अध्यक्ष विनय कुमार ने बताया कि सड़क हादसे में युवक के मौत की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सासाराम के सदस्य अस्पताल भेज दिया है। युवक की मौत संदिग्ध स्थिति में हुई है। उन्होंने बताया मौत कैसे हुई इसके कारणों का पता अभी तक नहीं चल पाया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणो का पता चल पाएगा। फिलहाल पुलिस हर बिंदु पर मौत के कारणो का जांच पड़ताल कर रही है। हालांकि पूछताछ के दौरान थाना अध्यक्ष मौत के कारणो का जानकारी देने से परहेज करते नजर आए। मृतक के पिता सुरेंद्र शाह ने बताया कि मेरा पुत्र वहां कैसे पहुंचा इसकी मुझे कोई जानकारी नहीं। किसी से हम सब की कोई जाति दुश्मनी भी नहीं। मेरा पुत्र कपड़ा व्यवसाय था और मेरा एकलौता पुत्र था। मौत के बाद घर मे मातम पसरा हुआ है तथा परिवार वालों का रो-रो कर बुराहाल हो गया है।

विद्यालय में शिक्षकों का तांडव

करगहर (रोहतास) (नि.सं.)। उच्चतर माध्यमिक विद्यालय डिभियां में शनिवार को तीनों विशिष्ट शिक्षकों ने छात्रों के सामने जो तांडव मचाया। उसे देख सभी छात्र आश्चर्य चकित और भयभीत हैं। इस विद्यालय का लिपिक को घेर कर बैल्ट, रॉड़, गुस्से व जुते से पिटाई कर रहे शिक्षकों के बीच बचाव में आए अन्य शिक्षकों को उन्होंने दिखाने की धमकी दी। इस घटना में जख्मी लिपिक को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती किया गया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने मुक्त कर दिया। इस संबंध में उन्होंने मारपीट करने वाले तीनों शिक्षकों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कराई है।इस संबंध में सासाराम निवासी लिपिक आनंद कुमार गुप्ता ने बताया कि लैब की आवंटित राशि दो लाख छप्पन हजार रुपए की राशि बिना प्रबंध कार्यकारिणी समिति के सदस्यों के सहमति लिए खाता संचालक शिक्षक राजेश कुमार द्वारा अवैध तरीके से निकासी कर ली।उक्त राशि से पुस्तकालय के लिए भारती भवन की पुस्तकों की खरीदारी सासाराम के एक पुस्तक विक्रेता से की गई। जिसमें तीनों शिक्षकों ने पचास प्रतिशत की राशि पुस्तक विक्रेता से ली। हैरतअंगेज यह है कि पुस्तकालय के लिए खरीद की गई उक्त पुस्तकों में बीटीसी की एक भी पुस्तक नहीं है। जिसका मैंने विरोध किया। बस इस बात को लेकर उक्त तीनों शिक्षकों राजेश कुमार, कमलेश कुमार सिंह तथा अजीत कुमार सिंह ने मुझे कई बार धमकी दी। शनिवार को एक सुनियोजित योजना के तहत तीनों शिक्षकों ने मुझे घसीट घसीट कर पीटाई की तथा सोने का चेन, दो हजार दो सौ रुपए पॉकेट से निकाल लिया और विद्यालय के आवश्यक दस्तावेज को फाड़ कर फेंक दिया। इस संबंध में मैंने तीनों शिक्षकों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कराई है। प्रधानाध्यापक बिगन राम ने बताया कि संयुक्त खाता संचालक शिक्षक राजेश कुमार स्थानीय होने का धमकी देकर वरीय शिक्षकों की जगह स्वयं संयुक्त खाता का संचालन कर रहे हैं।

जिला कांग्रेस कमेटी ने कि बैठक

निज संवाददाता | सासाराम (रोहतास)

जिला कांग्रेस कमेटी रोहतास के द्वारा, पार्टी कार्यालय इंदिरा गांधी आश्रम सासाराम में जिला कांग्रेस कमेटी के तमाम पदाधिकारी BPCC के सदस्यों एवं जिले से संभावित विधानसभा के दावेदारो सभी प्रखंड अध्यक्षों की बैठक आहूत की गई। जिसमें अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी द्वारा नियुक्त प्रभारी माननीय पूर्व विधायक शैलेंद्र कुमार पांडेय शरीक हुए। बैठक में मूल रूप से आगामी 2025 विधानसभा चुनाव एवं बिहार में चल रहे मतदाता पुनरीक्षण कार्यक्रम को लेकर, आम जनता में व्याप्त आक्रोश पर चर्चा कि गई। बैठक की अध्यक्षता जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अमरेंद्र कुमार पांडेय ने किया एवं सम्मानित विधायक संतोष कुमार मिश्रा ने अपने विचार व्यक्त किया। माननीय प्रभारी जी के द्वारा आगामी अगले 4 महीना तक रोहतास जिला के अंदर प्रवास करेंगे एवं सभी प्रखंड एवं पंचायत स्तर पर दौरा कर पार्टी संगठन को मजबूत करने का कार्य करेंगे। आज के बैठक में मुख्य रूप से उपस्थित लोगों में राजेश्वर कुशवाहा विनोद राय राधा सिंह धनंजय सिंह रवि यादव दीपक शुक्ला जयप्रकाश पांडेय शिवजगी राम रोहित पासवान रामावतार राय तौफीक तिवारी मंगल राम सुरेंद्र दुबे वीरेंद्र सिंह कुशवाहा आलोक मेहता डॉक्टर विजय प्रकाश इंजीनियर सुखदेव राम नारायण राम अली हुसैन इदरीसी डॉ कामेश्वर तिवारी सुदामा राम रजनीश यादव राम पूजन राम कंचन ओझा डॉ अनिल कुमार मनोरंजन यादव रामनारायण पासवान मुन्ना पासवान रविंद्र कुमार पासवान राजेश कुमार सनोज कुमार चंद्रवंशी इत्यादि लोग शामिल हुए।

बिजली विभाग की लापरवाही से युवक झुलसा

निज संवाददाता | रजौली (नवादा)

थाना क्षेत्र के केंदुआ गांव में बिजली विभाग की कथित लापरवाही का एक बड़ा मामला सामने आया है, जहां ढीले और झूलते बिजली के तारों की चपेट में आकर एक युवक गंभीर रूप से झुलस गया। ग्रामीणों का आरोप है कि शिकायत के बावजूद विभाग ने कोई कार्रवाई नहीं की, जबकि बिजली विभाग के जूनियर इंजीनियर ने आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए युवक पर ही लापरवाही का आरोप लगाया है। केंदुआ गांव निवासी कारू प्रसाद के पुत्र पिंटू कुमार ने बताया कि बिजली विभाग के कर्मचारियों ने मनमाने तरीके से रास्ते पर ट्रांसफार्मर लगा दिया था। इसी ट्रांसफार्मर के बगल से गुजर रहे गांव के स्वर्गीय बनवारी यादव के पुत्र अरुण कुमार ढीले तारों की चपेट में आ गए, जिससे वह बुरी तरह जख्मी हो गए। घायल अरुण कुमार ने बताया कि उन्होंने गांव में कार्यरत बिजली मिस्त्री कुंदन कुमार और बिजली विभाग के डाटा ऑपरेटर धीरज कुमार को कई बार इन ढीले तारों के बारे में सूचना दी थी, लेकिन उनकी शिकायतों पर कोई ध्यान नहीं दिया गया। घायल ने यह भी बताया कि झूलते हुए तार को लेकर बीडीओ रजौली को दूरभाष पर सूचित किया गया था, जिसके बाद उनके द्वारा जानकारी बिजली जेई को भी दी गई थी। इसके बावजूद गिरे हुए तारों को ठीक नहीं किया गया, जिसका नतीजा यह हुआ कि वह उसकी चपेट में आकर घायल हो गए। ग्रामीणों ने तुरंत घायल व्यक्ति को अनुमंडलीय अस्पताल में भर्ती कराया। वहां ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक डॉ. राघवेंद्र कुमार ने उनका प्राथमिक उपचार किया और उन्हें खतरे से बाहर बताया। बिजली विभाग के जेई भुवनेश्वर प्रसाद ने इन आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया है। उन्होंने बताया कि घायल व्यक्ति द्वारा लगाए गए आरोप पूरी तरह से झूठे हैं। जेई के अनुसार घायल युवक ने बिजली विभाग के कर्मियों को बिना सूचना दिए, खुद ही ट्रांसफार्मर पर चढ़कर फ्यूज बनाने का प्रयास किया। उन्होंने कहा कि स्विच ठीक से नहीं काटे जाने के कारण युवक बिजली के चपेट में आकर झुलस गया है।

मनाई गयी पूर्व केंद्रीय मंत्री राम विलास पासवान की जयंती

निज संवाददाता | वारिसलीगंज (नवादा)

भारत के प्रख्यात दलित नेता, समाजसेवी और पूर्व केंद्रीय मंत्री स्वर्गीय राम विलास पासवान की जयंती के अवसर पर एक श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों और आम नागरिकों ने पासवान जी के जीवन, संघर्ष और योगदान को याद करते हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। सभा को संबोधित करते हुए डॉ शिव कुमार ने कहा, की 'राम विलास पासवान जी भारतीय राजनीति के एक ऐसे स्तंभ थे जिन्होंने हमेशा वंचितों, पिछड़ों और दलित समाज की आवाज को मजबूती से उठाया। उनके द्वारा किए गए कार्य आज भी हमारे लिए प्रेरणास्रोत हैं।' इस अवसर पर उनके समाज सुधार कार्यों, राजनीतिक योगदान और जनकल्याण योगदान पर चर्चा की गयी। मौके पर विभिन्न सामाजिक संगठनों, युवाओं और बुद्धिजीवियों ने भाग लिया और उनके आदर्शों को अपनाने का संकल्प लिया। राम विलास पासवान जी का जीवन संघर्ष, समर्पण और सेवा भावना का प्रतीक है। उनकी जयंती पर हम सभी यह संकल्प लें कि हम भी उनके दिखाए रास्ते पर चलकर सामाजिक समरसता और समानता के लिए कार्य करेंगे। इस अवसर पर प्रखंड 20सूत्री सदस्य मिथलेश पासवान, पूर्व प्रमुख नरेश पासवान, अशोक पासवान सहित दर्जनों लोग मौजूद थे।

चकबंदी कार्यालय का ताला तोड़ कागजात व हजारों की सामग्री चोरी

निज संवाददाता | करगहर (रोहतास)

प्रखंड परिसर में स्थित चकबंदी कार्यालय का पीछे का खिड़की तोड़ चोरों ने महत्वपूर्ण कागजात व हजारों रुपए मूल्य की सामग्री चुरा ले भागे। इस संबंध में कर्मियों ने थाना में अज्ञात चोरों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कराई है। इस घटना के संबंध में बताया जाता है कि अंचलाधिकारी, बीडीओ आवास के समीप स्थित जर्जर सरकारी मकान में चकबंदी कार्यालय का एक्सटेंशन कार्यालय बनाया गया था। जहां महत्वपूर्ण कागजात, प्रिंटर, फोटो स्टेट मशीन, रांउड कुर्सी टेबल आदि सामग्री कर्मियों को कार्य के लिए दिया गया था। शनिवार की शाम जब किसी कार्य बस वहां पहुंचे तो देखा कि खिड़की का दरवाजा तोड़ चोरों ने कार्यालय की सभी सामग्री व महत्वपूर्ण कागज चुरा लिया है। यह खबर जब चकबंदी मुख्य कार्यालय में पहुंची तो कर्मियों में खलबली मच गई। महत्वपूर्ण कागजातों की चोरी हो चुकी थी।

वैशाली में बदमाशों ने गोली मारकर युवक को किया जख्मी

निज संवाददाता | वैशाली (हाजीपुर)

जिले के कटरा थाना क्षेत्र के बीवी गीछी के पास बाइक सवार दो की संख्या में आए अपराधियों ने युवक को फोन कर घर से बुलाकर गोली मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। गोली चलने की आवाज सुनकर आसपास स्थानीय लोग जुट गए। स्थानीय लोगों द्वारा घटना की सूचना पुलिस को दी गई और घायल युवक को इलाज के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया है। गंभीर स्थिति में युवक का इलाज निजी अस्पताल में चल रहा है। घायल युवक की पहचान शेरपुर जलालपुर निवासी किशोरी राय के 25 वर्षीय पुत्र रोशन कुमार बताया गया है। मिली जानकारी के अनुसार रोशन को अपराधियों ने फोन कर घर से 500 मीटर की दूरी पर बुलाया और गोली मार दिया। गोली लगते ही रोशन घायल होकर सड़क पर गिर गया। घटना के बाद आसपास के स्थानीय लोग जुट गए।

सदर अस्पताल के एसएनसीयू में नवजात की मौत होने पर पहुंचे सांसद

निज संवाददाता | सासाराम (रोहतास)

सदर अस्पताल सासाराम के एसएनसीयू में भर्ती नवजात की मौत होने पर पहुंचे सासाराम सांसद मनोज कुमार ने चिकित्सक पर बदतमीजी का आरोप लगाया है। इससे पहले पीड़ित परिजनों ने एसएनसीयू के चिकित्सक पर आरोप लगाते हुए हो हल्ला किया। पीड़ित पक्ष की सूचना पर पहुंचे सासाराम सांसद मनोज कुमार ने बताया कि एस एन सी यू में नवजात शिशु की मौत की सूचना पर पहुंचे तो वहां तैनात चिकित्सक ने पीड़ित परिजनों सहीत उनसे भी बदतमीजी किया। सांसद मनोज कुमार ने बताया कि चिकित्सक अस्पताल में ससमय मौजूद नहीं रहते हैं जिससे नवजात शिशु की इलाज के अभाव में मौत हो गई। उन्होंने सरकार को चेताया कि वह गरीब जनता के साथ सुशासन के नाम अन्याय नहीं करें। उन्होंने स्वास्थ्य मंत्री पर आरोप लगाया कि सिर्फ बेहतर स्वास्थ्य सेवा की ढीढोरा को सरकार पीट रही है जो यह घटना पोल खोल दिया। उन्होंने कहा कि यहां गरीब जब सदर अस्पताल सासाराम पहुंचे हैं तो चिकित्सक के अभाव में नवजात शिशु की मौत हो जाती है और फिर चिकित्सक भी बदतमीजी करते हैं यह कौन सी सुशासन है। इसको लेकर सासाराम कांग्रेस सांसद मनोज कुमार ने सरकार पर सवाल खड़ा किया। वहीं पीड़ित राहुल कुमार राम ने बताया कि पिछले दिन दावथ थाना इलाके से उसकी पत्नी मधु कुमारी की प्रसव के बाद नवजात शिशु को नहीं रोने की शिकायत पर चिकित्सक के परामर्श पर सदर अस्पताल सासाराम के एसएनसीयू में भर्ती कराया था ,जहां आज नवजात शिशु की मौत हो गई। पीड़ित परिजनों का आरोप है कि एसएनसीयू में नवजात शिशु के भर्ती के बाद वहां के डॉक्टर ने अपने ड्यूटी पर तैनात नहीं दिखने से चिकित्सा के अभाव में उसके नवजात शिशु की मौत हो गई।

इसी को लेकर चिकित्सक तथा परिजनों में तू तू मैं मैं हुई, इसी बीच पीड़ित परिजन ने संसद को बुलाया जहां सांसद ने भी चिकित्सक पर बदतमीजी का आरोप लगाया। जबकि सदर अस्पताल सासाराम के एसएनसीयू के चिकित्सक मोहम्मद इम्तियाज ने बताया कि यहां 24 घंटा चिकित्सक अपने ड्यूटी पर तैनात रहते हैं।

अजित वर्मा बनें अतरी विधानसभा में भाजपा के विस्तारक

निज संवाददाता | कौआकोल (नवादा)

प्रखण्ड के दुर्गामण्डप गांव निवासी व निवर्तमान पूर्वी मण्डल अध्यक्ष अजित कुमार वर्मा को पार्टी ने गया जिला अंतर्गत 233 अतरी विधानसभा के विस्तारक मनोनीत किया है। बता दें कि प्रखण्ड से पहली बार किसी कार्यकर्ता को भाजपा ने यह सम्मान दिया है। अजित वर्मा को विस्तारक बनाये जाने पर प्रखण्ड भाजपा कार्यकर्ताओं में काफी खुशी व्याप्त है। रविवार को पूर्वी मण्डल अध्यक्ष अंकित कुमार विश्कर्मा ने पार्टी कार्यालय में एक समारोह का आयोजन कर विस्तारक बनने पर अजित वर्मा को अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया। तथा मिठाई खिलाकर उनके उज्ववल भविष्य की कामना की। वहीं अजित वर्मा ने विस्तारक बनने पर पार्टी के शीर्ष नेतृत्व एवं वरिष्ठ नेताओं के प्रति आभार जताते हुए पार्टी की मजबूती के लिए हर आवश्यक कदम उठाने की बात कही है। मौके पर सूरज साहू, मुन्ना शर्मा, राहुल कुमार, संतोष कुमार, अनन्त कुमार बर्णवाल, सुरेन्द्र महतो आदि मौजूद थे।

थाना में आव, हाजत में बंद कर करेंगे पिटाई

निज संवाददाता | मोतिहारी

मोतिहारी में एक थानेदार का दारोगा के साथ गाली गलौज करने व दबंगई करने का ऑडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। वायरल ऑडियो में थानेदार अपने ही दारोगा को फोन पर कहता है कि सिरिस्ता तुम्हारे बाप का है। तुम रिपोर्ट खोजने क्यों गया था। जल्दी थाने पर आव ..,नही तो हाजत में बंद कर पिटाई करेंगे....। थानेदार का दारोगा को दी गयी धमकी की ऑडियो सोशल मीडिया पर खूब ट्रौल हो रहा है। आमलोगों के साथ फ्रेंडली पुलिस की उम्मीद ही रखना बेकार है।

खेत में कार्य के दौरान करंट से झुलसकर एक की मौत

निज संवाददाता | करगहर (रोहतास)

बड़हरी थाना क्षेत्र के अगरसीडिहरा गांव के बधार में रविवार को सिंचाई का कार्य कर रहा एक किसान करंट की चपेट में आने झुलस गया। इस घटना में किसान झुलस कर गंभीर रूप से जख्मी हो गया। जिसे ग्रामीणों ने सदर अस्पताल सासाराम में भर्ती कराया। जहां चिकित्सकों ने जांचों परांत मृत घोषित कर दिया। इस संबंध में थानाध्यक्ष विश्वजीत कुमार ने बताया कि अगरसी डीहरा निवासी पचास वर्षीय मनोज लाल गांव के बधार में धान की रोपनी के लिए खेतों की सिंचाई कर रहे थे। इस बीच खेतों की ओर जाने के क्रम में प्लास्टिक कॉवर्ड तार जो पहले से कटा हुआ था। जिस पर किसान ने अचानक पैर रख दिया।इस घटना में किसान गंभीर रूप से झुलस गया। जिससे किसान की मौत हो गई।

बिहटा-दानापुर एलिवेटेड रोड अगले साल से होगी चालू

निज संवाददाता | दानापुर

बिहटा-दानापुर एविवेटेड सड़क पर जल्द ही गाडियां दौड़ती नजर आएगी। अगले साल सितंबर में सड़क चालू हो जाएगी। दरअसल, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शनिवार को बिहटा-दानापुर एलिवेटेड सड़क परियोजना और बिहटा में बन रहे एसडीआरएफ मुख्यालय का निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माण स्थलों पर पहुंचकर परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने बताया कि 1969.39 करोड़ रुपये की लागत से बन रही यह 25.081 किमी लंबी फोरलेन एलिवेटेड रोड दानापुर रेलवे स्टेशन से शुरू होकर कोईलवर ब्रिज तक पहुंचेगी। यह पटना-बक्सर फोरलेन सड़क परियोजना का अहम हिस्सा है। सड़क में नेऊरागंज, पैनाल, कन्हौली और विशुनपुरा के पास चार बाईपास का निर्माण किया जा रहा है। परियोजना का कार्य 11 मार्च 2024 को प्रारंभ हुआ था और इसे 6 सितंबर 2026 तक पूरा करने का लक्ष्य है। अधिकारियों ने जानकारी दी कि पहला फेज निर्धारित समय से दो महीने पहले पूरा हो चुका है और अब तक 30.07% निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है। परियोजना के तहत कुल 387 पिलर बनाए जाने हैं, जिनमें से 289 पिलर का निर्माण प्रगति पर है। साथ ही, सड़क पर 4 बड़े पुल, 10 छोटे पुल, 37 पुलिया और 1 अंडरपास भी बनाए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस सड़क के बन जाने से कोईलवर से दानापुर तक यातायात काफी सुगम होगा और यह बिहटा हवाई अड्डे को भी बेहतर कनेक्टिविटी प्रदान करेगा। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने बिहटा स्थित राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) मुख्यालय परिसर का भी दौरा किया। उन्होंने प्रशासनिक भवन के पहले और तीसरे तल पर चल रहे निर्माण कार्य का अवलोकन किया और अन्य निर्माणाधीन संरचनाओं की भी समीक्षा की। एसडीआरएफ कैंपस में प्रशासनिक भवन, ऑडिटोरियम, प्रशिक्षण केंद्र, क्वार्टर मास्टर स्टोर, राष्ट्रीय स्तर का स्वीमिंग पूल, अधिकारियों व कर्मियों के आवास, जवानों के बैरक, चिकित्सकों के लिए आवास और खेलकूद की सभी आवश्यक सुविधाएं विकसित की जा रही हैं। इस मौके पर भवन निर्माण विभाग के सचिव कुमार रवि, विकास आयुक्त प्रत्यय अमृत, पथ निर्माण विभाग के सचिव संदीप पुदुकलकट्टी, बीएसआरडीसी के एमडी शीर्षत कपिल अशोक, और एसडीआरएफ कमांडेंट राजेश कुमार समेत अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। सभी ने मुख्यमंत्री को दोनों परियोजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि निर्माण कार्य की गुणवत्ता में कोई समझौता न हो और परियोजनाओं को निर्धारित समय से पहले पूरा करने का प्रयास किया जाए।

संक्षिप्त समाचार

निर्वाचन कार्य में आरा में लगे 171 और बड़हरा में 13 कर्मचारियों से स्पष्टीकरण

आरा। आरा मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण 2025 में लापरवाही बरतने वाले बीएलओ और सुपरवाइजर पर कार्रवाई शुरू हो गई है। 193 बड़हरा विधानसभा क्षेत्र के आठ बीएलओ और पांच बीएलओ सुपरवाइजर से जवाब मांगा गया है। वहीं 194 आरा विधानसभा क्षेत्र में 138 बीएलओ और 33 सुपरवाइजर ने निर्वाचन कार्य में कोताही बरती है। इन सभी से भी स्पष्टीकरण मांगा गया है। 50 प्रतिशत से कम ऑनलाइन प्रविष्टि करने वाले बीएलओ और सुपरवाइजर को शो कॉज नोटिस जारी किया गया है। सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी 193 बड़हरा और 194 आरा विधानसभा सह आरा सदर प्रखंड विकास पदाधिकारी रवि रंजन ने चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि गणना प्रपत्र की ऑनलाइन प्रविष्टि में लापरवाही की गई है। कई बार निर्देश देने के बावजूद कैम्प मोड में प्रविष्टि समय पर नहीं की गई। इससे कार्य में अपेक्षित प्रगति नहीं हो रही। पत्र में बताया गया कि वरीय पदाधिकारी की समीक्षा में यह सामने आया कि बीएलओ द्वारा ऑनलाइन प्रविष्टि 50 प्रतिशत से भी कम की गई है। इससे यह साफ है कि कार्य के प्रति गंभीरता नहीं है। सभी बीएलओ और सुपरवाइजर को निर्देश दिया गया है कि वे शीघ्र अपना स्पष्टीकरण पत्र दें और तय लक्ष्य को पूरा करें। अन्यथा बीएलओ सुपरवाइजरों का वेतन स्थगित कर निर्वाचन की धाराओं के तहत कार्रवाई की जाएगी। 193 आरा विधानसभा क्षेत्र के कार्य में लापरवाही बरतने वाले जिन बीएलओ सुपरवाइजर पर स्पष्टीकरण किया गया है, उनमें राकेश कुमार, हरेंद्र कुमार, संतोष कुमार शाह, मोहम्मद रियाजुल्लाह, रीता पांडेय, मनोज कुमार, रेखा कुमारी, मनोज कुमार चौधरी, ओम प्रकाश, विकास कुमार, वीणा कुमारी, नीतीश चौधरी, उमेश कुमार सिंह, कोमल कुमारी, राकेश कुमार, रत्नेश कुमार, चंद्र भूषण प्रसाद, राधा रानी, निभा रानी, राजेंद्र प्रसाद, दिव्य विकास सिंह, कामेश्वर राय, सुबोध श्रीवास्तव, प्रतिभा राय, उपेंद्र कुमार राय, डॉ अशोक कुमार सिंह, अनुपमा कुमारी, मनोरमा कुमारी, गुपुत कुमार, जयमंगल कुमार, सुनीता कुमारी, हेमंत कुमार और रितेश कुमार शामिल है। वहीं 193 बड़हरा विधानसभा क्षेत्र के बीएलओ सुपरवाइजर प्रमोद कुमार, अभिषेक कुमार पांडेय, अशोक कुमार, चंद्रनारायण प्रसाद केसरी और संजय पांडेय पर स्पष्टीकरण किया गया है।

एसडीओ ने पार्षदों के साथ की बैठक

बक्सर। विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान 2025 के मद्देनजर निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी -सह-एसडीओ अविनाश कुमार ने नगर परिषद बक्सर के वार्ड पार्षदों के साथ अनुमंडल कार्यालय में बैठक आयोजित किया गया। बैठक में एसडीओ बीएलओ द्वारा किए जा रहे गणना प्रपत्र वितरण, संग्रहण एवं प्रविष्टि के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी प्रदान की गई। सभी वार्ड पार्षदों से अपना एवं अपने क्षेत्रांतर्गत गणना प्रपत्र के वितरण एवं संग्रहण में सहयोग हेतु अपील की गयी।

वीकेएसयू और मेडिकल कॉलेज का रास्ता सुलझाने पहुंचे डीएम

आरा। आरा वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय के जीरो माइल स्थित नूतन परिसर की जमीन पर मेडिकल कॉलेज निर्माण के लिए सड़क और नाला बनाए जाने को लेकर विवि की बाउंड्री तोड़ने का मामला डीएम पास पहुंचा। डीएम तनय सुल्तानिया, सदर एसडीओ रश्मि सिन्हा और उप विकास आयुक्त गुंजन सिंह सहित अन्य अधिकारी शनिवार को विश्वविद्यालय के नूतन कैम्पस पहुंचे। अधिकारियों ने दोनों पक्षों की बातों को सुना। सदर एसडीओ ने कहा कि अभी वर्तमान में मध्यस्थता करा दी गई है। विवाद के स्थाई समाधान के लिए एक बार फिर बैठक बुलाई जाएगी। गौरतलब हो कि बाउंड्री तोड़ने की घटना गुरुवार रात की है। किसी को भनक तक नहीं लगी। सुरक्षा गार्ड भी अनजान रहे। शुक्रवार सुबह बाउंड्री टूटने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। इसके बाद हड़कंप मच गया। शुक्रवार सुबह अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, छात्र जदयू और आइसा से जुड़े छात्र नेता विश्वविद्यालय पहुंचे। उन्होंने प्रदर्शन शुरू कर दिया। मामला डीएम तनय सुल्तानिया तक पहुंचा। इसके पहले डीएम ने जांच के लिए उदवंतनगर के अंचलाधिकारी को भेजा था। घटनास्थल पर सामाजिक विज्ञान संकाय के डीन प्रो. अवध बिहारी सिंह, प्रॉक्टर प्रो. लाल बाबू सिंह, सीनेट सदस्य संतोष तिवारी सहित अन्य मौजूद रहे।

शराब के साथ तीन धराए, बोलेरो जब्त

बक्सर। उत्पाद पुलिस को शनिवार को दोपहर बड़ी सफलता हाथ लगी। बोलेरो में तहखाने बना कर शराब तस्करी कर रहे तीन युवकों को उत्पाद पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। उत्पाद पुलिस मामले में आगे की कार्रवाई में जुट गई है। उत्पाद अधीक्षक ने बताया कि शनिवार को चौसा चेकपोस्ट पर जांच अभियान चलाया जा रहा था। उसी दौरान यूपी के तरफ से आ रही बोलेरो को रोका गया। बोलेरो की जांच की गई तो उसमें से 1100 पीस टेट्रा पैक शराब बरामद किया गया। बताया जा रहा है कि तस्करों ने शराब तस्करी के लिए बोलेरो में कई तहखाने बनवाए थे। उत्पाद पुलिस ने बोलेरो चालक समेत सवार दो अन्य युवकों को गिरफ्तार कर लिया। उत्पाद पुलिस के मुताबिक समस्तीपुर जिले के मोहिउद्दीन नगर थाना क्षेत्र के कुरशाहा गांव के भगवान राम के पुत्र रणधीर कुमार, पटोरी थाना क्षेत्र के उतरी डुमरी, मोहनपुर के हुलास राय के पुत्र चिंटू कुमार और वैशाली जिला के देशरी थाना क्षेत्र के गनयारी गांव के रामा राय के पुत्र कमलेश राय को गिरफ्तार कर लिया गया। उत्पाद पुलिस मामले में आगे की कार्रवाई में जुट गई है।

मुख्यमंत्री का घेराव करेंगे वित्तरहित कर्मी, जेल भरो अभियान भी चलाएंगे

आरा। जिले के वित्तरहित कर्मियों ने सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। सरकार की उदासीनता, नौकरशाहों के तानाशाही रवैये और सौतेले व्यवहार से नाराज कर्मियों ने पटना में मुख्यमंत्री का घेराव और जेल भरो अभियान चलाने का ऐलान किया है। यह आंदोलन "अनुदान नहीं वेतनमान फोरम" के बैनर तले होगा। आंदोलन में पूरे प्रदेश के वित्तरहित कर्मी शामिल होंगे। शनिवार को संजय गांधी महाविद्यालय, आरा में फोरम की बैठक हुई। अध्यक्षता महाविद्यालय के अध्यक्ष हरेकृष्ण उपाध्याय ने की। बैठक में फोरम के प्रांतीय संयोजक प्रो. रौशन कुमार, मगध, शाहाबाद और सारण प्रक्षेत्र के रिजनल कोऑर्डिनेटर प्रो. विजय कुमार चौबे, प्रो. शिव कुमार पाठक, प्रो. बृजेश कुमार सिंह, माध्यमिक विंग के संयोजक रंजीत कुमार, विभा सिन्हा, शिक्षक नेता प्रो. दुर्गाशरण मिश्रा, प्रो. सोमेश्वर प्रसाद सिंह, प्रो. सिद्धेश्वर राय समेत सैकड़ों कर्मी शामिल हुए। बैठक में आंदोलन को सफल बनाने के लिए कई निर्णय लिए गए। तय हुआ कि जिला स्तर पर टीम बनाकर सभी डिग्री कॉलेज, इंटर कॉलेज और माध्यमिक स्कूलों में जाकर कर्मियों से संपर्क किया जाएगा। सभी जनप्रतिनिधियों, मंत्रियों, सांसदों, विधायकों और विधान पार्षदों का उनके क्षेत्र में घेराव किया जाएगा। उनसे शिक्षा समिति की अनुशंसा लागू कराने के लिए सरकार पर दबाव बनाने को कहा जाएगा। फोरम ने सभी शिक्षक और स्नातक विधान पार्षदों से आगामी सत्र का बहिष्कार कर विधानमंडल में धरना देने का आग्रह किया है। सभी संघ संगठनों से सामंजस्य स्थापित करने और गर्दनीबाग में होने वाले धरना प्रदर्शन का बहिष्कार करने का निर्णय लिया गया है। सभी कर्मियों से एकजुट होकर मुख्यमंत्री आवास पर पहुंचने की अपील की गई है।

पद्मश्री भीम सिंह भवेश का स्वागत

आरा। आरा |पद्मश्री डॉ. भीम सिंह भवेश का शनिवार को बिक्रमगंज में स्वागत किया गया। वे सासाराम के पायलट बाबा आश्रम में आयोजित स्वास्थ्य जांच सह रक्तदान शिविर का उद्घाटन करने जा रहे थे। इसी क्रम में बिक्रमगंज होते हुए गुजरने पर उनका स्वागत किया गया। दर्जनों लोग थाना चौक से आगे सासाराम रोड स्थित जेएमडी आईटीआई के पास एकत्र हुए। सादे समारोह में संस्थान के संचालक अवधेश कुमार के नेतृत्व में भवेश का स्वागत किया गया। उन्होंने कहा कि समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े लोगों की सेवा करना हमारा कर्तव्य है।

बक्सर के रामरेखा घाट मार्ग से अतिक्रमण हटाने पर बवाल

निज संवाददाता। बक्सर

बक्सर में सावन के पहले सोमवार से पहले प्रशासन और दुकानदारों के बीच तनाव की स्थिति बन गई। नगर परिषद द्वारा अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई का विरोध करते हुए दुकानदारों ने रामरेखा घाट जाने वाले मुख्य मार्ग को जाम कर दिया। बता दें कि रामरेखा गंगा घाट बक्सर का प्रसिद्ध तीर्थस्थल है। सावन माह में यहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु गंगा स्नान के लिए आते हैं। वे यहां से जल लेकर ब्रह्मपुर धाम स्थित बाबा ब्रह्मेश्वर नाथ, रोहतास के गुप्ताधाम और स्थानीय शिवालयों की ओर जाते हैं। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए जिला प्रशासन ने रामरेखा घाट तक के मार्ग को अतिक्रमण मुक्त करने का निर्णय लिया। शनिवार शाम को नगर परिषद की टीम ने जेसीबी से सड़क किनारे की दुकानें, ठेले और शेड हटाए।

छोटे दुकानदारों को बनाया जा रहा निशानाः दुकानदार अजय कुमार ने कहा कि बिना पूर्व सूचना के की गई इस कार्रवाई से उनकी दुकानों को नुकसान पहुंचा है। उन्होंने आरोप लगाया कि अतिक्रमण के नाम पर छोटे दुकानदारों को निशाना बनाया जा रहा है।

सार्वजनिक रास्ते पर अतिक्रमण की अनुमति नहींः प्रशासनिक अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि श्रद्धालुओं की सुविधा सबसे महत्वपूर्ण है। सार्वजनिक रास्ते पर किसी को भी अतिक्रमण की अनुमति नहीं दी जाएगी। जिला प्रशासन के अनुसार यह कार्रवाई धार्मिक आयोजन को सुचारु रूप से संपन्न कराने के लिए की गई है।

भोजपुर में पुलिस ने 4 बदमाशों को पकड़ा, पिस्टल बरामद

निज संवाददाता। आरा

भोजपुर के नावादा थाना क्षेत्र से पुलिस ने दुकान पर फायरिंग मामले में 4 बदमाशों को पकड़ा है। एक आरोपी नाबालिग है। तलाशी के दौरान एक देसी पिस्टल बरामद हुआ है। सिगरेट के पैसे को लेकर दुकानदार से विवाद हुआ था। जिसके बाद दहशत फैलाने के लिए फायरिंग कर दी। गिरफ्तार बदमाश नीतीश कुमार, हिमांशु कुमार, दीपक कुमार ने पूछताछ के दौरान अपनी संलिप्तता स्वीकार कर ली है। श्रीटोला से नीतीश कुमार उर्फ ढेला, दीपक कुमार और डुमरिया से हिमांशु कुमार की गिरफ्तारी हुई है।

पैसे मांगने पर हुआ था विवादः जानकारी के मुताबिक सभी आरोपी 10 जुलाई को शिवगंज मोहल्ले स्थित लक्ष्मी स्टोर पर सिगरेट खरीदने आए थे। पैसे मांगने पर दुकानदार से विवाद हो गए। बात बढ़ने गोली चला दी। दुकानदार ने 20 हजार रुपए लूटने का भी आरोप लगाया था। घटनास्थल से एक खोखा बरामद हुआ था।

आरा में जहरीले सांप ने रिटायर्ड डाक कर्मचारी को काटा

निज संवाददाता। आरा

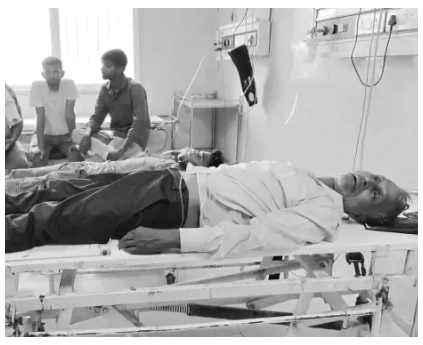

भोजपुर में रिटायर्ड डाक कर्मी को जहरीले सांप ने काट लिया। अस्पताल पहुंचने से पहले रास्ते में ही मौत हो गई। मृतक की पहचान भगवान सिंह(55) के तौर पर हुई है। घटना मुफस्सिल थाना क्षेत्र के पिपरहिया गांव की है। परिजनों ने बताया कि शनिवार देर शाम भगवान सिंह गांव में सड़क किनारे बैठे थे।

इस दौरान सांप ने उन्हें डस लिया। जिसके बाद उनकी हालत बिगड़ गई। आनन-फानन में परिवार के सदस्य सदर अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। रास्ते में ही दम तोड़ दिया था।

घर में मचा कोहरामः बिना पोस्टमार्टम कराए शव को घर लेकर आ गए। परिवार में पत्नी धाना देवी, दो पुत्र कुंदन, करण और 2 बेटी है। मौत की खबर सुनते ही घर में कोहराम मच गया। सभी का रो-रोकर बुरा हाल है।

सावन के हर रविवार को मंदिरों में चलेगा सफाई अभियान

निज संवाददाता। आरा

सावन की पहली सोमवारी को देखते हुए नगर निगम द्वारा रविवार को मंदिरों में विशेष सफाई अभियान चलाया जाएगा। अभियान का नेतृत्व मेयर इंदु देवी करेंगी। वे खुद मंदिरों में जाकर सफाई व्यवस्था का निरीक्षण करेंगी। मेयर ने कहा कि सावन माह के हर रविवार को यह अभियान चलेगा। इसका मकसद यह है कि सोमवार को जब श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़े, तो उन्हें किसी तरह की परेशानी न हो। उन्होंने कहा कि हर मंदिर परिसर में डस्टबिन रखा गया है। जहां डस्टबिन खराब हो गया है, वहां नया डस्टबिन रखा जाएगा। श्रद्धालुओं से अनुरोध किया है कि बेलपत्र और फूल जैसे पूजन सामग्री डस्टबिन में ही डालें। इसके बाद इन डस्टबिन को विशेष गाड़ी से उठाकर गांगी नदी में प्रवाहित किया जाएगा। महापौर ने मंदिरों के पुजारियों और कमेटी सदस्यों से भी सहयोग मांगा है। उन्होंने कहा कि पूजन सामग्री को कूड़े में न फेंका जाए। यह विशेष सफाई अभियान शहर के कई प्रमुख मंदिरों में चलेगा। इनमें वार्ड नंबर-5 बिन टोली स्थित सिद्धनाथ मंदिर, वार्ड नंबर-22 महाजन टोली नंबर-1 स्थित पातालेश्वर नाथ मंदिर, महादेवा रोड का बुढ़वा महादेव मंदिर, वार्ड नंबर-17 कतीरा मोड़ का सहदेव गिरी मंदिर, वार्ड नंबर-18 पकड़ी चौक का शिव मंदिर, वार्ड नंबर-14 हाउसिंग कॉलोनी का शिव मंदिर, वार्ड नंबर-41 मिनिस्ट्रियल क्वार्टर का दानीनाथ मंदिर, वार्ड नंबर-9 टाउन थाना के पीछे का शिव मंदिर, वार्ड नंबर-10 टाउन थाना के सामने का जोड़ा मंदिर, वार्ड नंबर-23 जेल रोड का जोड़ा मंदिर, वार्ड नंबर-44 गोढना रोड का शिव मंदिर और गौरैया मंदिर, गोढना रोड पर प्रताप इंटरनेशनल स्कूल के पास का शिव मंदिर, वार्ड नंबर-21 राम नगीना पांडेय स्कूल के पास का गोपीनाथ मंदिर और वार्ड नंबर-34 धनुपरा बाइपास रोड का शिव मंदिर शामिल हैं।

बक्सर में श्रावण महीने का रुट प्लान जारी

रविवार-सोमवार और महाशिवरात्रि पर ऑटो के लिए 3 रूट निर्धारित, 3 जगह पार्किंग की सुविधा

निज संवाददाता। बक्सर

बक्सर जिला पुलिस ने श्रावण मास में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए विशेष ट्रैफिक प्लान जारी किया है। यह व्यवस्था हर रविवार, सोमवार और महाशिवरात्रि (20 और 21 जुलाई) को लागू रहेगी। नाथ बाबा घाट और रामरेखा घाट क्षेत्र में यातायात सुगम बनाने के लिए कई मार्गों पर भारी वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। चार पहिया वाहन गोलम्बर, बाईपास, ज्योति चौक से होकर आईटीआई रोड मठिया मोड़ तक जा सकेंगे। इटाढी जाने वाले वाहनों को बक्सर गोलंबर, बाईपास से ज्योति चौक, कचहरी होते हुए जाना होगा।

ऑटो के लिए 3 रूट निर्धारितः ई-रिक्शा और ऑटो के लिए तीन रूट निर्धारित किए गए हैं। पहला- गोलम्बर से रेलवे स्टेशन, दूसरा- ज्योति चौक से नाथ बाबा मोड़, और तीसरा- ज्योति चौक से मठिया मोड़ तक। कुछ मार्गों पर सभी वाहनों का प्रवेश वर्जित रहेगा। इनमें थाना चौक से रामरेखा घाट और तड़का नाला से रामरेखा घाट शामिल हैं। ज्योति चौक से थाना चौक तक केवल दोपहिया वाहनों की अनुमति होगी।

3 जगह पार्किंग की सुविधाः पार्किंग की व्यवस्था ज्योति चौक से अम्बेडकर चौक के बीच और आईटीआई रोड के किनारे की गई है। किला मैदान और उसके पीछे भी पार्किंग बनाई गई है। ज्योति चौक से थाना चौक तक सड़क के दोनों किनारे दोपहिया वाहनों के लिए पार्किंग उपलब्ध रहेगी। रविवार और सोमवार को सुबह 4:00 बजे से 10:00 बजे तक तथा महाशिवरात्रि की पूर्व संध्या 21 जुलाई को शाम 4:00 बजे से अगले दिन सुबह 10:00 बजे तक बक्सर शहर में भारी वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा।

लो वोल्टेज से किसानों परेशान

चौसा, बक्सर। बक्सर जिले के पलिया पंचायत अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में लो वोल्टेज की समस्या से किसानों की परेशानियां बढ़ गई हैं। खेतों में सिंचाई का काम पूरी तरह से ठप हो गया है। समरसेबल और मोटर पंप काम नहीं कर पा रहे हैं। स्थानीय किसान लड्डू सिंह, सोनू सिंह, दिनेश कुशवाहा, जय प्रकाश सिंह और अमित ने बताया कि कम वोल्टेज के कारण कई किसानों के मोटर जल चुके हैं। इससे उन्हें आर्थिक नुकसान भी हुआ है। बारिश न होने से समस्या और बढ़ गई है। किसान लगातार खेतों को बुवाई के लिए तैयार कर रहे हैं। लेकिन न तो बारिश हो रही है और न ही सिंचाई हो पा रही है। बिजली विभाग में शिकायत करने के बाद भी कोई समाधान नहीं निकला है। कनीय अभियंता रौशन कुमार के अनुसार यह समस्या उच्च स्तर से जुड़ी है। उन्होंने बताया कि ऊपर से ही कम वोल्टेज मिल रहा है। समस्या के समाधान के लिए कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि किसानों को कुछ समय और इंतजार करना पड़ सकता है।

बक्सर में पोखर में डूबने से राज मिस्त्री की मौत

निज संवाददाता। बक्सर

बक्सर में रविवार को राज मिस्त्री की पोखर में डूबने से मौत हो गई। वो सुबह शौच के लिए गए पोखर की ओर गए थे। वहां पैर फिसलने से वे गहरे पानी में गिर गए। स्थानीय गोताखोरों ने आधे घंटे की मेहनत के बाद शव को पोखर से निकाला। घटना नया भोजपुर थाना क्षेत्र के पुराना भोजपुर गांव की है। मृतक की पहचान मुन्ना चौधरी(35) के रूप में है। घटना की सूचना मिलते ही नया भोजपुर थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया।

पोखर पर घेराबंदी की मांगः स्थानीय निवासी संजय चौधरी ने कहा कि पोखरा सालों से बिना घेराबंदी के है। यह काफी खतरनाक हो चुका है। प्रशासन से कई बार घेराबंदी की मांग की गई। लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि अगर पोखर की घेराबंदी नहीं की गई तो ऐसी घटनाएं दोबारा हो सकती हैं।

घर बनाने का करते थे कामः मृतक मुन्ना चौधरी गांव और आसपास के इलाकों में मकान निर्माण का काम करते थे। उनके परिवार में पत्नी के अलावा तीन साल का बेटा और पांच साल की बेटी हैं।

बक्सर में जमीनी विवाद में हिंसा

निज संवाददाता। बक्सर

बक्सर जिले के धनसोइ थाना क्षेत्र में जमीनी विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। कैथहरकला के लक्ष्मीगंज टोला गांव में एक पक्ष द्वारा दूसरे के खेत में जबरन धान की रोपनी करने से विवाद शुरू हुआ। विरोध के बाद दोनों पक्षों में जमकर लाठी-डंडे चले। इस घटना में अटल बिहारी चौधरी पक्ष के 5 लोग घायल हुए। सभी घायलों का इलाज सदर अस्पताल में चल रहा है। ग्रामीणों ने घटना का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर साझा किया। वीडियो में लोग एक-दूसरे को पीटते और भागते दिख रहे हैं। थाना अध्यक्ष संतोष कुमार ने बताया कि दोनों पक्षों की तरफ से एफआईआर दर्ज कर ली गई है। विवाद कैथहर कला पंचायत के लक्ष्मीगंज टोला के अटल बिहारी चौधरी और सिकठी पंचायत के पोखरवा टोला के शंभू चौधरी के बीच है। अटल बिहारी का आरोप है कि शंभू चौधरी ने उनके खेत में जबरन रोपनी की। विरोध करने पर उन्हें सड़क पर घेरकर पीटा गया। अटल बिहारी ने सिकठी पंचायत के मुखिया अनिल चौधरी पर भी हमला करवाने का आरोप लगाया है। हालांकि, मुखिया ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि उनका इस विवाद से कोई संबंध नहीं है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बक्सर में दहेज के लिए बहू की हत्या का आरोप, गले पर मिले संदिग्ध निशान

निज संवाददाता। बक्सर

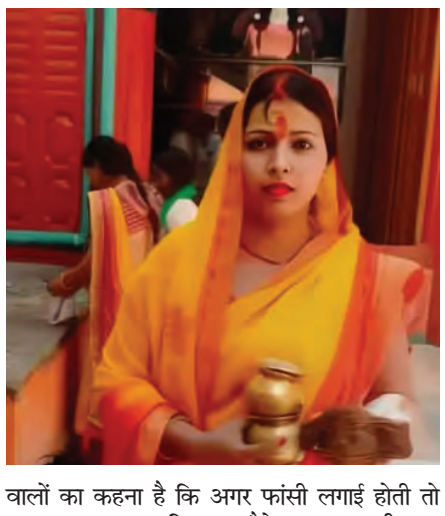

बक्सर में दहेज की लालच में एक विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतका की पहचान गुड़िया देवी के रूप में हुई है, जो मोहरिहां गांव निवासी मृत्युंजय राय की बेटी थी। परिजनों ने गुड़िया की गला दबाकर हत्या किए जाने का आरोप लगाया है। घटना सिमरी प्रखंड अंतर्गत रामदास राय के डेरा गांव की है।

बुलेट बाइक की मांग को लेकर किया प्रताड़ितः परिजनों के अनुसार, गुड़िया की शादी सोनू ठाकुर से चार वर्ष पूर्व हुई थी। शादी के बाद उनके दो बच्चे, सौम्या और आरुष का जन्म हुआ। इसके बाद से ही पति सोनू ठाकुर, सास लालमुनि देवी और देवर संदीप ठाकुर उस पर दहेज को लेकर दबाव बना रहे थे। पीड़ित पिता का आरोप है कि संदीप ठाकुर बुलेट बाइक की मांग कर रहा था। इसके लिए गुड़िया को लगातार प्रताड़ित किया जा रहा था।

फोन पर बताती थी ससुराल का हालः गुड़िया अक्सर अपने मायके फोन करके अत्याचारों की जानकारी देती थी। रविवार को अचानक उसके भाई को मोबाइल पर उसकी मौत की सूचना मिली। जब परिजन मौके पर पहुंचे, तो गुड़िया का शव जमीन पर पड़ा हुआ था। जबकि ससुराल पक्ष फांसी लगाकर आत्महत्या की बात कह रहा था। लेकिन परिवार वालों का कहना है कि अगर फांसी लगाई होती तो शव लटकता हुआ मिलता। मौके पर शव जमीन पर था और गले पर निशान भी संदिग्ध थे। किसी ने घटना की कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दी।

पुलिस जांच में जुटी, प्राथमिकी दर्जः रामदास राय के डेरा थाना प्रभारी संजीत कुमार ने बताया कि, मृतका के पिता के बयान पर एफआईआर दर्ज कर ली गई है। मामले की जांच की जा रही है और दोषियों पर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

आरा में आज पांच घंटे तक बिजली कटेगी

आरा। आरा शहर में आज पांच घंटे तक बिजली कटेगी। मेंटेनेंस वर्क को लेकर 11केवी टाउन थाना फीडर से सुबह 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक सप्लाई ठप रहेगी। इस दौरान पोल और जर्जर तार की मरम्मती की जाएगी। साथ ही हाईटेंशन तार के पास पेड़ों की छंटाई की जाएगी। कचहरी, नगर प्रचारिणी , निबंधन कार्यालय, शहीद भवन, महावीर टोला, बाबू बाजार, टाउन थाना, V मार्ट, गोला मोहल्ला, आम्रपाली मार्केट और चित्रटोलीली रोड के आसपास सप्लाई बाधित रहेगी। बिजली विभाग के कनीय अभियंता ने उपभोक्ताओं से सहयोग की अपील की है। उन्होंने कहा कि भीषण गर्मी में कोई दिक्कत न हो इसके लिए विभाग की ओर से अलर्ट जारी किया गया है।

सुल्तानगंज से गंगाजल लेकर देवघर रवाना हुए डाक बम

पहले सोमवारी पर बाबा वैद्यनाथ का करेंगे जलाभिषेक, 24 घंटे में दौड़कर तय करेंगे 108 किमी की दूरी

निज संवाददाता। भागलपुर

श्रावणी मेला के पहले सोमवारी को लेकर रविवार को भागलपुर के विभिन्न गंगा घाटों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। श्रद्धालुओं ने विधिपूर्वक उत्तरवाहिनी गंगा से जल भरकर बाबा धाम देवघर और बासुकीनाथ धाम की ओर प्रस्थान किया। विशेष रूप से 'डाक बम' श्रद्धालु जल उठाने के तुरंत बाद करीब 108 किलोमीटर की दूरी लगातार दौड़ते हुए तय करते हैं और 24 घंटे के भीतर बाबा वैद्यनाथ धाम पहुंचकर शिवलिंग पर जल अर्पित करते हैं। डाक बम की इस कठिन यात्रा को देखते हुए जगह-जगह सामाजिक और निजी संस्थाओं की ओर से जलपान, फल, प्राथमिक उपचार और विश्राम की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। समाजसेवी प्रवीण कुमार झा ने बताया, "हम श्रद्धालुओं की सेवा के लिए गंगा घाट पर फल-फ्रूट और जरूरी सुविधा दे रहे हैं। हमारी टीम लगातार सेवा में लगी हुई है ताकि किसी भी श्रद्धालु को कोई परेशानी न हो। साथ ही उन्होंने प्रशासन से मांग की हर रविवार को स्कूल को श्रद्धालु के सेवा के लिए खुला छोड़ दें। उन्होंने कहा कि इससे महिलाओं को काफी सुविधा मिलेगी।

उधर, शिवभक्तों की सुरक्षा के लिए सुल्तानगंज में गंगा घाटों पर सुरक्षा व्यवस्था को भी सख्त किया गया है। जिला प्रशासन की ओर से महिला पुलिस बल और एसडीआरएफ (राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल) की टीमों को तैनात किया गया है, जो घाटों और प्रमुख रास्तों पर कड़ी निगरानी रख रही है। नगर निगम की ओर से भी घाटों पर विशेष सतर्कता बरती जा रही है। अतिक्रमण शाखा प्रभारी जयप्रकाश यादव ने बताया कि खतरनाक स्थानों पर बैरिकेडिंग की गई है और चेतावनी संकेत लगाए गए हैं, ताकि श्रद्धालु उन सीमाओं के बाहर स्नान न करें और कोई हादसा न हो।

झारखंड के पूर्व डीजीपी राजीव कुमार देवघर हुए रवानाः वहीं, झारखंड के पूर्व डीजीपी राजीव कुमार ने भी गंगा से जल उठाया और कच्ची कांवड़िया पथ होते हुए बैधनाथ धाम देवघर के लिए पैदल चल पड़े हैं। पूर्व डीजीपी राजीव कुमार ने बताया कि 2015 से वह पैदल हर श्रावणी माह में बैधनाथ धाम जाते हैं, महादेव के प्रति अटूट आस्था है। डीजीपी पद पर रहते हुए एक बार 2015 में जल उठाया था 2016 में रिटायरमेंट के बाद भी लगातार जा रहे हैं। उन्होंने बिहार सरकार की व्यवस्थाओं को जमकर सराहा उन्होंने कहा कि बिहार में भी प्रशासन ने बेहतर इंतजाम किया है। सुरक्षा से लेकर कांवड़िया की सुविधा मेडिकल कैम्प सभी तरह के इंतजाम हैं।

भागलपुर में संदिग्ध हालत में नवविवाहित की मौत

निज संवाददाता। भागलपुर

भागलपुर में संदिग्ध हालत में नाबालिग नवविवाहित की मौत हो गई। कमरे में शव मिला है। पेट और गले पर गंभीर चोट के निशान हैं। तीन महीने पहले घर से भागकर अपने प्रेमी सत्यम कुमार(18) के साथ शादी की थी। पिता ने दहेज के लिए सास-ससुर, पति पर गला दबाकर हत्या का आरोप लगाया है। मृतका की पहचान परमानंद शर्मा के पुत्री पल्लवी कुमारी (16) के तौर पर हुई है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटना भवानीपुर थाना क्षेत्र के तेलडीहा गांव की है।

दहेज नहीं देने पर मार डालाः पिता परमानंद शर्मा ने थाने में लिखित शिकायत दी है। उन्होंने कहा कि दामाद, सास-ससुर समेत ससुराल के 6 लोगों ने गला दबाकर मेरी बेटी को मार डाला। शादी के बाद से ही दहेज की डिमांड कर रहे थे। नहीं देने पर बेटी के साथ मारपीट करते थे। उसे प्रताड़ित किया जा रहा था। सत्यम मेरे घर के पास ही रहता है। गांव में मजदूरी करता है। 3 महीना पहले बहला-फुसलाकर बेटी को घर से भगा ले गया था। मंदिर में शादी कर ली थी। शादी के बाद से सत्यम के घरवालों से मेरी बात नहीं होती थी। दहेज मांग रहे थे। वहीं, इस मामले को लेकर भवानीपुर थानाध्यक्ष महेश कुमार से संपर्क करने की कोशिश की गई, लेकिन उनसे बात नहीं हो सकी।

- घर से भागकर नाबालिग ने की थी शादी, पिता बोले- दहेज नहीं देने पर दामाद ने मार डाला

संक्षिप्त समाचार

फ्री बिजली की घोषणा का स्वागत

मुंगेर। बिहार सरकार के प्रस्तावित 100 यूनिट बिजली मुफ्त देने की घोषणा का मुंगेर सेवा मंच ने स्वागत किया है। मंच ने इसे निम्न मध्यम वर्ग व निम्न आय वर्ग वालों के लिए एक बड़ी रात बताया है। मंच के अध्यक्ष संजय कुमार बबलू ने कहा कि सरकार का यह जनकल्याणकारी पहल है। उन्होंने कहा कि 100 यूनिट मुफ्त बिजली योजना का लाभ छोटे व्यापारियों को भी मिलनी चाहिए। आज की परिस्थिति में छोटे व्यापारी भी लोअर मिडिल क्लास का ही हिस्सा हैं, और उन्हें बिजली बिल में राहत मिलनी बेहद जरूरी है। मंच के उपाध्यक्ष रवि शंकर पांडेय, सह-सचिव गौतम गोविंदा, आफताब आलम, डॉ. राकेश मोहन, प्रेम वर्मा, शशि प्रकाश, शर्मिला, सुमेधा आर्या आदि ने भी सरकार के इस फैसले की सराहना की।

जीवनी नहीं जीवन का किया गया लोकार्पण

मुंगेर। स्थानीय रेलवे स्टेशन के समीप शनिवार को मानव सेवा संघ की ओर से असहाय एवं जरूरतमंद लोगों के लिए निशुल्क लंगर का आयोजन किया गया। लंगर में बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया और स्वादिष्ट भोजन का लाभ उठाया। इस अवसर पर संघ के संयोजक घनश्याम गुप्ता, सेवानिवृत्त रेलचालक अशोक रावत, प्रशांत साह, भारत भूषण, मनोज कुमार, भीम यादव, सुबोध यादव सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे। उन्होंने पूड़ी, सब्जी आदि व्यंजनों से असहायों को भोजन परोसा और सेवा भाव का परिचय दिया। संघ के सदस्यों ने बताया कि समाज के कमजोर वर्गों की सहायता के उद्देश्य से समय-समय पर इस तरह के आयोजन किए जाते हैं। उन्होंने लोगों से भी ऐसे कार्यों में सहभागिता की अपील की। लंगर व्यवस्था की सराहना स्थानीय लोगों ने भी की और संघ के प्रयास को सराहनीय बताया। मुंगेर | कासिम बाजार निवासी अशोक कुमार शर्मा की पुस्तक जीवनी नहीं जीवन का लोकार्पण राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने राजभवन के सभागार में किया। अशोक कुमार शर्मा जिले के प्रसिद्ध साहित्यकार हैं। वे राष्ट्रीय स्तर पर स्वर्ण पदक विजेता भी हैं। पुस्तक के विमोचन समारोह में कई नामचीन हस्तियां मौजूद रहीं। पद्मश्री विमल जैन, डॉ. बीएस मंगल मूर्ति, अंतरराष्ट्रीय कवि संघ के अध्यक्ष सुजीत मुखर्जी, प्रसिद्ध लेखिका डॉ. नमिता जैन, एएम प्रसाद और प्रो. अनिल थे।

बीसीए की परीक्षा में 3 परीक्षार्थी अनुपस्थित

मुंगेर। मुंगेर विश्वविद्यालय में बीसीए सेमेस्टर-1, 3 और 5 की परीक्षा 8 जुलाई से चल रही है। परीक्षा के पांचवे दिन दो पालियों में परीक्षा ली गई। पहली पाली में सेमेस्टर-3 के मैथेमैटिक्स-2 विषय की परीक्षा हुई। इसमें कुल 4 परीक्षार्थी शामिल होने थे। इनमें से 3 छात्र उपस्थित रहे। एक छात्र अनुपस्थित रहा। दूसरी पाली में सेमेस्टर-5 के नेट प्रोग्रामिंग विषय की परीक्षा हुई। इसमें कुल 87 परीक्षार्थी पंजीकृत थे।

गृह विज्ञान के दो शिक्षकों का पदस्थापन

मुंगेर। मुंगेर विश्वविद्यालय ने बिहार राज्य विश्वविद्यालय सेवा आयोग की अनुशंसा पर गृह विज्ञान विषय के दो सहायक प्राध्यापकों का पदस्थापन कर दिया है। कुलसचिव प्रो. घनश्याम राय ने बताया कि डॉ. मनोज कुमार को बीआरएम कॉलेज मुंगेर में और डॉ. सविता कुमारी को महिला कॉलेज खगड़िया में पदस्थापित किया।

पार्षद को कारण बताओ नोटिस जारी

भागलपुर। वार्ड- 16 में बिना विभागीय सूचना के सड़क और नाला निर्माण का शिलान्यास कराने पर नगर आयुक्त शुभम कुमार ने वार्ड पार्षद अमृता को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। नगर आयुक्त ने इसे विभागीय प्रोटोकॉल का उल्लंघन माना है। पार्षद से तीन दिनों के अंदर स्पष्टीकरण मांगा गया है। पत्र में कहा गया है कि स्थायी समिति को प्राप्त शिकायत के अनुसार महफुज हुसैन लेन में 15वें वित्त आयोग योजना के तहत पीसीसी पथ और आरसीसी नाले के निर्माण कार्य का शिलान्यास पार्षद की अध्यक्षता में हुआ।

आपसी विवाद में दो गुटों में मारपीट

भागलपुर। जवारीपुर इलाके में दो गुटों में आपसी विवाद के कारण मारपीट और पथराव की हुई। मामला एक कोचिंग संचालक और छात्रा के परिजनों के बीच की है। घटना शनिवार की शाम आठ बजे के करीब की है। जानकारी मिलने पर तिलकामांझी थानेदार शंभु पासवान अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंच कर मामला शांत कराया। जानकारी के अनुसार कुछ युवक को हिरासत में भी लिया गया है। स्थानीय लोगों ने बताया कि जवारीपुर में एक कोचिंग चलता है। जिसके संचालक और एक छात्रा के परिजनों के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। जिसमें दोनों पक्ष की तरफ से एक दूसरे पर हमला किया गया। हालांकि किसी पक्ष की तरफ से लिखित शिकायत नहीं की गयी है। थानेदार शंभु पासवान ने बताया कि दो पक्षों में विवाद हुआ था।

बारसोई बीडीओ ने एसडीओ पर लगाया मानसिक प्रताड़ना का आरोप, दिया इस्तीफा

कटिहार। जिले के बारसोई प्रखण्ड विकास पदाधिकारी ने अनुमंडल पदाधिकारी के मानसिक प्रताड़ना के कारण अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। पदाधिकारी ने आरोप लगाया है कि अनुमंडल पदाधिकारी द्वारा उन्हें बिना किसी जायज कारण के अपमानित किया जा रहा था और उन्हें एक अयोग्य पदाधिकारी सिद्ध करने की कोशिश की जा रही थी। जिलाधिकारी को सौंपे इस्तीफा में बीडीओ ने अनुमंडल पदाधिकारी पर आरोप लगाया है कि बार-बार उनके साथ अपमानजनक व्यवहार किया जा रहा था और उन्हें बिना कारण बताएं नीचा दिखाने की कोशिश की जा रही थी। निर्वाचन आयोग द्वारा चलाये जा रहे विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम का उल्लेख करते हुए बीडीओ ने बताया कि पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत अनुमंडल पदाधिकारी द्वारा रात्रि शिविर के आदेश को लेकर विवाद हुआ था, जिस पर अनुमंडल पदाधिकारी ने नाराजगी जताई थी। बीडीओ ने अपने पत्र में विस्तार से बताया है कि कैसे अनुमंडल पदाधिकारी के व्यवहार ने उनके आत्मसम्मान और मानसिक स्वास्थ्य पर गहरा प्रभाव डाला है इस वजह से वे इस्तीफा देने का निर्णय लिया है। उल्लेखनीय है कि निर्वाचन आयोग द्वारा चलाये जा रहे विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत, सभी पात्र नागरिकों का नामांकन सुनिश्चित करने के लिए घर-घर जाकर सत्यापन किया जा रहा है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य निर्वाचक नामावलियों की सत्यनिष्ठा और त्रुटिमुक्त निर्वाचक नामावलियों की उपलब्धता सुनिश्चित करना है। राजनीतिक दलों को पुनरीक्षण प्रक्रिया में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। यह कार्यक्रम निर्वाचन आयोग की ओर से एक महत्वपूर्ण कदम है, जिसका उद्देश्य मतदाता सूची को अद्यतन और सटीक बनाना है। प्रखण्ड विकास पदाधिकारी के इस्तीफे के बाद प्रशासनिक व्यवस्था में वरीय पदाधिकारियों और कनिष्ठ पदाधिकारियों के बीच संबंधों और व्यवहार के महत्व को उजागर किया है।

मुख्यमंत्री आगामी 15 जुलाई को समस्तीपुर मे

समस्तीपुर। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार 15 जुलाई को समस्तीपुर जिले के सरायरंजन व मोरवा प्रखंड क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण विकास परियोजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास करेंगे। मुख्यमंत्री के संभावित दौरे को लेकर जिला प्रशासन व संबंधित विभागों ने तैयारियां तेज कर दी हैं। मुख्यमंत्री मंगलवार को संभावित कार्यक्रम के अनुसार ताजपुर-बख्तियारपुर फोरलेन परियोजना के ताजपुर से चकलालशाही तक के हिस्से का उद्घाटन करेंगे। इस मार्ग के चालू हो जाने से समस्तीपुर से पटना की ओर जानेवाले यात्रियों को बेहतर व त्वरित आवागमन की सुविधा मिल सकेगी।इसके साथ ही मुख्यमंत्री नरघोघी मेडिकल कॉलेज को एसएच-88 से जोड़नेवाली महत्वपूर्ण संपर्क पथ का शिलान्यास भी करेंगे। यह सड़क चिकित्सा सुविधा तक पहुंच को आसान बनाएगी और आपातकालीन सेवाओं में तेजी आएगी। इसके अलावे, जल संसाधन विभाग द्वारा बलान और जमुआरी नदी के उड़ाही कार्य की भी शुरुआत मुख्यमंत्री के हाथों की जाएगी।इस कार्य से बाढ़ नियंत्रण व जल निकासी की व्यवस्था को मजबूती मिलेगी, जिससे आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों को राहत मिलेगी। दोनों नदियों की उड़ाही के साथ बलान नदी में दो चेक डैम का भी प्रावधान है। ताकि नदी में हर साल बरसात के मौसम में आये पानी का पूरे साल रोका जा सके। इसका लाभ दोनों नदियों के आसपास रहने वाले इलाके के लोगों को मिल सकेगा।

सावन की प्रथम सोमवारी आज मंदिरो में गुंजेंगे हर हर महादेव

निज संवाददाता। सहरसा

ब्रज किशोर ज्योतिष संस्थान,डॉ रहमान चौक सहरसा बिहार के संस्थापक एवं प्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य पंडित तरुण झा जी ने बताया है की कल सावन की पहली सोमवारी है।इस बार सावन मे चार सोमवारी लगे हैं।सभी मंदिरो मे महादेव के नाम का गूंज वातावरण मे नये ऊर्जा का संचार पैदा करेगा।

मिथिलांचल में नव विवाहिता के लिए मधुश्रावणी की शुरुआत श्रावण मास कृष्ण पक्ष की पंचमी तिथि से होती है।जबकि समापन शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को होती है। इस बार इसकी शुरुआत 15 जुलाई मंगलवार को और समापन 27 जुलाई रविवार को होगी।कोशी क्षेत्र के प्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य पंडित तरुण झा जी के अनुसार,मिथिला की परंपराओं मे मधुश्रावणी के दौरान महिलाएं रोजाना बगीचों से फूल और पत्ते चुनती हैं और उससे विषहारा, मतलब नाग और शिव-पार्वती की पूजा करती हैं।फूल चुनने के क्रम में उनके गीतों से माहौल गमक उठता है।15 दिन के इस पूजा के दौरान नवविवाहिता को दो दिन नाग देवता की कथा सुनाई जाती है। जबकि बाकी 13 दिन के दौरान सावित्री, सत्यवान,शंकर-पावर्ती, राम-सीता, राधा-कृष्ण जैसे देवताओं की कथा भी सुनाई जाती है। इस दौरान वो अपने ससुराल से आए खाद्य पदार्थ का सेवन करती हैं और ससुराल से भेजे गए वस्त्र धारण करती है एवं पूजा करती है। परंपरा के अनुसार नवविवाहिताएं हरी साड़ी व हरी चूड़ी धारण करती हैं।

निःशुल्क कांवरिया सेवा शिविर का हुआ उद्घाटन, 1 महीने तक चलेगा सेवा शिविर

निज संवाददाता। सहरसा

सनातन नारायण सेवा संस्थान के तत्वाधान में श्रावण मास के शुरू होते ही बाबा वैद्यनाथ धाम की यात्रा करने वाले कावंड़ियों के लिए निःशुल्क सेवा शिविर का आयोजन आज से शुरू किया गया है। इस निःशुल्क सेवा शिविर का आयोजन लगातार एक माह तक चलेगा। निःशुल्क सेवा शिविर के माध्यम से कांवड़ियों के लिए कई प्रकार की सेवाएं उपलब्ध करवाई जाएगी।चिकित्सीय सेवा से लेकर फलाहार एवं अन्य प्रकार की सभी सेवाएं प्रदान की जाएगी। इस निःशुल्क सेवा शिविर का उद्घाटन राष्ट्रीय महिला आयोग की अतिरिक्त सचिव ममता कुमारी,बिहार सरकार के पूर्व मंत्री जनार्दन यादव,भाजपा बिहार प्रदेश मंत्री अनिल ठाकुर, संस्थान के अध्यक्ष सागर कुमार नन्हें द्वारा सामूहिक रूप से किया गया। उद्घाटन से पूर्व सभी अतिथियों को संस्थान द्वारा अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया।

मुख्य अतिथि ममता कुमारी ने कहा कि बैजनाथ धाम की यात्रा करने वाले कावड़ियों के सभी प्रकार की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए कई समाज के लोग निशुल्क सेवा शिविर चला रहे हैं जो की हमारी संस्कृति की सेवा भावना और आस्था के प्रति समर्पण को दर्शाता है।निःशुल्क सेवा शिविर में लोगों को बढ़ चढ़ कर भागीदार बनना चाहिए।एक मास तक चलने वाले इस कावड़ यात्रा को समाज के सहयोग और सेवा भाव के माध्यम होने वाले कठिनाई को दूर करने में प्रशासन को सहयोग मिलेगा। सनातन नारायण सेवा संस्थान के अध्यक्ष सागर कुमार नन्हें ने कहा कि हम सभी कावड़ यात्रा के दौरान कांवरिया का सेवा करने के लिए तत्पर हैं हमारे एक-एक कार्यकर्ता सेवा के लिए उत्सुक है। उन्होंने समाज के लोगों से भी अपील की कि उनके इस सेवा कार्य में सहयोग करें ताकि इस यात्रा के दौरान कोशी क्षेत्र से आने वाले एवं राज्य के अन्य क्षेत्र से आने वाले कांवरिया को बेहतर से बेहतर सुविधा मुहैया कराई जा सके।

शादीशुदा गर्लफ्रेंड से मिलने पहुंचा प्रेमी, घरवालों ने करवाई शादी, लड़की बोली-7 साल से अफेयर

निज संवाददाता। भागलपुर

भागलपुर में शादीशुदा प्रेमिका से रात में मिलने आना प्रेमी को भारी पड़ गया। परिवार वालों ने दोनों को साथ एक कमरे में पकड़ लिया और उनकी शादी करवा दी। मामला कजरैली गांव का है, जहां शनिवार रात शादी हुई। प्रेमिका मोनी कुमारी (21) ने बताया, 'प्रेमी मिथिलेश यादव (23) रात में मोबाइल फोन देने आया था। सुबह-सुबह जा रहा था तो मां ने पकड़ लिया, और हमारी शादी करवा दी।' इधर प्रेमी मिथिलेश मोनी को साथ रखने के लिए तैयार नहीं है। उसका कहना है कि मर जाऊंगा, लेकिन साथ लेकर नहीं ले जाऊंगा। लड़की ने ही फोन करके बुलाया था। जान-बूझकर मुझे फंसा दिया। घरवालों ने जबरदस्ती सिंदूर दिलवा दिया। वहीं माता-पिता का कहना है कि 6 साल पहले बेटी की शादी भी की, लेकिन वो ससुराल में रहना ही नहीं चाहती थी। पिता ने आरोप लगाया कि प्रेमी बेटी के ससुराल भी मिलने जाता था।

7 साल से हमारा अफेयर, एक बेटी भी हैः प्रेमिका मोनी ने बताया कि सात साल से हमारा अफेयर चल रहा था। मिथिलेश ने कई बार रिलेशन भी बनाया है। हमारी एक बेटी भी है। मुझे मिथिलेश के साथ ही रहना है।'

बेटी को प्रेमी के साथ जाना होगाः मोनी की मां ने सीता देवी ने बताया, 'देर रात दोनों को खिड़की से कमरे में देखा। जिसके बाद बेटी को दरवाजा खोलने को कहा। लड़का चौकी के नीचे छिपा हुआ था।' 'तब मैंने उसके कहा कि आज तुम पकड़ाए हो। काफी दिन से कोशिश कर रही थी, लेकिन तुम पकड़ में नहीं आ रहे थे।' 'बेटी ससुराल में रहना ही नहीं चाहती थी। कहती थी वहां नहीं रहूंगी। पकड़े जाने के बाद दोनों की शादी करवा दी। अब वही उसको अपने साथ रखेगा। हर हाल में उसको लेकर अपने घर जाना होगा।'

शादी के बाद मोनी ससुराल में कम रहती थीः साल 2019 में मोनी की शादी बांका जिले के अमरपुर ब्लॉक में हुई थी।

मुंगेर में मजदूर की गला दबाकर हत्या की कोशिश

निज संवाददाता। मुंगेर

मधेपुरा के हरेली गांव निवासी कंस्ट्रक्शन मजदूर विकास कुमार को शनिवार सुबह काम के लिए भागलपुर के नवगछिया में बुलाया गया। विकास अपने गांव के साथी सुजीत कुमार के साथ वहां पहुंचा। लेकिन यहां उसकी मालिक से मुलाकात नहीं हुई। वहीं, वहां मौजूद कुछ लोगों ने उससे पैसों की मांग की। इसके बाद आरोपियों ने सुजीत को पीटकर भगा दिया। विकास को बाइक पर बैठाकर खगड़िया होते हुए मुंगेर ले आए। मुंगेर में हवेली खड़गपुर थाना क्षेत्र के अगैया नदी के पास जंगल में ले जाकर गमछे से उसका गला दबाने की कोशिश की गई।

पीड़ित ने चौकीदार से मांगी मददः विकास को शाम में एक चौकीदार दिखाई दिया। उसने हिम्मत जुटाकर चौकीदार को अपनी स्थिति बताई। चौकीदार ने डायल 112 पर पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने एसआई रामबाबू कुमार के नेतृत्व में एक आरोपी को पकड़ लिया। उसके पास से बिना नंबर की बुलेट बाइक भी जब्त की।

मामले की जांच कर रही पुलिसः पुलिस ने विकास को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र हवेली खड़गपुर में प्राथमिक उपचार के बाद सदर अस्पताल मुंगेर रेफर किया। प्रभारी थानाध्यक्ष संजीव कुमार ने बताया कि पकड़ा गया आरोपी श्यामपुर थाना क्षेत्र के भूधरनी गांव का शिव कुमार है।

कटाव पीड़ितों को मुआवजा दिलाने को लेकर अनशन पर बैठे आशीष मंडल की तबीयत बिगड़ी

निज संवाददाता। भागलपुर

जिले के मासाढ़ गांव में गंगा कटाव से प्रभावित लोगों को मुआवजा नहीं मिलने के खिलाफ पिछले पांच दिनों से आमरण अनशन पर बैठे आशीष मंडल की तबीयत रविवार को अचानक बिगड़ गई। तबीयत बिगड़ने की सूचना मिलते ही प्रशासन में हड़कंप मच गया। जिला प्रशासन के आला अधिकारी मौके पर पहुंचे और तुरंत एंबुलेंस की व्यवस्था कर आशीष मंडल को भागलपुर के जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज अस्पताल मायागंज में इलाज के लिए भर्ती कराया गया। डॉक्टरों की टीम उनके स्वास्थ्य की निगरानी कर रही है। आशीष मंडल गोपालपुर के विधायक गोपाल मंडल के पुत्र हैं। वह कटाव पीड़ितों को न्याय दिलाने और मुआवजे की मांग को लेकर लगातार पांच दिनों से भूख हड़ताल पर बैठे थे। उन्होंने अपने आंदोलन को जितिया अनशन नाम दिया था। जिसे उन्होंने पूरी निष्ठा के साथ जारी रखा।

स्थानीय लोगों का कहना है कि जब तक पीड़ितों को उचित मुआवजा नहीं मिलेगा तब तक यह आंदोलन जारी रहेगा। हालांकि प्रशासन की ओर से सकारात्मक पहल के संकेत मिले हैं। उल्लेखनीय है कि बीते वर्ष से अबतक मसाढ़ गांव में गंगा नदी के कटाव के कारण दो दर्जन से अधिक घर गंगा में समा चुके हैं। उनमें से कई विस्थापितों को अभी तक मुआवजा नहीं मिला है।

बिहार सरकार

बिहार संयुक्त प्रवेश प्रतियोगिता परीक्षा पर्षद

आई0ए0एस0संघ भवन, पटना हवाई अड्डा के निकट, पटना-14

Website : bceceboard.bihar.gov.in / Helpdesk : helpdesk.bceceboard@bihar.gov.in

विज्ञापन संख्या- बी.सी.ई.सी.ई.बी. (डी.सी.ई.सी.ई.)-2025/10 दिनांक- 13.07.2025

डिप्लोमा-सर्टिफिकेट प्रवेश प्रतियोगिता परीक्षा-2025

[पॉलिटेकनिक (अभियंत्रण) पाठ्यक्रम से सम्बन्धित आवश्यक सूचना

विज्ञापन संख्या- बी.सी.ई.सी.ई.बी.(डी.सी.ई.सी.ई.)-2025/06 दिनांक 23.06.2025 एवं 2025/07 दिनांक 06.07.2025 के क्रम में DCECE(PE)-2025 के आधार पर बिहार राज्य के सरकारी / निजी क्षेत्र के पॉलिटेकनिक अभियंत्रण पाठ्यक्रमों की रिक्त सीटों पर नामांकन के लिए Online 1st Round & 2nd Round Counselling हेतु सम्मिलित सभी अभ्यर्थियों/ अविभावकों / सम्बन्धित संस्थानों को सूचित किया जाता है कि तकनीकी कारणों से विज्ञापन संख्या- बी.सी.ई.सी.ई.बी.(डी.सी.ई.सी.ई.)-2025/07 दिनांक 06.07.2025 द्वारा प्रकाशित 1st Round Counselling कार्यक्रम को निम्नवत् पुनर्निर्धारित किया जाता है;

क्र.	कार्यक्रम	पूर्व निर्धारित तिथि	पुनर्निर्धारित तिथि
i.	Round-1 Final Seat Allotment Result ..... :	11.07.2025	13.07.2025
ii.	Downloading of Allotment order (1st Round) ..... :	11.07.2025 to 15.07.2025	13.07.2025 to 17.07.2025
iii.	Documents Verification & Admission (1st Round) . :	12.07.2025 to 15.07.2025	14.07.2025 to 17.07.2025

2. 2nd Round Seat Allotment Result / Counselling एवं अन्य अग्रेत्तर कार्यक्रम यथावत् रहेगा।

3. विज्ञापन संख्या-बी.सी.ई.सी.ई.बी.(डी.सी.ई.सी.ई.)-2025/06 दिनांक- 23.06.2025 की शेष शर्तें एवं नियम यथावत् रहेंगी।

परीक्षा नियंत्रक

संक्षिप्त समाचार

वोटर लिस्ट में विदेशी नाम! बिहार में चुनावी धांधली का खुलासा

पटना, एजेंसी। चुनाव आयोग की रिपोर्ट से मचा हड़कंप -बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान चुनाव आयोग ने चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। चुनाव आयोग ने बताया कि बिहार में एसआईआर (विशेष गहन पुनरीक्षण) के दौरान किए गए घर-घर सर्वेक्षण में बूथ लेवल अधिकारियों को बड़ी संख्या में नेपाल, बांग्लादेश और म्यांमार के लोग मिले हैं।

बता दें कि जिन लोगों के नाम 1 अगस्त को जारी होने वाली मतदाता सूची के प्रारूप में नहीं हैं, वे मतदाता पंजीकरण अधिकारी, जिला निर्वाचन अधिकारी और फिर राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के समक्ष अपील दायर कर अपने प्रमाण पत्रों के साथ दावा कर सकते हैं। मतदाताओं की अंतिम सूची 30 सितंबर को प्रकाशित की जाएगी।

बिहार में 100 यूनिट फ्री बिजली मिलने के दावे में कितनी सच्चाई? सब कुछ हुआ क्लियर

पटना, एजेंसी। वित्त विभाग का कहना है कि उसने प्रति परिवार प्रति माह 100 यूनिट मुफ्त बिजली देने के किसी भी प्रस्ताव पर अपनी सहमति नहीं दी है। वित्त विभाग ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा है कि विभाग की ओर से न तो ऐसी कोई सहमति दी गई है और न ही इस संबंध में कोई निर्णय लिया गया है। वित्त विभाग द्वारा ऐसे किसी प्रस्ताव पर सहमति दिए जाने की खबर झूठी और भ्रामक है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि हम राज्य के लोगों को मुफ़्त नहीं, बल्कि सस्ती बिजली देने के पक्षधर हैं और हम लोगों को सबसे कम दर पर बिजली भी उपलब्ध करा रहे हैं। उपभोक्ताओं को राहत देने के लिए हम इतनी सब्सिडी दे रहे हैं। दूसरे राज्यों में मुफ़्त बिजली देने की बात करना उचित नहीं है।

मुख्यमंत्री ने यह बात शुक्रवार को बिहार विधानसभा में ऊर्जा विभाग की अनुदान मांग पर चर्चा के बाद कही। ऊर्जा मंत्री बिजेंद्र प्रसाद यादव जब सरकार का पक्ष रख रहे थे, तभी विपक्ष के कुछ विधायक अपनी जगह से खड़े होकर टोकते हुए दूसरे राज्यों में मुफ़्त बिजली दिए जाने का मुद्दा उठाने लगे। उल्लेखनीय है कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बिजली दरों पर बिहार विधानसभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा, ...मैं शुरू से ही कह रहा हूँ कि बिजली मुफ़्त में नहीं दी जाएगी। हम इसे बहुत कम कीमत पर उपलब्ध कराते हैं। कुछ राज्य तो इसे मुफ़्त देने की घोषणा करते हैं,

पटना में भाजपा नेता की गोली मारकर हत्या, आरोपियों ने सीने में दागी चार गोलियां

पटना, एजेंसी। बिहार में आरोपियों के हौसले बुलंद हैं. आए दिन हत्या के मामले सामने आते रहते हैं. इसी क्रम में अपराधियों ने पुनपुन के पूर्व भाजपा किसान मोर्चा अध्यक्ष सुरेंद्र केवट की गोली मारकर हत्या कर दी है. वहीं, घटना के बाद क्षेत्र में तनाव का माहौल है. खेत पर गए थे भाजपा नेता-बताया जा रहा है कि भाजपा नेता सुरेंद्र केवट शनिवार की रात घर से खाना खाकर गांव से बाहर बिहटा-सरमेरा स्टेट हाइवे-78 के किनारे स्थित अपने खेत में लगे केबिन पर मोटर को बंद करने गए थे. आरोपी ने अंधाधुंध चलाई गोलियां- मोटर बंद करने के बाद वो घर के लिए बाइक पर सवार हो रहे थे, तभी दो बाइक पर चार आरोपी आए और सुरेंद्र केवट पर अंधाधुंध गोली चला दी. आरोपियों ने सुरेंद्र केवट को चार गोलियां मारी हैं. पटना एम्स में तोड़ा दम- घटना को अंजाम देने के बाद सभी आरोपी फरार हो गए. सूचना मिलने के बाद ग्रामीण मौके पर पहुंचे और घायल अवस्था में सुरेंद्र केवट (मृतक) को उपचार के लिए पटना एम्स लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया. ग्रामीण पशु चिकित्सक भी थे सुरेंद्र केवट- सुरेंद्र केवट (मृतक) परिवार के साथ शेखपुरा गांव में ही रहते थे. पद पर नहीं होने के बावजूद उनकी राजनीति में हमेशा सहभागिता रहती थी.

गोलियों की तड़तड़ाहट से गूंजा पटना

पटना, एजेंसी। राजधानी के कंकड़बाग थाना क्षेत्र में शनिवार शाम बदमाशों ने खुलेआम फायरिंग की है. दरअसल एफ सेक्टर स्थित एक सार्वजनिक पार्क में शाम करीब 7 बजे बेखौफ अपराधी घुसे और 4 से 5 राउंड गोलियां चलाईं. बताया जा रहा है कि घटना के समय लोग पार्क में टहल रहे थे. जिससे गोलियों की आवाज सुनते ही अफरा-तफरी मच गई. सार्वजनिक पार्क में फायरिंग- मिली जानकारी के अनुसार स्कूटी सवार बदमाशों ने सार्वजनिक पार्क में फायरिंग की थी. घटना के बाद सभी मौके से फरार हो गए. आरोपियों के पास हथियार होने की वजह से किसी ने भी उनका पीछा नहीं किया. मौके से कट्टा बरामद- फायरिंग के संबंध में पुलिस को सूचना दी गई. सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की. इसी बीच घटनास्थल से एक कट्टा बरामद किया गया है. साथ ही गोलियों के खाली खोखे भी तलाशे जा रहे हैं. छापेमारी में जुटी पुलिस- इसके अलावा पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है और सीसीटीवी कैमरों की फुटेज का अवलोकन भी कर रही है. बदमाशों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार करने के लिए छापेमारी भी शुरू कर दी गई है.

अगर 112 सीटों पर लड़ेगा जदयू तो बाकी 131 में बीजेपी और चिराग-मांझी-कुशवाहा क्या करेंगे?

पटना, एजेंसी। बिहार के तमाम राजनीतिक दल विधानसभा चुनाव की तैयारी में जोर-जोर से जुटे हैं. राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के घटक दल भी सीट शेयरिंग को लेकर जोर आजमाइश कर रहे हैं. मुख्यमंत्री नीतीश कुमार 2025 के चुनाव भी बड़े भाई की भूमिका में रहना चाहते हैं. वहीं बीजेपी का स्वाभाविक रूप से अधिक सीटों पर दावा बनता है. इसी बीच जेडीयू ने एक सूची जारी कर एनडीए के अंदर थर्मामीटर लगाने की कोशिश की है. जिससे गठबंधन के अंदर पारा बढ़ गया है.

जेडीयू का 112 सीटों पर दावा

सीट बंटवारे पर एनडीए की खामोशी के बीच जेडीयू ने 112 सीटों पर तैयारी शुरू कर दी है-एनडीए में सीट बंटवारे को लेकर जारी खामोशी के बीच नीतीश कुमार की पार्टी जेडीयू ने 112 सीटों पर तैयारी शुरू कर दी है. 109 विधानसभा सीटों की तो लिस्ट भी जारी कर दी गई है. अगर 112 सीटों पर जेडीयू लड़ता है तो बाकी की 131 सीटों में बीजेपी, चिराग पासवान, जीतनराम मांझी और उपेंद्र कुशवाहा को एडजस्ट करना होगा.

सभी जिलों में चुनाव लड़ेगा जेडीयू

2020 के विधानसभा चुनाव में जनता दल यूनाइटेड ने कैमूर को छोड़कर सभी 37 जिलों में चुनाव लड़ा था लेकिन इस बार पार्टी सभी 38 जिलों में उम्मीदवार खड़े करने की तैयारी में है. विधानसभा प्रभारी की जो बैठक हुई, उसमें 109 सीट पर जेडीयू ने अपनी मजबूत स्थिति बताई है. इसके अलावे नालंदा सदर और हरनौत सीट पर भी दावा ठोका है.

2020 में कौन कितनी सीटों पर लड़े

2020 विधानसभा चुनाव में जेडीयू ने 115 सीटों पर अपने उम्मीदवार खड़े किए थे लेकिन 43 पर ही जीत मिली थी, जबकि भारतीय जनता पार्टी 110 सीटों पर लड़ी और 74 पर जीती. एनडीए के दूसरे घटक दलों में जीतनराम मांझी ने 7 सीटों पर लड़कर 4 और मुकेश सहनी की वीआईपी ने 11 पर लड़कर 4 पर जीत हासिल की थी. चिराग पासवान तब गठबंधन में नहीं थे.

बीजेपी का सबसे अधिक सीटों पर दावा

भारतीय जनता पार्टी और जनता दल यूनाइटेड में सीटों को लेकर एक स्वाभाविक टकराव है. बीजेपी का दावा यह है कि वह 80 विधायकों के साथ सबसे बड़ी पार्टी है और ज्यादा विधायक होने के चलते वह ज्यादा सीटों की हकदार है. इसके उलट जेडीयू के पास मात्र 46 विधायक हैं तो उसे अपेक्षाकृत कम सीटों पर दावा करना चाहिए. संकट की स्थिति यह है कि जब जेडीयू 109 से अधिक सीटों पर लड़ेगा तो पासवान-मांझी और उपेंद्र कुशवाहा के हिस्से में कितनी सीटें जाएंगी?

बीजेपी की सीटों पर भी जेडीयू की नजर

महत्वपूर्ण बात तो ये भी है कि जो सूची जारी हुई है, उसमें कई सीटें बीजेपी की रही है. ऐसे में भारतीय जनता पार्टी के लिए उन परंपरागत सीटों को छोड़ना आसान नहीं होगा. इनमें सुगौली, पिपरा, कहलगांव, चैनपुर और वजीरगंज विधानसभा सीट को जेडीयू इस बार बीजेपी से झटकना चाहता है. नालंदा जिले में बीजेपी की जो सीटिंग सीट है, उस पर भी नजर है.असल में जनता दल यूनाइटेड विधानसभा चुनाव में बड़े भाई की भूमिका में रहना चाहता है. इसी सोच के साथ पार्टी ने अधिक सीटों पर लड़ने की रणनीति बनाई है और उसी हिसाब से काम भी शुरू कर दिया गया है. 109 सीटों की सूची को प्रचारित कर जेडीयू की ओर से यह संकेत दिया गया है कि जिन सीटों की सूची जारी की गई है, कम से कम उतनी सीटों पर तो वह उम्मीदवार खड़े करेंगे और उन सीटों पर पार्टी की तैयारी भी मजबूत है.

विधानसभा चुनावों में जेडीयू का प्रदर्शन

2020 विधानसभा चुनाव में जनता दल यूनाइटेड को 43 सीटों पर जीत मिली थी. हालांकि चिराग पासवान की बगावत के कारण उसे 42 सीटों पर सीधा नुकसान हुआ था. वहीं 2015 में 71 सीटों पर सफलता मिली थी, उस चुनाव में आरजेडी के साथ गठबंधन था. 2010 में सबसे अधिक 115 सीटों पर जीत मिली थी, जबकि अक्टूबर 2005 के चुनाव में 88 और फरवरी 2005 के चुनाव में 55 सीटों पर जीत हासिल हुई थी.

किस चुनाव में कितने उम्मीदवार उतारे

2020 में जेडीयू ने 115 सीटों पर उम्मीदवार उतारे थे, जिसमें 43 पर जीत मिली थी. उससे पहले 2015 में आरजेडी के साथ गठबंधन के तहत 101 सीटों पर चुनाव लड़ा था. 2010 में सबसे अधिक 141 सीटों पर जेडीयू ने प्रत्याशी दिए थे. वहीं अक्टूबर 2005 के चुनाव में 139 और फरवरी 2005 के विधानसभा चुनाव में जनता दल यूनाइटेड ने 138 सीटों पर चुनाव लड़ा था.

क्या बोलीं जेडीयू प्रवक्ता

दावेदारी के सवाल पर जेडीयू प्रवक्ता अंजुम आरा मानती हैं कि अन्य दलों की तरह हमलोग भी अधिक से अधिक सीटों पर लड़ना चाहते हैं. 109 सीटों की लिस्ट जारी होने के सवाल पर वह सफाई देते हुए कहती हैं कि आधिकारिक तौर पर पार्टी की ओर से फिलहाल कोई सूची नहीं जारी की गई है. हालाकि वह दावा करती हैं कि एनडीए में समय रहते सीटों को बंटवारा हो जाएगा.

अब नहीं कटेगा पैर, इलिजारोव तकनीक से विकसित होंगी हड्डियां

पटना, एजेंसी। पैर बड़ा हो या छोटा, जटिल विकृति हो, संक्रमण से पैर के कटने की आशंका हो, हड्डियों के बीच गैप हो तो इसके इलाज में इलिजारोव तकनीक काफी कारगर है। इस तकनीक में जटिल विकृति या घाव होने पर बोन ट्रांसपोर्ट यानी हड्डियों को उगाया जाता है। अब दुर्घटना या संक्रमण की स्थिति में पैर काटने की बजाय इलिजारोव तकनीक से बोन ट्रांसपोर्ट के जरिए हड्डियों को दोबारा उगाया जा सकेगा। बिहार ऑर्थोपेडिक एसोसिएशन और असम इंडिया के मिड टर्म मीट में देश भर से आए हड्डी रोग विशेषज्ञों ने विभिन्न जटिल मामलों पर प्रेजेंटेशन और कार्यशाला में इसकी बारीकियां सिखाईं। सभी ने इसे भविष्य की सर्जरी बताया।

शुक्रवार की सुबह आयोजन सचिव डॉ. शमशुल होदा ने विषय परिचय प्रस्तुत करते हुए कहा कि मिड टर्म मीट का उद्देश्य युवा हड्डी रोग विशेषज्ञों को इलिजारोव पद्धति और घुटने की जटिल सर्जरी तकनीक का प्रशिक्षण देना है ताकि वे भविष्य में बिना अंग काटे अंगों को बचाने की दिशा में बेहतर काम कर सकें। वैज्ञानिक सत्र की शुरुआत घुटने के पास चोट विषय पर चर्चा से हुई। अध्यक्ष डॉ वीके सिन्हा, डॉ एचएन दिवाकर, डॉ एनके सिंह और डॉ एसएन सर्राफ थे। ट्रॉमा सीक्वेल सत्र में डॉ भरत सिंह, डॉ उपेंद्र प्रसाद, डॉ अशोक कुमार सिन्हा और डॉ विनोद कुमार ठाकुर ने जटिल मामलों को प्रस्तुत किया। फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम में डॉ प्रवीण साहू, डॉ मधुसूदन कुमार, डॉ सुभाष चंद्रा और डॉ राजीव आनंद अध्यक्ष थे।डॉ मंगल परिहार, डॉ जयंत शर्मा और डॉ अमर सोनी समन्वयक थे।

डॉ जयदीप मंडल ने सीपीटी के साथ क्रॉस यूनियन प्रोटोकॉल पर चर्चा की, जबकि डॉ मनीष कुमार ने एचटीवीओ के बाद एसीएल पुनर्निर्माण पर अपने विचार प्रस्तुत किए। आयोजन अध्यक्ष डॉ जन मुखोपाध्याय, असम इंडिया के संरक्षक डॉ एसएस झा, अध्यक्ष इंदौर के डॉ जयंत शर्मा, गुजरात के डॉ अमर सोनी, एम्स पटना के डॉ रितेश पांडे, आईजीआईएमएस के डॉ आशुतोष कुमार और डॉ विकास कुमार मौजूद थें ।

मेडिकल कॉलेजों में दाखिले के लिए एमसीसी ने जारी किया काउंसलिंग कार्यक्रम, जानें तारीख

पटना, एजेंसी। मेडिकल काउंसलिंग कमेटी (एमसीसी) ने केंद्रीय विश्वविद्यालय, एम्स, जिपमर, डीम्ड विश्वविद्यालय, ईएसआईसी, मेडिकल कॉलेज, एएफएमसी पुणे और केंद्रीय नर्सिंग संस्थान में दाखिले के लिए कार्यक्रम जारी कर दिया है। नीट यूजी 2025 रैंक के आधार पर उक्त कॉलेजों में एमबीएसएस समेत मेडिकल के विभिन्न स्नातक पाठ्यक्रमों की 15 प्रतिशत सीटों पर ऑल इंडिया कोटा के तहत नामांकन होगा।

पहली काउंसलिंग की सीट सत्यापन प्रक्रिया 18 और 19 जुलाई तक और रजिस्ट्रेशन 21 जुलाई से 28 जुलाई तक चलेगा। 22 से 28 जुलाई के बीच छात्रों को मेडिकल, डेंटल और नर्सिंग कॉलेजों का विकल्प भरना होगा।छात्रों को निर्धारित शुल्क भी देना होगा। 28 को च्वाइस लॉकिंग, 29 और 30 जुलाई को सीट आवंटन और 31 को चयनित छात्रों को सीट आवंटन पत्र जारी किया जाएगा। 1 से 6 अगस्त तक आवंटित कॉलेज में दस्तावेजों और फीस के साथ रिपोर्टिंग करनी होगी। एमसीसी 7 और 8 अगस्त को ज्वाइन करने वाले छात्रों का डेटा वेरिफाई करेगा।

दूसरे राउंड की काउंसलिंग के लिए सीट वेरिफिकेशन प्रक्रिया 9 से 11 अगस्त तक और रजिस्ट्रेशन 12 से 18 अगस्त तक चलेगा। 13 से 18 अगस्त तक छात्रों को अपनी पसंद के अनुसार मेडिकल और डेंटल कॉलेजों के विकल्प भरने होंगे। पहले राउंड में पहले पंजीकृत उम्मीदवारों को सिक्योरिटी फीस वापस जमा करने की कोई आवश्यकता नहीं होगी।

हाथ कटने के बाद भी प्रेमिका ने प्रेमी का नहीं छोड़ा साथ, बिहार के हीर-रांझा नीरज और सुमित्रा की कहानी बनीं मिसाल

जमुई, एजेंसी। दोस्ती, प्यार और धोखे की कहानियां आपने बहुत सुनी होंगी, लेकिन आज हम आपको जमुई निवासी नीरज और सुमित्रा की सच्ची प्रेम कहानी के बारे में बताने जा रहे हैं. नीरज और सुमित्रा का प्रेम समर्पण और विश्वास का प्रतीक है. यही कारण है कि इन दिनों ये प्रेम कहानी खूब चर्चा में बनी हुई है. इंस्टाग्राम से शुरू हुई लवस्टोरी- दरअसल नीरज कुमार गांव ढीबा निवासी हैं, जबकि सुमित्रा कुमारी गांव धोबटिया की रहने वाली हैं. उनकी लवस्टोरी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम से शुरू हुई।

पहले दोनों की जान-पहचान हुई फिर मुलाकात हुई. इसके बाद दोनों दोस्त बन गए, लेकिन दोस्ती प्यार में कब बदल गई, इसका पता ही नहीं चला. परिजनों ने सुमित्रा को भेजा गुजरात- दोनों एक दूसरे को प्यार करने लगे. वहीं, जब सुमित्रा के परिजनों को इस संबंध में पता चलता तो उन्होंने सुमित्रा को गुजरात के वापी शहर उसकी बहन के पास भेज दिया. सुमित्रा के गुजरात में होने की भनक लगते ही प्रेमी नीरज भी वापी पहुंच जाता है.

मशीन में नीरज का कट जाता है हाथ- नीरज वापी शहर में किराये का कमरा लेता है और एक कंपनी में नौकरी भी करने लगता है. प्रेमिका सुमित्रा भी बहन का घर छोड़कर नीरज के साथ 6 महीने से लिव इन में रहने लगती है. इसी बीच फैक्ट्री में काम करते समय नीरज का दाहिना हाथ मशीन की चपेट में आ गया.

सुमित्रा ने नीरज का हर कदम पर दिया साथ- नीरज के इस मुश्किल समय में जब कोई साथ में नहीं था, तब प्रेमिका सुमित्रा ने उसका हर कदम पर साथ दिया. नीरज के इलाज से लेकर हर जरूरत की जिम्मेदारी उसने अपने ऊपर ले ली. मंदिर में दोनों ने की शादी- एक दिन नीरज ने घर वापस आने की बात कही तो सुमित्रा भी साथ चलने की जिद करने लगी. बहन के विरोध के बावजूद दोनों जमुई लौट आए और एक मंदिर में पहले सात फेरे लिए फिर कोर्ट मैरेज की.

दो साल से चल रही थी प्रेम कहानी- प्रेमिका सुमित्रा कुमारी ने आगे बताया कि इंस्टाग्राम पर चैटिंग के दौरान दोनों की पहचान बढ़ी. बात हुई और प्यार हो गया. दो साल से हम दोनों में प्रेम था. मैने शादी कर ली ये बात बहन-भाई को पता है, लेकिन मम्मी पापा को नहीं पता है.

भागलपुर सहित पांच जिलों के बिजली सेंट्रल स्टोर का होगा विकास

भागलपुर, एजेंसी। उपभोक्ताओं को बेहतर सेवा उपलब्ध कराने के लिए बिजली विभाग ने केंद्रीय भंडार के विकास की योजना तैयार की है। साउथ बिहार पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड (एसबीपीडीसीएल) भागलपुर समेत पांच जिलों में केंद्रीय भंडार के विकास कार्य पर 2 करोड़ 78 लाख 52 हजार 728 रुपये खर्च करेगी। केंद्रीय भंडार की वर्तमान स्थिति जर्जर है। उपकरणों के भंडारण के कारण नियमित रखरखाव नहीं हो पा रहा है। इस कारण भवनों की स्थिति खराब होती जा रही है। इसे देखते हुए एसबीपीडीसीएल ने समय पर रखरखाव का काम कराने का निर्णय लिया है। अधिकारियों के अनुसार इस योजना के तहत नवगछिया प्रमंडलीय भंडार में शेड का निर्माण कराया जाएगा।

बांका जिले के अमरपुर में भी नया प्रमंडलीय भंडार विकसित किया जाएगा। इन कार्यों के साथ ही अन्य दो जिलों को मिलाकर बिजली कंपनी 3 करोड़ 10 लाख 89 हजार 732 रुपये अतिरिक्त खर्च करेगी। इसके लिए निविदा जारी कर दी गई है। एजेंसी के चयन के लिए 30 जुलाई को निविदा खोली जाएगी।

11बिहार की नर्स उषा सुमन, कैंसर के फोर्थ स्टेज में भी ड्यूटी और सेवा का जज्बा बरकरार

गया, एजेंसी। बिहार के गया की एक नर्स उषा सुमन हौसले की मिसाल पेश करती हैं. वो कैंसर जैसी जानलेवा बीमारी के चौथे स्टेज से जूझते हुए भी अपनी ड्यूटी और सामाजिक जिम्मेदारी को पूरी लगन के साथ निभा रही हैं. 40 वर्षीय उषा सुमन पिछले 15 सालों से इस अस्पताल में नर्स के पद पर कार्यरत हैं और उनकी प्रेरणादायी कहानी न केवल उनके परिवार, बल्कि पूरे समाज के लिए एक मिसाल है.

कैंसर के बावजूद ड्यूटी में कोई कमी नहीं- उषा सुमन अनुग्रह नारायण मगध मेडिकल कॉलेज अस्पताल के ब्लड बैंक विभाग में कार्यरत हैं. कैंसर के चौथे चरण में होने के बावजूद, वह हर दिन नियमित रूप से अपनी ड्यूटी पर पहुंचती हैं. उनके सहकर्मियों का कहना है कि उषा अपनी बीमारी का जिक्र तक नहीं करतीं और पूरे लगन के साथ काम करती हैं, जैसे कि वह पूरी तरह स्वस्थ हों. उनकी इस लगन को देखकर अस्पताल के कई कर्मचारियों को उनकी बीमारी के बारे में पता ही नहीं है.

परिवार की चिंता, उषा की बुलंद हिम्मत- कटारी हिल रोड की निवासी उषा सुमन के परिवार में उनके पति और बच्चे उनकी सेहत को लेकर हमेशा चिंतित रहते हैं. अस्पताल प्रबंधन भी उन्हें ज्यादा मेहनत करने से मना करता है, लेकिन उषा अपनी जिम्मेदारियों से पीछे नहीं हटतीं हैं. वह कहती हैं, ÷मैं अपनी बीमारी को अपने कर्तव्यों के बीच नहीं आने देती. मेरा काम मेरे लिए सिर्फ नौकरी नहीं, बल्कि एक सामाजिक जिम्मेदारी है.÷

2020 में बिगड़ी तबीयत- उषा सुमन की कहानी 2020 के कोरोना काल से शुरू होती है, जब अस्पताल में एक मरीज के रिश्तेदारों ने हंगामा किया और एक डॉक्टर बेहोश हो गए. उषा ने उस डॉक्टर की मदद की, जो बाद में कोरोना पॉजिटिव पाए गए. इसके बाद उषा की तबीयत भी बिगड़ने लगी.

2020 में चला कैंसर का पता- शुरू में उषा को लगा कि शायद उन्हें भी कोरोना हुआ है, लेकिन जांच में कोरोना की पुष्टि नहीं हुई. हालांकि, उनकी खांसी ठीक नहीं हुई। पटना में जांच के बाद डॉक्टरों ने किसी गंभीर बीमारी की आशंका जताई. वहीं दिल्ली में टेस्ट के बाद पता चला कि उन्हें चौथे चरण का कैंसर है.

डॉक्टरों ने दी थी चंद हफ्तों की मोहलत- दिल्ली के एक अस्पताल में इलाज के दौरान डॉक्टरों ने उषा को चंद हफ्तों का मेहमान बताया था. यह सुनकर उनका परिवार सदमे में चला गया लेकिन उषा ने हार नहीं मानी. वह कहती हैं, ÷मैंने जीने की इच्छा और हिम्मत के साथ इस बीमारी से लड़ने का फैसला किया.÷ हर दो महीने में वह दिल्ली इलाज के लिए जाती हैं और फिर वापस आकर अपनी ड्यूटी निभाती हैं. 15 साल के बेटे से मिली प्रेरणा- उषा की हिम्मत का सबसे बड़ा आधार उनका 15 वर्षीय बेटा रहा. जब उन्हें कैंसर का पता चला, तब उनके बेटे ने न केवल उनका हौसला बढ़ाया, बल्कि इलाज के लिए रिश्तेदारों से कर्ज लेकर आर्थिक मदद भी की. उषा बताती हैं, ÷मेरे बेटे ने मेरे लिए अपनी पढ़ाई छोड़ दी और पिता की दुकान संभालने लगा। उसकी मेहनत और हिम्मत देखकर मुझे जीने की प्रेरणा मिली.महिलाओं के लिए ब्लड की व्यवस्था- उषा सुमन न केवल अपनी ड्यूटी निभाती हैं, बल्कि उन महिला मरीजों की मदद भी करती हैं जो खून की कमी (एनीमिया) से जूझ रही होती हैं. ब्लड बैंक में कार्यरत होने के कारण, वह ऐसी महिलाओं के लिए ब्लड की व्यवस्था करती हैं जिनके पास डोनर नहीं होता. वह अपने परिवार के सदस्यों को भी रक्तदान के लिए प्रेरित करती हैं।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com

संक्षिप्त समाचार

बाबाधाम पहुंचे सांसद पप्पू यादव, दिशोम गुरु के बेहतर स्वास्थ्य के लिए की प्रार्थना,

देवघर, एजेंसी। पूर्णिया से सांसद पप्पू यादव ने श्रावणी मेला के दूसरे दिन बाबा बैद्यनाथ धाम पहुंचे और भगवान भोलेनाथ के ज्योतिर्लिंग पर जलाभिषेक कर पूजा अर्चना की। इस दौरान उन्होंने अस्पताल में भर्ती झारखंड मुक्ति मोर्चा के संस्थापक एवं राज्यसभा सांसद शिबू सोरेन के बेहतर स्वास्थ्य की प्रार्थना की। उन्होंने झारखंड के लोगों के बेहतर भविष्य की भी कामना की। उन्होंने मीडिया से बात करते हुए कहा कि झारखंड में हेमंत सोरेन की सरकार ने विकास की एक बेहतर लकीर खींची है। इसी तरह हैदराबाद और कर्नाटक में भी कांग्रेस की सरकार महिलाओं के लिए बेहतर कार्य कर रही है। सांसद पप्पू यादव ने कहा कि जिस तरह से झारखंड में महिलाओं को मंईयां सम्मान योजना के तहत तीन हजार रुपये प्रति माह मिल रहे हैं, वैसे ही बिहार में माय–बहिन योजना के तहत महिलाओं को आर्थिक मदद पहुंचाने का काम करेंगे। उन्होंने कहा कि यदि इंडिया गठबंधन की सरकार बिहार में बनती है तो वह बिहार की महिलाओं को आर्थिक मदद कर उन्हें सशक्त बनाने का काम करेंगी। उन्हें किसी के भरोसे नहीं रहना होगा। वहीं, हेमंत सरकार की प्रशंसा करते हुए कहा कि जिस प्रकार से झारखंड में हेमंत सोरेन की पार्टी ने कांग्रेस व अन्य राजनीतिक दलों को सम्मान दिया है, वैसे ही बिहार चुनाव में भी झारखंड मुक्ति मोर्चा को सम्मान मिलना चाहिए। इस दौरान उन्होंने इंडिया गठबंधन से मांग की कि बिहार चुनाव में झामुमो को सात से आठ सीटों पर चुनाव लड़ने देना चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि इंडिया गठबंधन व्यापक जीत चाहती है तो सभी छोटे–मोटे राजनीतिक दलों को एकजुट करें। सभी बड़े राजनीतिक दल अपने अहंकार को खत्म करें। सासंद ने कहा कि गठबंधन में किस पार्टी के पास कितने प्रतिशत वोट है, इसे ना देखें बल्कि सभी को सम्मान देते हुए सबको एक प्लेटफार्म पर लाएं ताकि भाजपा को भारी अंतर से हराया जा सके। गौरतलब है कि बिहार में जल्द ही चुनाव होने वाले हैं। इसे लेकर सभी राजनीतिक पार्टियां तैयारी में जुटी हुई है। सभी पार्टियां ज्यादा से ज्यादा सीटों पर चुनाव लड़ने की रणनीति बना रही है। झारखंड मुक्ति मोर्चा भी चुनाव लड़ना चाहती है, लेकिन ऐसा माना जा रहा है कि मजबूत जनाधार नहीं होने के कारण इंडिया गठबंधन में उन्हें जगह नहीं मिल रही है।

चाईबासा में जवानों ने नक्सलियों के बंकर किए तबाह, 2 आईईडी समेत अन्य सामग्री बरामद

चाईबासा, एजेंसी। कोबरा 209 और जिला पुलिस बल द्वारा संयुक्त दल बनाकर नक्सलियों के खिलाफ सर्च अभियान किया गया। इस दौरान छोटानागरा थानान्तर्गत जंगली पहाड़ी के क्षेत्र में नक्सलियों द्वारा पूर्व से लगाये गये लगभग 2 आईईडी और अन्य दैनिक सामग्री 5 नक्सल बंकर से बरामद की गई है। बरामद आईईडी को सुरक्षा की दृष्टिकोण से उसी स्थान पर बम निरोधक दस्ता की सहायता से नष्ट कर दिया गया। इसके साथ ही नक्सल बंकर को सुरक्षा बलों ने ध्वस्त कर दिया ।पुलिस अधीक्षक कार्यालय ने जानकारी दी कि प्रतिबंधित नक्सली संगठन भाकपा (माओ) के शीर्ष नेता मिसिर बेसरा, अनमोल, मोछु, अनल, असीम मंडल, अजय महतो, सागेन अंगरिया, अश्विन, पिंटु लोहरा, चंदन लोहरा, अमित हांसदा उर्फ अपटन, जयकांत, रापा मुंडा एवं अन्य नक्सली अपने दस्ता सदस्यों के साथ सारंडा कोल्हान क्षेत्र में विध्वंसक गतिविधि के लिए भ्रमणशील हैं। जिसके चलते चाईबासा पुलिस, कोबरा, सीआरपीएफ और झारखंड जगुआर की टीमों का संयुक्त दल गठित कर लगातार अभियान का संचालन किया जा रहा है। पुलिस अधीक्षक, पश्चिमी सिंहभूम चाईबासा को 7.7.2025 को गुप्त सूचना प्राप्त हुई थी कि प्रतिबंधित भाकपा (माओ) नक्सली संगठन के उग्रवादियों के द्वारा छोटानागरा थानान्तर्गत जंगली पहाड़ी क्षेत्र में गोला बारूद छिपाकर सुरक्षाबलों के खिलाफ उनका अभियान रोकने और लक्षित कर नुकसान पहुंचाने के उद्देश्य से रखा गया है। जिसके आलोक में झारखंड पुलिस (चाईबासा पुलिस) एवं कोबरा 209 बटालियन के साथ एक संयुक्त अभियान दल का गठन करते हुए 8 जुलाई को छोटानागरा थानान्तर्गत जंगली पहाड़ी क्षेत्र में सर्च अभियान शुरू किया गया था ।संयुक्त अभियान दल के द्वारा अग्रतर सर्च अभियान के दौरान शुक्रवार को छोटानागरा थानान्तर्गत जंगली पहाड़ी के क्षेत्र में नक्सलियों द्वारा पहले से लगाए गए लगभग 2 आईईडी समेत लगभग 5 नक्सल बंकरों से दैनिक सामग्री बरामद की गई है।

धनबाद में सावन की धूम, कई संस्थाएं कर रही कार्यक्रम, प्रतियोगिताओं का होगा आयोजन

धनबाद, एजेंसी। सावन माह के आगमन के साथ ही कोयलांचल धनबाद में उत्सव का माहौल शुरू हो गया है। जिले की विभिन्न सामाजिक संस्थाएं सावन उत्सव के भव्य आयोजनों की तैयारी में जुटी हैं, जिसमें खासकर महिलाओं में विशेष उत्साह देखने को मिल रहा है।

इस दौरान महिलाएं हरी चूड़ी और हरी साड़ी पहनकर एकजुट होंगी और पारंपरिक सावन गीतों पर नृत्य व संगीत के माध्यम से अपनी खुशी का इजहार करेंगी। कई संस्थाएं इस अवसर पर सावन मेले का भी आयोजन किया जाएगा।

जहां लजीज पकवानों और विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताओं का भी प्रबंध होगा। सावन उत्सव में झूला झूलना एक विशेष आकर्षण रहेगा और कई जगहों पर पौधारोपण जैसे नेक कार्य भी किए जाएंगे।

धनबाद गुजराती महिला मंडल 25 जुलाई को जैन मिलन में एक भव्य सावन उत्सव का आयोजन कर रहा है। इस उत्सव में नृत्य नाटिका, संवाद और फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता जैसे मनोरंजक कार्यक्रम होंगे।

ये आयोजन विशेष रूप से शिव परिवार की झांकी पर आधारित होंगे। मंडल की सभी महिला सदस्य हरे रंग की साड़ी और चूड़ियां पहनकर उत्सव में चार चांद लगाएंगी, जो सावन के पारंपरिक रंग को दर्शाता है।

वहीं, ब्राह्मण महिला मंडल 19 जुलाई को अपना सावन महोत्सव मनाएगा। इस आयोजन में मंडल की दो दर्जन से अधिक सदस्य शामिल होंगी। कार्यक्रम में हाउजी गेम, संगीत, विशेष वेशभूषा के साथ अंताक्षरी और स्वादिष्ट अल्पाहार की व्यवस्था की गई है।

सभी महिलाएं एक साथ मिलकर सावन के इस

उत्सव का आनंद लेंगी, जो उन्हें एक-दूसरे के करीब आने और अपनी सांस्कृतिक विरासत का जश्न मनाने का अवसर प्रदान करेगा।

बंगाली समुदाय की महिलाएं सिटी सेंटर में 20 जुलाई को एक शानदार श्रावणी महफिल का आयोजन करने जा रही हैं। इसमें समुदाय की महिलाओं का एक समूह इस कार्यक्रम में नृत्य और गायन के साथ सावन उत्सव मनाएगा। यह आयोजन सावन के पवित्र महीने का स्वागत करने के लिए समर्पित होगा, जिसमें सांस्कृतिक प्रस्तुतियों की धूम रहेगी।

मारवाड़ी महिला समिति सरायढेला शाखा 13 जुलाई को हीरापुर स्थित अग्रसेन भवन में सावन मेले का आयोजन कर रही है। इस मेले में राखी, कपड़े, ज्वेलरी, होम डेकोरेटिव आइटम्स और स्वादिष्ट पकवानों के स्टाल लगाए जाएंगे।

महिलाओं के लिए मेहंदी प्रतियोगिता और बच्चों के लिए ड्राइंग प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया है। जिसमें विजेताओं को पुरस्कृत किया जाएगा।

जीतो महिला विंग धनबाद शाखा सावन के अवसर पर 12 और 13 जुलाई को धनसार स्थित होटल सिद्धि विनायक में उड़ान नामक दो दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन करेगी।

इस कार्यक्रम में विभिन्न राज्यों और शहरों से आकर लगभग 50 स्टाल लगाए जाएंगे, जिनमें आकर्षक राखी, कपड़े, ज्वेलरी और घर सजावट के सामान उपलब्ध होंगे।

भोलेनाथ के भक्तों की सेवा में जुटे युवा, कांवरियों की सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम, रातभर तैनात रहेगी पुलिस

गिरिडीह, एजेंसी। 11 जुलाई से सावन का महीना शुरू हो चुका है। कल इस पवित्र माह की पहली सोमवारी भी है। ऐसे में बाबा भोले की नगरी जाने वालों का तांता लगा हुआ है। जबकि हजारों लोग श्रावण माह के शुरू दिन से ही शिवलिंग और जलार्पण कर वापस लौट रहे हैं। ऐसे में भोलेनाथ के भक्तों की सेवा में लोग जुट गए हैं। कई संस्था और युवाओं की टोलियों द्वारा जगह-जगह शिविर लगाया गया है।

गिरिडीह के डुमरी में भी प्रेस क्लब द्वारा शिविर लगाया गया है। यहां कांवरियों की सेवा में स्थानीय पत्रकारों के साथ-साथ कई लोग जुटे हुए हैं। इस शिविर का निरीक्षण जिले के पुलिस कप्तान डॉ बिमल कुमार ने भी किया है। निरीक्षण के क्रम में उन्होंने शिविर में कांवरियों को दी जा रही सुविधा की जानकारी ली। क्लब के अध्यक्ष संजय जायसवाल और संरक्षण मनोज सिंह ने एसपी को बताया कि शिविर में पेयजल, चिकित्सा सहायता, ठहरने की व्यवस्था, मोबाइल टॉयलेट्स की व्यवस्था की गई है।

इससे पहले शिविर का उद्घाटन अंचलाधिकारी सह प्रभारी प्रखंड विकास पदाधिकारी शशि भूषण वर्मा, इंस्पेक्टर राजेंद्र प्रसाद, बीस सूत्री अध्यक्ष डेगलाल महतो, झामुमो प्रखंड अध्यक्ष राज कुमार महतो, जिप सदस्य सुनीता देवी, भाजपा नेता जीवाधन महतो, आजसू नेता छक्कन महतो एवं जनप्रतिनिधियों ने संयुक्त रूप से फीता काटकर एवं भगवान शिव की पूजा अर्चना कर किया।

इधर, कांवरियों की सुरक्षा को लेकर एसपी डॉ बिमल कुमार ने पुख्ता तैयारी कर रखी है। चूंकि गिरिडीह के सभी मार्ग से होकर कांवरियां आते-जाते हैं। कई मार्ग घने जंगल है और रास्ता भी सुनसान है, ऐसे में मार्ग में सुरक्षा की व्यवस्था को पुख्ता किया गया। एसपी द्वारा रात में खुद ही मार्ग का निरीक्षण किया गया और थानेदार को सीधा निर्देश दिया गया है। इस दौरान बताया गया कि शाम 8 बजे से अगले दिन सुबह 4 बजे तक पुलिस पदाधिकारी और जवान खुद ही मार्ग में उपस्थित रहेंगे। कांवरियों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं हो, इसका भी ख्याल रखा जाएगा।

एसपी ने रात के समय नेशनल हाईवे के किनारे स्थित कई ढाबा और लाइन होटल का भी निरीक्षण किया। इस दौरान होटल में साफ - सफाई रखने के साथ-साथ नशे का सामान नहीं बेचने की हिदायत ढाबा-होटल संचालक को दी गई।

215 करोड़ की लागत से बनेगा टाइगर सफारी ! बेतला में 300 एकड़ में 2027 तक हो जाएगा तैयार

पलामू, एजेंसी। पीटीआर के बेतला नेशनल पार्क के इलाके में 300 एकड़ में टाइगर सफारी बनाया जाएगा। टाइगर सफारी को बनाने की लागत करीब 215 करोड़ होगी। वहीं, पलामू किला का 40 से 50 करोड़ रुपए की लागत से जीर्णोद्धार कार्य किया जाएगा। दोनों योजनाओं को 2027 तक पूरा कर लेने का टारगेट है।

टाइगर सफारी को लेकर वैधानिक मंजूरी मिल गई है। दोनों योजनाओं को लेकर वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर एवं विभागीय मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू ने अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में वन एवं पर्यावरण सचिव अबूबकर सिद्दीकी, पर्यटन सचिव मनोज कुमार, निदेशक संस्कृति आसिफ एकराम, प्रबंध निदेशक झारखंड राज्य वन निगम वाईके दास, पलामू टाइगर रिजर्व के निदेशक एसआर नटेश मौजूद थे।

बैठक में ऐतिहासिक पलामू किला के जीर्णोद्धार एवं बेतला नेशनल पार्क के पास बनने वाले 300 एकड़ में टाइगर सफारी पर चर्चा हुई। पलामू किला के जीर्णोद्धार के लिए अनुभवी कंसल्टेंट द्वारा प्रतिवेदन तैयार

कराया जाएगा। उसके बाद उसे मंजूरी देकर 40 से 50 करोड़ रुपए की लागत से जीर्णोद्धार कार्य किया जाएगा। 2025- 26 के बजटीय भाषण में भी पलामू करला के जन्मदर का जिक्र किया गया था।

बैठक में कहा गया कि बेतला नेशनल पार्क के पास टाइगर सफारी निर्माण के लिए एक प्रस्ताव तैयार किया गया था। प्रस्ताव को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से संवैधानिक सहमति प्राप्त कर ली गई है। बैठक में विभागीय मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू एवं मित्र मंत्री राधा कृष्ण किशोर ने अधिकारियों से कहा कि पलामू किला का जीर्णोद्धार एवं टाइगर प्रोजेक्ट झारखंड का एक ड्रीम प्रोजेक्ट है। दोनों योजनाओं को निर्धारित प्रक्रियाओं को पूरा कर 2027 तक पूरा कर लिया जाए।

एचईसी सप्लाई कर्मियों का आंदोलन 11वें दिन भी रहा जारी, निकाला गया जुलूस

रांची , एजेंसी। एचईसी (हैवी इंजीनियरिंग कॉरपोरेशन) में कार्यरत सप्लाई कर्मियों का आंदोलन शुक्रवार को 11वें दिन भी पूरे जोर-शोर से जारी रहा। आंदोलनकारी सप्लाईकर्मी नेहरू पार्क से जुलूस की शक्ल में निकले और एचईसी मुख्यालय पहुंचकर वहां जबरदस्त प्रदर्शन और सभा की। कर्मचारियों की भीड़ इतनी अधिक थी कि मुख्यालय के सामने सड़क पर जाम जैसे हालात बन गए। नारों, पोस्टरों और लाल झंडों के बीच मजदूरों का गुस्सा साफ नजर आया।

सभा को संबोधित करते हुए कई वक्ताओं ने चेतावनी भरे लहजे में कहा कि अगर अभी भी कर्मचारी एकजुट नहीं हुए तो आने वाले दिनों में उनका भविष्य पूरी तरह अंधकारमय हो सकता है। वक्ताओं

ने मेकॉन का उदाहरण देते हुए कहा कि जिस तरह वहां आउटसोर्सिंग एजेंसियों ने सप्लाई कर्मियों को अचानक काम पर आने से रोक दिया, वही स्थिति जल्द एचईसी में भी हो सकती है।

कर्मचारियों का आरोप है कि प्रबंधन उनके साथ लगातार धोखा कर रहा है। पांच महीने तक ईएसआई की राशि जमा नहीं की गई और जब सवाल किया गया तो कहा गया कि काम ही नहीं हुआ। ऐसे प्रबंधन पर कैसे विश्वास किया जाए वक्ताओं ने कहा कि सप्लाई कर्मियों को मिलने वाली रविवार की छुट्टी, अर्जित अवकाश, आकस्मिक अवकाश , महंगाई भत्ता और क्वार्टर की सुविधा पहले से हुए समझौतों के तहत दी जाती है।

अगर प्रबंधन इन्हें छीनने की कोशिश करेगा तो मजदूर कानूनी लड़ाई में उतरेंगे। सभा में यह भी कहा गया कि यह आंदोलन केवल वेतन या सुविधा का नहीं, सम्मान और अधिकार का आंदोलन है। वक्ताओं ने जोर देकर कहा कि जो भी अधिकार कर्मचारियों को मिले हैं, वे संघर्ष और लामबंदी से ही मिले हैं, न कि किसी दया से।

वक्ताओं ने झारखंड सरकार के श्रम मंत्री का भी हवाला दिया, जिन्होंने हाल ही में स्पष्ट कहा था कि एचईसी के ठेका मजदूरों की सुविधाएं छीनी नहीं जाएंगी। मंत्री के बयान के बावजूद प्रबंधन के रवैये में कोई बदलाव नहीं आया है, जिससे स्थिति और तनावपूर्ण हो रही है। आज की सभा को रनथू लोहरा, मनोज पाठक, राजेश शर्मा, वाई त्रिपाठी, शारदा देवी, रोहित पांडेय, मोईन अंसारी, प्रेम नाथ शाहदेव, ओवैसी आजाद और सुनील कुमार सहित कई नेताओं ने संबोधित किया।

एमजीएम अस्पताल में MR की एंट्री पर रोक, बाहर की दवा लिखने पर होगी कार्रवाई

जमशेदपुर, एजेंसी। डिमना चौक स्थित महात्मा गांधी मेमोरियल (एमजीएम) मेडिकल कॉलेज परिसर में बने नए अस्पताल में मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव्स (एमआर) की आवाजाही पर पूरी तरह से रोक लगा दी गई है।

साथ ही, चिकित्सकों को अस्पताल की ही दवाएं लिखने का निर्देश दिया गया है। यह फैसला हाल ही में अस्पताल में हुई नेशनल मेडिकल कमीशन (एनएमसी) की जांच के बाद लिया गया है, जिसमें एमआर को परिसर में घूमते हुए पाया गया था। इसपर आयोग ने नाराजगी जताई और तत्काल सख्त निर्देश जारी किए।

अधिकारी स्तर पर तुरंत कार्रवाई करते हुए अधीक्षक डॉ. आरके मंधान ने एमजीएम अस्पताल परिसर में एमआर की आवाजाही पर रोक लगाने का आदेश

जारी किया है।

उन्होंने कहा है कि यदि कोई एमआर अस्पताल में घूमते या किसी चिकित्सक से संपर्क करते हुए पाया जाता है तो उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। यह कदम मरीजों के हित और अस्पताल की छवि को बेहतर बनाने के उद्देश्य से उठाया गया है।

अधीक्षक ने इस संदर्भ में सभी विभागाध्यक्षों को लिखित निर्देश भी जारी किया है। उन्होंने कहा है कि सभी डॉक्टरों को अस्पताल में उपलब्ध दवाएं ही मरीजों को लिखनी होंगी। इसे लेकर सभी विभागाध्यक्षों को अस्पताल में मौजूद दवाओं की सूची भी सौंपी गई है। ताकि किसी तरह की संशय की स्थिति नहीं रहें।

अधीक्षक ने कहा है कि बिना कारण अस्पताल के बाहर की महंगी दवाएं लिखना मरीजों पर आर्थिक बोझ डालता है और इससे अस्पताल की साख भी प्रभावित होती है।

हाल के वर्षों में कई एमआर अस्पताल परिसर में बेरोकटोक घूमते देखे गए थे। इससे यह आशंका बनी रहती है कि बाहर की कंपनियों के दबाव में महंगी दवाएं मरीजों को लिखी जा रही हैं। एनएमसी की टीम ने निरीक्षण के दौरान इसे गंभीर अनियमितता माना और इस पर तत्काल रोक लगाने की सिफारिश की।

बिहार इंडिया ब्लॉक में झारखंड मुक्ति मोर्चा की फिर हुई उपेक्षा, बैठक का नहीं मिला न्योता !

रांची, एजेंसी। आसन्न बिहार विधानसभा चुनाव 2025 को लेकर बिहार इंडिया ब्लॉक की शनिवार को पटना में बैठक है। बिहार में इंडिया ब्लॉक के तहत महागठबंधन की यह तीसरी बैठक है, जिसमें झारखंड मुक्ति मोर्चा को नजरअंदाज किया गया है।

इसको लेकर झारखंड मुक्ति मोर्चा के केंद्रीय प्रवक्ता और केंद्रीय समिति सदस्य मनोज पांडेय ने कहा कि पार्टी को बैठक की सूचना या उसमें शामिल होने का न्योता नहीं दिया गया है। इसलिए पार्टी का कोई प्रतिनिधिमंडल बैठक में शामिल नहीं हुआ है।

बिहार की राजधानी पटना में आज होनेवाली इंडिया ब्लॉक की बैठक में शामिल होने का न्योता भले ही झारखंड मुक्ति मोर्चा ने उम्मीद नहीं छोड़ी है। झामुमो के केंद्रीय प्रवक्ता मनोज पांडेय ने कहा कि वह हताश नहीं है। पार्टी को पूरी उम्मीद है कि बिहार विधानसभा चुनाव में झारखंड मुक्ति मोर्चा को स्थान जरूर मिलेगा। मनोज पांडेय ने कहा कि पार्टी के वरिष्ठ नेताओं की बात राजद और कांग्रेस के शीर्षस्थ नेताओं से हुई है और पूरी उम्मीद है कि बिहार में झामुमो को भी सीट मिलेगी।पटना में हो रही इंडिया ब्लॉक की बैठक में फिर झारखंड मुक्ति मोर्चा को नजरअंदाज करने के मुद्दे पर प्रदेश भाजपा ने पार्टी पर तंज कसा है। झारखंड भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता अविनेश कुमार सिंह ने कहा कि अपनी उपेक्षा के बावजूद हताश नहीं होने की बात कर खुद को सिर्फ तसल्ली दे रहे हैं। झारखंड में झामुमो के साथ कांग्रेस और राजद सरकार चला रही है फिर भी बिहार में झामुमो को पूछा नहीं जा रहा है। भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि दरअसल इंडिया ब्लॉक में अंतर्द्वंद्व इतना अधिक है कि किसी भी समय बिहार में इंडिया ब्लॉक बिखर सकता है।झारखंड मुक्ति मोर्चा की बिहार इकाई ने अपने केंद्रीय इकाई को बिहार की 16 विधानसभा सीट पर चुनाव लड़ने की इच्छा जताते हुए संभावित विधानसभा सीटों की सूची भेजी है। बिहार झामुमो की इकाई ने जिन 16 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ने की अनुशंसा की है। इन सीटों में कटोरिया, चकाई, ठाकुरगंज, कोचाधामन, रानीगंज, बनमनखी, धमदाहा, रुपौली, प्राणपुर, छातापुर, सोनवर्षा, झाझा, रामनगर, जमालपुर, तारापुर और मनिहारी विधानसभा सीट शामिल है।

श्रावणी मेला स्पेशल ट्रेन का रूट, समय और दिन बदला, रांची-भागलपुर एक्सप्रेस अब नए मार्ग और समय पर चलेगी

रांची, एजेंसी। श्रावणी मेले के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए रेलवे ने रांची और भागलपुर के बीच चलने वाली श्रावणी मेला स्पेशल ट्रेन की समय-सारणी, मार्ग, परिचालन दिवस और ट्रेन संख्या में संशोधन किया है। अब यह ट्रेन नए नंबर और नए रूट के साथ चलाई जाएंगी। यह व्यवस्था 12 जुलाई 2025 से लागू होगी और 12 अगस्त 2025 तक प्रभावी रहेगी।

रेलवे के अनुसार, रांची से भागलपुर के लिए अब ट्रेन संख्या 08610 के तहत श्रावणी मेला स्पेशल ट्रेन चलाई जाएगी। यह ट्रेन 12 जुलाई से 11 अगस्त 2025 तक हर शनिवार और सोमवार को रांची से चलेगी। कुल 10 फेरे लगाए जाएंगे। यह ट्रेन रांची, मूरी, बोकारो स्टील सिटी, धनबाद,

जसीडीह, किउल और सुल्तानगंज होते हुए भागलपुर पहुंचेगी। प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से रांची रेल मंडल ने इसकी जानकारी दी है।

रांची से रात 11: 00 बजे प्रस्थान करेगी। मूरी में 00: 05 बजे पहुंचेगी और 00: 07 बजे रवाना होगी। बोकारो स्टील सिटी में 01: 15 बजे, धनबाद में 04: 05 बजे, जसीडीह में सुबह 07: 20 बजे, किउल में 09: 55 बजे, सुल्तानगंज में 11: 57 बजे और भागलपुर दोपहर 1: 00 बजे पहुंचेगी। वहीं, भागलपुर से रांची लौटने वाली ट्रेन अब 08689 नंबर से चलाई जाएगी। यह ट्रेन 13 जुलाई से 12 अगस्त 2025 तक हर रविवार और मंगलवार को भागलपुर से रवाना होगी। कुल 10 बार यह ट्रेन चलेगी। यह ट्रेन भागलपुर, देवघर, जसीडीह, किउल, कोडरमा, हजारीबाग टाउन, बरकाकाना और मूरी होते हुए रांची पहुंचेगी।

इस ट्रेन की समय-सारणी इस प्रकार है : भागलपुर से दोपहर 1: 50 बजे रवाना होगी। देवघर में 4: 20 बजे, जसीडीह में 4: 35 बजे, किउल में 7: 20 बजे, कोडरमा में 11: 20 बजे, हजारीबाग टाउन में 12: 40 बजे, बरकाकाना में 2: 15 बजे, मूरी में 3: 58 बजे रुकेगी और रांची सुबह 5: 45 बजे पहुंचेगी।

यात्री सुविधा के लिए कोच

दोनों दिशाओं में चलने वाली इस विशेष ट्रेन में कुल 14 कोच लगाए गए हैं, जिनमें 2 एसएलआरडी (लगेज सह गार्ड कोच), 3 सामान्य श्रेणी कोच और 9 स्लीपर क्लास कोच होंगे। रेलवे ने यात्रियों से अनुरोध किया है कि यात्रा से पहले ट्रेन के समय और उपलब्धता की जानकारी संबंधित रेलवे स्टेशन या आधिकारिक पोर्टल से प्राप्त कर लें। यह व्यवस्था पूरी तरह श्रावणी मेला की भीड़ को नियंत्रित करने और श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधा देने के लिए की गई है।

झारखंड में पर्यटन और खेल को बढ़ावा देंगे महेंद्र सिंह धोनी, मंत्री सुदिव्य कुमार ने मुलाकात के बाद जताई उम्मीद

रांची, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के सफल कप्तानों में से एक महेंद्र सिंह धोनी इन दिनों रांची में हैं। अक्सर जेएससीए स्टेडियम में नजर आ रहे हैं। आए दिन सिमलिया स्थित अपने फार्म हाउस से एक से बढ़कर एक गाड़ियों को ड्राइव करते हुए नजर आ रहे हैं। इस बार राज्य के पर्यटन, खेलकूद, कला संस्कृति और युवा कार्य विभाग के मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू ने उनकी तस्वीर साझा की है। उन्होंने इस मुलाकात को बेहद खास बताया है।

मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू ने कहा आज झारखंड के गौरव, भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी से मुलाकात हुई। इस दौरान राज्य में पर्यटन एवं खेल गतिविधियों के विकास को लेकर सकारात्मक चर्चा हुई। मुझे पूर्ण विश्वास है कि झारखंड में खेल और पर्यटन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में धोनी जी का सहयोग राज्य सरकार को प्राप्त होगा।

इस मुलाकात के दौरान झारखंड स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष अजय नाथ शाहदेव भी मौजूद थे। मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू ने मुलाकात के दौरान एमएस धोनी को भगवान बिरसा मुंडा की एक प्रतिमा सप्रेम भेंट की है। उन्होंने धोनी के साथ कुछ तस्वीरें भी सोशल मीडीया में पोस्ट की है।

संक्षिप्त समाचार

सत्संग में जा रहे पंजाब के श्रद्धालुओं का वाहन शिमला में नदी में गिरा; दो लोगों की मौत

शिमला , एजेंसी। हिमाचल प्रदेश के शिमला जिले के चौपाल उपमंडल में शनिवार शाम एक बड़ा सड़क हादसा हो गया। नेरवा फेडजपुल मुख्य मार्ग पर टंडोरी और बथाल के बीच पंजाब के नंबर की स्कॉर्पियो गाड़ी अनियंत्रित होकर सड़क से करीब 80 से 100 मीटर नीचे सालवी नदी में जा गिरी। जिससे उसने सवार दो लोगों की मौत हो गई जबकि दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। इसके अलावा गाड़ी में सवार 8 से 10 साल का एक बच्चा नदी में बह गया, जिसकी तलाश देर शाम तक पुलिस और स्थानीय लोग करते रहे, हालांकि अंधेरा और नदी के तेज बहाव के कारण उसका कुछ पता नहीं चल सका था। गाड़ी में सवार लोग पंजाब के नवांशहर के रहने वाले थे और सत्संग में भाग लेने आ रहे थे। इस हादसे में मारे गए लोगों की पहचान कुमार सुची और गुरमेल लाल के रूप में हुई है। घायल होने वालों में बलविंदर (उम्र करीब 35 वर्ष) पत्नी हरबंस लाल, और केशव कुमार (उम्र करीब 32 वर्ष) पुत्र नरेन्द्र कुमार शामिल हैं। घायलों का उपचार नेरवा अस्पताल में चल रहा है। हादसे के बाद नेरवा थाना प्रभारी अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और राहत व बचाव कार्य में जुटे रहे। अंधेरा होने और नदी का जल स्तर बढ़ने की वजह से बचाव अभियान में दिक्कतें आ रही हैं। हादसे के बाद नदी में गिरी कार आधी डूबी हुई थी। चौपाल उपमंडल के डीएसपी सुशांत शर्मा ने हादसे की पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि दो लोगों की मौत हो चुकी है और एक बच्चा नदी में बहने की वजह से लापता है। उसकी तलाश में टीमें जुटी हुई हैं। बता दें कि हिमाचल में मॉनसून सीजन जो 20 जून से शुरू हुआ है, लगातार आफत बरपा रहा है। अब तक विभिन्न वर्षा जनित हादसों में 95 लोगों की मौत हो चुकी है। इनमें 39 मौतें सड़क हादसों में हुई हैं। बरसात के कारण सड़कों पर फिसलन और पहाड़ी रास्तों की खतरनाक हालत के चलते प्रशासन ने लोगों से विशेष सतर्कता बरतने की अपील की है, खासकर नदी-नालों और पहाड़ी इलाकों में सफर के दौरान। मौसम विभाग ने आगामी 18 जुलाई तक राज्य में भारी वर्षा का येलो अलर्ट जारी किया है।

जयपुर में छेड़छाड़ की घटना के बाद बवाल, दो पक्षों में जमकर चले पत्थर; कई लोग घायल

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान के जयपुर में शनिवार शाम को कथित तौर पर छेड़छाड़ की घटना को लेकर भारी बवाल हो गया। इस दौरान दो समुदायों के बीच जमकर पथराव हुआ। इस हिंसा में कई लोगों के घायल होने की खबर है। घटना के बाद से इलाके में तनाव का माहौल है और स्थिति को काबू करने के लिए पुलिस बल तैनात किया गया है। इंडिया टुडे की रिपोर्ट के अनुसार, जयपुर के सांप्रदायिक रूप से संवेदनशील रामगंज के बाबू का टीका इलाके में शनिवार शाम छेड़छाड़ की घटना के बाद दो समुदायों के बीच झड़प और टकराव से तनाव फैल गया। इस दौरान दोनों तरफ से पथराव हुआ। शुरुआती रिपोर्टों के अनुसार, एक समुदाय के लोगों द्वारा एक महिला को कथित तौर पर परेशान किए जाने के बाद विवाद शुरू हुआ।

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर भीषण सड़क हादसा; 4 की मौत, आधा दर्जन घायल

कोटा , एजेंसी। राजस्थान के कोटा जिले में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर रविवार को भीषण सड़क हादसा हो गया। एक्सीडेंट में दो वाहनों के बीच जोरदार टक्कर में चार लोगों की मौत हो गई। वही हादसे में आधा दर्जन से अधिक लोग घायल हो गए हैं। यह हादसा जिले के बूढ़ादीत थाना इलाके में चम्बल नदी पर हुआ है। बूढ़ादीत थाना अधिकारी रघुनाथ सिंह ने बताया कि मरने वाले लोग करौली के निवासी थे। वह लोग अपने रिश्तेदारों के साथ गोद भराई के कार्यक्रम में मध्य प्रदेश के इंदौर गए थे। कार्यक्रम समाप्ति के बाद सभी लोग इंदौर से वापस दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे के रास्ते करौली लौट रहे थे। तभी बूढ़ादीत के पास चंबल नदी पर अज्ञात वाहन ने टेंपो ट्रैक्स को टक्कर मार दी। हादसा के बाद मौके पर हड़कंप मच गया। इस हादसे में तीन लोगों की मौके पर मौत हुई है जबकि एक की अस्पताल ले जाते समय रास्ते में मौत हो गई। वहीं दो वाहनों में हुई जोरदार टक्कर के बाद टेंपो ट्रैक्स वाहन पीछे से अन्य वाहन से टकरा गया। पुलिस ने बताया कि हादसे में सुरेश सोनी, गीता सोनी और अनिल की मौके पर मौत हो गई।

जम्मू-कश्मीर में शहीदों के कब्रिस्तान की तरफ जाने वाली सड़कें सील, एनसी के नेता नजरबंद

श्रीनगर , एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के अधिकारियों ने रविवार को शहर के नौहट्टा इलाके में शहीदों के कब्रिस्तान की ओर जाने वाली सभी सड़कों को सील कर दिया। सत्तारूढ़ नेशनल कॉन्फ्रेंस ने दावा किया कि उसके कई नेताओं को नजरबंद कर दिया गया है। शहीद दिवस पर कानून-व्यवस्था बिगड़ने की आशंका के मद्देनजर श्रीनगर शहर के सभी प्रवेश मार्गों पर भारी संख्या में पुलिस और केंद्रीय अर्धसैनिक बलों को तैनात किया गया है। अधिकारियों ने बताया कि केवल अधिकारियों और सुरक्षाबलों के वाहनों को ही प्रवेश मार्गों पर लगाए गए अवरोधक को पार करने की अनुमति दी गई है।

एनसी ने श्रीनगर के जिलाधिकारी से 13 जुलाई 1931 के शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करने की इजाजत देने का अनुरोध किया था। हालांकि, जिला प्रशासन ने अनुमति देने से इनकार कर दिया। श्रीनगर पुलिस ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर सार्वजनिक परामर्श जारी कर कहा, 'श्रीनगर जिला प्रशासन ने 13 जुलाई 2025 को ख्वाजा बाजार, नौहट्टा की ओर जाने का अनुरोध करने वालों को इजाजत देने से इनकार कर दिया है।' पुलिस ने कहा कि आम

जनता को सलाह दी जाती है कि वे इन निर्देशों का सख्ती से पालन करें और जिला प्रशासन के आदेशों का उल्लंघन करने से बचें। पुलिस ने आगाह किया कि इन आदेशों का किसी भी प्रकार से उल्लंघन करने पर कानून के प्रासंगिक प्रावधानों के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी।

नेशनल कॉन्फ्रेंस ने अनुमति न दिए जाने को बेहद दुर्भाग्यपूर्ण बताया। पार्टी के मुख्य प्रवक्ता तनवीर सादिक ने कहा कि 13 जुलाई कोई आम तारीख नहीं है। सादिक ने एक्स पर पोस्ट कर कहा, 'यह सम्मान, न्याय और अधिकारों को हासिल करने के लिए दिए गए बलिदानों की याद दिलाता है।' सादिक ने कहा कि कश्मीर के लोग दृढ़ संकल्प के साथ अपने शहीदों का सम्मान करते रहेंगे। अगस्त 2019 में तत्कालीन राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेशों में पुनर्गठित किए जाने से पहले 13 जुलाई को जम्मू और कश्मीर में सार्वजनिक अवकाश होता था। तत्कालीन डोगरा शासक महाराजा हरि सिंह की सेना की ओर से शहीद किए गए 22 लोगों को श्रद्धांजलि देने के वास्ते प्रतिवर्ष राजकीय समारोह आयोजित किया जाता था। हालांकि, प्रशासन ने 2020 में इस दिन को राजपत्रित छुट्टियों की सूची से हटा दिया।

इस दिन यहां के नेता भी शहीदों की कब्र पर जाकर उन कश्मीरियों को श्रद्धांजलि देते थे, जो महाराजा के शासन का विरोध करते हुए डोगरा सेना की गोलियों का शिकार हुए थे। इस बीच, सादिक ने एक्स पर किए एक अन्य पोस्ट में दावा किया कि पार्टी के कई नेताओं को नजरबंद किया गया है। उन्होंने कहा, 'कल रात से मुझे और पार्टी के मेरे कई सहयोगियों को नजरबंद किया गया है। ऐसी कार्रवाई न केवल अनावश्यक है बल्कि अनुचित और अत्यंत असंवेदनशील भी है।'

फोटो खिंचवाते समय पत्नी ने पति को दिया धक्का, कृष्णा नदी से लोगों ने निकाला

गुरजापुर बैराज , एजेंसी। कर्नाटक में कृष्णा नदी में एक व्यक्ति ने आरोप लगाया है कि फोटो खिंचवाने के दौरान उसकी पत्नी ने उसे नदी में धक्का दे दिया। यह घटना कर्नाटक के रायचूर जिले में गुरजापुर पुल औरबैराज के पास हुई। वह कृष्णा नदी के बीच फंसा हुआ जोर-जोर से चिल्ला रहा था बचाओ भाई! पकड़ो उसे! किसी को बुलाओ! प्रत्यक्षदर्शियों की मानें तो उसकी पत्नी ने फोटो खींचते समय नदी में धक्का दिया था।

यह घटना गुरजापुर बैराज के पास हुई, जहां पति-पत्नी फोटो लेने के लिए रुके थे। नदी के किनारे चट्टानों पर खड़े होकर वे फोटो खींच रहे थे कि तभी व्यक्ति नदी में जा गिरा। स्थानीय लोगों ने उसकी चीखें सुनकर तत्काल मदद की। एक वायरल वीडियो में महिला कहती है, मैंने उसे नहीं धक्का दिया। हम फोटो खींच रहे थे, वो खुद फिसल गया। वह नदी के बीच एक चट्टान पर खड़ा बचाव के लिए चिल्ला रहा था।

नोएडा-ग्रेटर नोएडा को जोड़ने वाला नया रोड कब तक होगा तैयार? 4 वजहों से हो रही देरी

नोएडा, एजेंसी। नोएडा के सेक्टर-145 नलगढ़ा के पास से हिंडन पुल के जरिए ग्रेटर नोएडा के एलजी चौक तक बनने वाला नया रोड अगले साल मार्च तक पूरा होगा। हिंडन पर पुल बनने के काम की रफ्तार बेहद धीमी है, जिसकी वजह से परियोजना को पूरा होने में समय लग रहा है। पुल के एक तरफ नोएडा प्राधिकरण और दूसरी तरफ ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण एप्रोज रोड बनाने का काम कर रहे हैं, जबकि हिंडन पर पुल बनाने का काम सेतु निगम के पास है। नोएडा प्राधिकरण की तरफ से सड़क बनाने का काम इस साल अक्टूबर तक

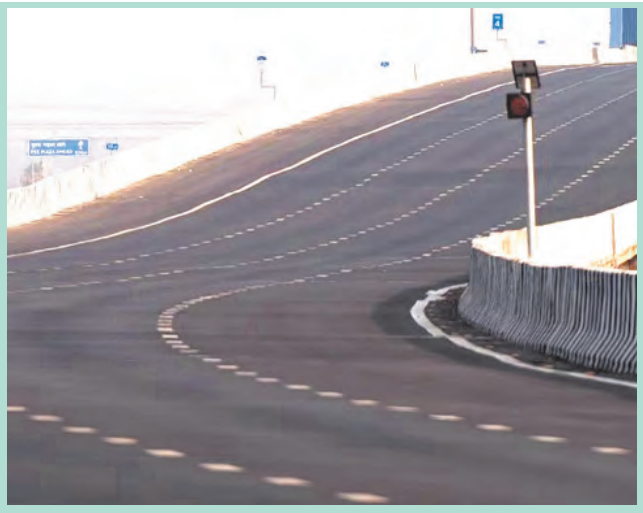

पूरा कर लिया जाएगा। 850 मीटर की अप्रोच रोड बनाई जा रही है। यह सड़क हिंडन पुल से ग्रेटर नोएडा के एलजी चौक से आने वाले ट्रैफिक को सेक्टर-145 की 45 मीटर रोड से जोड़ देगी। डूब क्षेत्र और नदी के किनारे की इस सड़क पर जल निकासी के लिए नाले बनवाए जा रहे हैं। हिंडन पर बन रहे पुल का काम 2019 से बंद था। नवंबर-2023 से इस पुल का काम दोबारा शुरू हुआ। 50 मीटर हिस्से में सड़क बनाने का काम बाद में किया जाएगा। पुल के ढलान को मिलाने के लिए इस हिस्से में सड़क बाद में बनेगी। नोएडा प्राधिकरण करीब 32 करोड़ रुपये की लागत से सड़क बनवा रहा है। दूसरी तरफ ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण अपने हिस्से में सड़क बनाने के लिए पूरी जमीन का अधिग्रहण नहीं कर सका है। कुछ ही हिस्से में सड़क बनाने का काम चल रहा है। हालांकि, पुल बन जाने पर कच्चे रास्तों से वाहन नोएडा-ग्रेटर नोएडा की तरफ आ-जा सकेंगे। हिंडन पर पुल बनाने का काम सेतु निगम के पास है। यहां काम की रफ्तार काफी धीमी है। करीब 68 प्रतिशत ही काम पूरा हो सका है। यह पुल 200 मीटर लंबा और छह लेन का बनाया जा रहा है। इस पर करीब 70 करोड़ रुपये का खर्च अनुमानित है। सेतु निगम की ओर से निर्माण कार्य की लागत बढ़ाने के लिए नोएडा-ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण को पत्र भेजा जा चुका है। खर्च को नोएडा और ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण 50-50 मिलकर वहन करेंगे। पुल बनाने का काम पूरा होने में कम से कम आठ महीने का समय और लगेगा। ऐसे में अगले साल मार्च तक ही नोएडा-ग्रेटर नोएडा के बीच नए रास्ते का फायदा वाहन चालकों को मिल पाएगा। अभी नोएडा से ग्रेटर नोएडा के बीच अधिकांश ट्रैफिक नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे, डीएससी और 130 मीटर रोड के जरिए आता-जाता है।

तमिलनाडु में डीजल ले जा रही मालगाड़ी में लगी भीषण आग, खतरनाक लपटों वाला वीडियो वायरल

तिरुवल्लूर , एजेंसी। तमिलनाडु में तिरुवल्लूर के निकट डीजल ले जा रही मालगाड़ी में रविवार सुबह भीषण आग लग गई। रेलवे के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आग पहले मालगाड़ी के एक डिब्बे में लगी और फिर तेजी से दूसरे डिब्बों में फैल गई। आग की तेज लपटें काफी ऊपर तक उठती नजर आईं, जिसका वीडियो क्लिप सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। गनीमत रही कि इस हादसे में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। रेलवे अधिकारी ने कहा कि सूचना मिलते ही दमकल की गाड़ियों को

घटनास्थल पर भेज दिया गया। रेल सेवाओं के लिए ओवरहेड विद्युत आपूर्ति रोक दी गई। दक्षिणी रेलवे ने एक बयान में कहा, एहतियाती उपाय के तौर पर लोकल ट्रेन सेवाओं को अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया गया है। इसके अलावा 8 एक्सप्रेस ट्रेनों को रद्द कर दिया गया है और 5 अन्य ट्रेनों के मार्ग बदल दिए गए हैं। 8 ट्रेनों को उनके गंतव्य स्थान से पहले ही रोक दिया गया है।'

सीनियर अधिकारी ने बताया कि आग लगने का कारण तत्काल पता नहीं चल पाया है। हालांकि, इसकी जांच की जा रही है।

यूपी में एनडीए सहयोगी दलों ने तेज की आरक्षण की मांग

लखनऊ , एजेंसी। उत्तर प्रदेश में अगला विधानसभा चुनाव अभी कुछ समय दूर है, लेकिन एनडीए के सहयोगी दलों ने अपनी सियासी ताकत दिखानी शुरू कर दी है। इसके लिए आरक्षण से जुड़े मुद्दे को जोरशोर से उछाला जा रहा है। निषाद पार्टी के नेता और मंत्री संजय निषाद ने कहा कि निषाद समुदाय को अनुसूचित जाति (सष्ट) आरक्षण सूची में शामिल किया जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि ऐसा न करने से गठबंधन की 2027 की चुनावी संभावनाओं को नुकसान पहुंच सकता है। संजय निषाद ने कहा, जब राम मंदिर और अनुच्छेद 370 जैसे बड़े मुद्दों का समाधान हो चुका है, तो निषादों को एससी का दर्जा देना कोई मुश्किल काम नहीं होना चाहिए।

सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के नेता और मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने भी अन्य पिछड़ा वर्ग में उप-वर्गीकरण का मुद्दा उठाया है। उन्होंने रोहिणी आयोग की रिपोर्ट को उत्तर प्रदेश में लागू करने की मांग की है। राजभर ने इकोनॉमिक टाइम्स से कहा, कुछ ही जातियां 27त्न ओबीसी कोटे का पूरा लाभ ले रही हैं। सुप्रीम कोर्ट से कोटे के भीतर कोटा की इजाजत मिल चुकी है। हरियाणा ने इसे लागू भी कर दिया है तो यूपी में क्यों नहीं? राजभर ने यह मुद्दा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सामने उठाया है और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से भी मुलाकात की योजना बना रहे हैं।

इसके अलावा, ओम प्रकाश राजभर की नजर अब मऊ सदर विधानसभा सीट पर है, जो उनके पार्टी विधायक अब्बास अंसारी की सजा के बाद खाली हो गई है। चर्चा है कि वे इस सीट पर अपने बेटे अरविंद राजभर को उतारना चाहते हैं। सुभासपा चीफ ने कहा, मुस्लिमों के बाद राजभर मऊ सदर में सबसे बड़ा समूह हैं, करीब 80 हजार। हम इस सीट पर चुनाव लड़ेंगे। इस बीच, अपना दल के आशीष पटेल ने भी हाल ही में राज्य सरकार के साथ कुछ मुद्दे उठाए हैं, जो गठबंधन के भीतर तनाव के संकेत दे रहे हैं।

भाजपा-आरएसएस का मुखपत्र बन गई सीबीआई, हिरासत में मौत पर विजय की पार्टी का हल्लाबोल

कझगम , एजेंसी। तमिलगा वेट्री कझगम (टीवीके) के कार्यकर्ताओं ने पार्टी प्रमुख और अभिनेता विजय की उपस्थिति में रविवार को जोरदार प्रदर्शन किया। उन्होंने हिरासत में मौत के शिकार अजीत कुमार के लिए न्याय की मांग को लेकर आवाज उठाई। टीवीके कार्यकर्ता बड़ी संख्या में चेन्नई में एकत्र हुए और इस मामले में कड़ी कार्रवाई की मांग की। इस दौरान वे जमकर नारेबाजी करते नजर आए। अजीत कुमार एक गरीब परिवार से थे, जिनकी हिरासत में मृत्यु ने स्थानीय लोगों में आक्रोश पैदा कर दिया है।

टीवीके चीफ विजय ने कहा, मुख्यमंत्री ने माफी मांगी, यह गलत नहीं है। लेकिन, आपके शासन में हिरासत में मरे 24 अन्य पीड़ितों के परिवारों से भी माफी मांगनी चाहिए। क्या उन परिवारों को आर्थिक सहायता दी गई? सथानकुलम हिरासत यातना मामले को सीबीआई को सौंपने पर आपने इसे तमिलनाडु पुलिस के लिए शर्मनाक बताया था। अब वही सीबीआई बीजेपी और आरएसएस का मुखपत्र बन गई है। आप केंद्र सरकार के पीछे क्यों छिप रहे हैं? टीवीके ने मांग की है कि अदालत की निगरानी में विशेष जांच दल गठित किया जाए।

केंद्रीय जांच ब्यूरो ने तमिलनाडु के मदापुरम मंदिर के चौकीदार अजीत कुमार की हिरासत में मौत के सिलसिले में शिवगंगा जिले के पुलिसकर्मियों के खिलाफ

शनिवार को मामला दर्ज किया। इससे पहले राज्य सरकार ने अजित की हिरासत में मौत के संबंध में दर्ज केस की जांच शिवगंगा जिले के थिरुप्पुवनम पुलिस स्टेशन से सीबीआई को भेज दी थी। सीबीआई ने कहा कि उसने भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 103 के तहत मामला दर्ज किया है और जांच अपने हाथ में ले ली है। इस साल 29 जून को आभूषण चोरी के मामले में पूछताछ के लिए पुलिस अजीत को लेकर गई थी। पुलिस की ओर से अजित को प्रताड़ित करने के तरीके को लेकर हंगामा खड़ा हो गया था। मद्रास उच्च न्यायालय की मदुरै पीठ ने भी स्वतः संज्ञान लेते हुए पुलिस पर अजीत के साथ आतंकवादी जैसे व्यवहार करने पर कड़ी फटकार लगाई। कोर्ट ने अजित के शरीर पर बाहरी चोटों का हवाला देते हुए उसे दी गई यातना की भयावहता का खुलासा किया।

गुरुग्राम के सोहना की अवैध कॉलोनी में 200 घरों पर चलेंगे बुलडोजर, ड्यूटी मजिस्ट्रेट नियुक्त

गुरुग्राम एजेंसी। गुरुग्राम के सोहना शहर के वार्ड 13 में स्थित हरियाणा टूरिज्म निगम की करीब साढ़े नौ एकड़ जमीन पर बसी अवैध कॉलोनी पर जल्द ही बुलडोजर चलेगा। पर्यटन निगम की मांग पर जिला उपायुक्त ने इसके लिए ड्यूटी मजिस्ट्रेट की नियुक्ति कर दी है और पुलिस सहायता मिलते ही निगम द्वारा इस अवैध कॉलोनी में बने करीब 200 मकानों को ध्वस्त किया जाएगा।

अरावली पहाड़ी से सटी वार्ड नंबर 13 में हरियाणा टूरिज्म निगम की यह जमीन पिछले करीब 15 वर्षों से अवैध रूप से बसी हुई थी। इन अवैध मकानों में रहने वाले परिवारों ने पक्के मकानों के साथ-साथ झोपड़ियां और पशुपालन के आशियाने भी बना रखे थे। हालांकि, इन परिवारों के मुखिया पर्यटन विभाग के खिलाफ अदालत में चल रहे मामलों में हार चुके हैं। अदालत ने इस कॉलोनी को तोड़ने के आदेश जारी किए हैं।

बार्बेट कॉम्प्लेक्स सोहना के प्रबंधक सुनील शर्मा ने बताया कि जिला उपायुक्त ने उनकी मांग को स्वीकार करते हुए ड्यूटी मजिस्ट्रेट की नियुक्ति कर दी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि पुलिस बल मिलने के साथ ही निगम की जमीन पर बसी इस कॉलोनी को ध्वस्त किया जाएगा। बता दें कि, एक दिन पहले ही सोहना के गांव टोलनी में अवैध रूप से फार्म हाउस कॉलोनियां काटने के आरोप में बिल्डर, एजेंट के अलावा तहसीलदार और पटवारी समेत आठ लोगों के खिलाफ थाना डीएलएफ फेज-2 में दो मामले दर्ज हुए हैं। किसी भी मामले में अभी आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है। यह मामले अदालत के आदेश पर दर्ज हुए हैं। पहला मुकदमा शिकायतकर्ता वरिष्ठ नागरिक सुरवीना भल्ला की शिकायत पर दर्ज हुआ। शिकायत में उसने बताया कि दिसंबर, 2020 में उन्हें दो रियल एस्टेट एजेंट ने संपर्क किया। गांव टोलनी में फार्म हाउस खरीदने की बात कही। उन्हें फार्म हाउस के ब्रॉशर दिखाए। इस फार्म हाउस कॉलोनी को बिल्डर हरि दास गुप्ता और उनकी पत्नी राजबाला की तरफ से काटा जा रहा था । फरवरी, 2021 में उन्होंने 1.30 करोड़ रुपये देकर 16 कनाल भूमि खरीदी। करीब

22 करोड़ रुपये निवेश करके फार्म हाउस बनाना शुरू कर दिया। 15 जून, 2021 को नगर एवं ग्राम नियोजन विभाग ने उनके फार्म हाउस को मलबे में मिला दिया। दूसरा मुकदमा 58 वर्षीय अमित बंगा की शिकायत पर दर्ज हुआ है। उसने बताया कि जनवरी, 2020 में हरिदास गुप्ता की कंपनी एमएस गोल्डकिस्ट डिवेलपर्स प्राइवेट लिमिटेड से फार्म हाउस निर्माण के लिए 2.94 करोड़ रुपये में जमीन खरीदी थी। फार्म हाउस कॉलोनी में गेट, चारदीवारी लगाए गए थे। बाद में नगर एवं ग्राम नियोजन विभाग में पता चला कि यह फार्म हाउस कॉलोनी अवैध रूप से विकसित की जा रही है। इसकी कोई मंजूरी नहीं ली गई है।

विचार-मंथन

संपादकीय

ऑनलाइन बाजार में फल-फूल रहा आतंक का नेटवर्क

आतंकवादी पिछले कुछ वर्षों से अपनी नापाक साजिशों को अंजाम देने के लिए पारंपरिक तरीके के बजाय आधुनिक तकनीक का सहारा लेने लगे हैं। खासकर इंटरनेट के जरिए विभिन्न तरह की मदद हासिल करना उनके लिए आसान और सुलभ तरीका बन गया है। वैश्विक आतंकवाद वित्तपोषण निगरानी संस्था एफएटीएफ ने भी चौंकाने वाला खुलासा किया है कि आतंकी धन जुटाने और हिंसक वारदातों के लिए आनलाइन सेवाओं का बड़े पैमाने पर दुरुपयोग कर रहे हैं। फरवरी 2019 के पुलवामा आतंकी हमले में इस्तेमाल विस्फोटक पदार्थ का एक हिस्सा आनलाइन कारोबारी मंच से खरीदा गया था। यही नहीं, आतंकी बम बनाने की विधि भी इंटरनेट से सीख रहे हैं, जो गंभीर चिंता का विषय है। हाल के वर्षों में हुए कई आतंकी हमलों की जांच में इसके प्रमाण मिले हैं। इससे साफ है कि आनलाइन सेवाओं का दुरुपयोग किस कदर खतरनाक रूप ले चुका है।एफएटीएफ की रपट में कहा गया है कि आतंकवादी अपने हिंसक अभियानों के लिए उपकरण, हथियार, रसायन और यहां तक की 'थ्री डी-प्रिंटिंग' सामग्री की खरीदारी भी आनलाइन सेवाओं के जरिए कर रहे हैं। यह बात सही है कि आनलाइन खरीदारी की व्यवस्था से लोगों को काफी सहूलियत हुई है, लेकिन इस सुविधा का उपयोग खतरनाक मंसूबों को अंजाम देने के लिए न हो, इस पर कड़ी नजर रखना जरूरी है। निगरानी तंत्र के अभाव में आतंकवादियों और उनके सहयोगियों द्वारा आनलाइन सेवाओं का इस्तेमाल हिंसक अभियानों के वित्तपोषण के लिए करने की संभावनाओं से भी अब इनकार नहीं किया जा सकता है।इंटरनेट पर विस्फोटक पदार्थ तैयार करने की तकनीक से जुड़ी सामग्री का होना भी चिंता का विषय है। सरकार और संबंधित प्राधिकारियों को इस दिशा में ठोस कदम उठाना होगा। साथ ही आनलाइन सेवा प्रदाता मंचों की भी यह जिम्मेदारी है कि वे इस तरह की सामग्री की नियमित निगरानी करें, ताकि इसके दुरुपयोग पर रोक सुनिश्चित हो सके।एफएटीएफ का यह खुलासा भी अहम है कि आतंकवादी संगठनों को कुछ देशों की सरकारों से वित्तीय और अन्य मदद मिल रही है, जिनमें साजो-सामान और सामग्री संबंधी सहायता एवं प्रशिक्षण भी शामिल है।

सुझाव पर अमल हो

सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग को बिहार में वोटर लिस्ट की समीक्षा के लिए आधार, राशन और वोटर कार्ड को भी मान्यता देने का सुझाव देकर आम लोगों की मुश्किल हल करने की कोशिश की है। इससे प्रक्रिया आसान होगी और आशंकाओं को कम करने में मदद मिलेगी। बेशक, फर्जी नाम मतदाता सूची में नहीं होने चाहिए लेकिन ऐसे अभियानों के दौरान आयोग का जोर ज्यादा से ज्यादा नाम वोटर लिस्ट से निकालने के बजाय, इस पर होना चाहिए कि एक भी नागरिक चुनावी प्रक्रिया में शामिल होने से वंचित न रह जाए। आधार और राशन कार्ड को मान्य दस्तावेजों की लिस्ट से बाहर रखने के कारण बड़ी आबादी के सामने संकट खड़ा हो गया है। हमारे सहयोगी अह्लद्ध की रिपोर्ट के मुताबिक, केवल किशनगंज जिले में एक हफ्ते के भीतर निवास प्रमाण पत्र के लिए दो लाख से ज्यादा आवेदन आ चुके हैं। कई जगह घर-घर जाकर इन्यूमेंशन फार्मस बांट रहे कर्मियों ने लोगों से कहा है कि वे आधारकार्ड की कॉपी ही जमा करा दें। इस तरह के कंफ्यूजन से बेहतर है, आयोग बीच का रास्ता निकाले। शीर्ष अदालत ने स्पेशन इंटेशिप रिवीजन यानी एसआईआर पर रोक तो नहीं लगाई, लेकिन टाइमिंग को लेकर जो सवाल उठाया, वह बिल्कुल वाजिब है। बिहार में इसी साल के आखिर तक विधानसभा चुनाव होने हैं। ऐसे में इतनी विस्तृत कवायद के लिए शायद उतना वक्त न मिल पाए, जितना मिलना चाहिए। बिहार में एसआईआर को लेकर जो असमंजस है, उसकी एक वजह टाइमिंग भी है। जिनके पास जरूरी डॉक्युमेंट नहीं हैं, वे इतनी जल्दी उनका इंतजाम नहीं कर पाएंगे। हालांकि आयोग ने भरोसा दिलाया है कि किसी को भी अपनी बात रखने का मौका दिए बिना मतदाता सूची से बाहर नहीं किया जाएगा। जैसा कि सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यह मुद्दा लोकतंत्र की जड़ों से जुड़ा है और लोकतंत्र में सबसे अहम है लोक यानी जनता। लेकिन, चुनाव आयोग की मौजूदा प्रक्रिया में जनता को ही सबसे ज्यादा परेशानी उठानी पड़ रही है। यह रिवीजन जुड़ा है वोटर लिस्ट से, लेकिन मेसेज जा रहा है कि इससे नागरिकता तय होगी। ऐसे में सुप्रीम कोर्ट की इस टिप्पणी से राहत मिलेगी कि निर्वाचन आयोग का किसी व्यक्ति की नागरिकता से कोई लेना-देना नहीं। यह मामला केवल बिहार तक सीमित रहने वाला नहीं है। दूसरे राज्यों में वोटर लिस्ट की समीक्षा किस तरह होगी, यह बिहार में अपनाई जाने वाली प्रक्रिया पर निर्भर करेगा। ऐसे में स्वाभाविक ही नजरें इस बात पर टिकी हैं कि सुप्रीम कोर्ट में आखिरकार इस प्रक्रिया का कैसा स्वरूप तय होता है।

मोदी की ब्राजील यात्रा ने सफलता के नए कीर्तिमान रचे

(नीरज कुमार दुबे)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हालिया ब्राजील यात्रा सिर्फ एक कूटनीतिक यात्रा भर नहीं थी, बल्कि यह भारत के वैश्विक कद और मोदी की नेतृत्व क्षमता की ताक़त का स्पष्ट प्रमाण भी बनी। ब्राजील के रियो डी जेनेरो में हुई 17वीं ब्रिक्स शिखर बैठक के दौरान, प्रधानमंत्री मोदी ने जिस तरह वैश्विक राजनीति, भू-आर्थिक चुनौतियों और बहुपक्षीय सहयोग को लेकर भारत का पक्ष रखा, उसने न केवल भारत की छवि को मज़बूत किया, बल्कि यह भी साबित किया कि एक दूरदर्शी नेतृत्व किस तरह जटिल वैश्विक माहौल में राष्ट्रीय हितों की रक्षा कर सकता है।

मोदी ने वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं, विशेषकर दुर्लभ खनिजों के क्षेत्र में चीन की एकाधिकारवादी रणनीति की ओर इशारा करते हुए यह स्पष्ट किया कि कोई भी देश इन संसाधनों को 'हथियार' के रूप में इस्तेमाल न करे। यह बयान ना सिर्फ भारत की रणनीतिक चिंता को दर्शाता है, बल्कि मोदी के संतुलित, लेकिन दृढ़ वैश्विक नेतृत्व का प्रतीक भी है। रूस और चीन जैसे देशों की मौजूदगी में भी मोदी ने न तो पश्चिमी ताक़तों की आलोचना की और न ही अंध समर्थन दिया। इसके बजाय उन्होंने ग्लोबल साउथ के अधिकारों, विकास के अवसरों और समावेशी वैश्वीकरण की ज़रूरत पर ज़ोर दिया। उनका यह रुख ब्रिक्स को एकतरफा मंच बनने से रोकता है और भारत की स्वतंत्र विदेश नीति को उजागर करता है। प्रधानमंत्री के संबोधनों से यह भी स्पष्ट हुआ कि नरेंद्र मोदी केवल घरेलू राजनीति के माहिर नहीं, बल्कि वे अंतरराष्ट्रीय राजनीति की बारीक समझ रखने वाले नेता भी हैं। देखा जाये तो वह भारत को वैश्विक शक्ति-संतुलन में एक निर्णायक खिलाड़ी के रूप में प्रस्तुत करने में सफल रहे हैं। इसके अलावा, प्रधानमंत्री की यह यात्रा भारत-ब्राजील के बीच आर्थिक, सांस्कृतिक और सामरिक साझेदारी को मजबूत करने वाली भी साबित हुई। हम आपको बता दें कि प्रधानमंत्री मोदी और ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज़ इनासियो लूला दा सिल्वा के बीच हुई द्विपक्षीय वार्ता में रक्षा, ऊर्जा, कृषि, अंतरिक्ष, साइबर सुरक्षा और जलवायु परिवर्तन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर सहमति बनी। दोनों देशों ने रणनीतिक साझेदारी 2.0 की ओर बढ़ने की प्रतिबद्धता जताई है। हम आपको बता दें कि भारत और ब्राजील ने 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना करने का लक्ष्य रखा है। खासतौर पर कृषि उत्पाद, औषधीय उद्योग, टेक्सटाइल, और आईटी सेवाओं में सहयोग के नए द्वार खुले हैं। इससे भारतीय एमएसएमई और निर्यातकों को नए बाजार मिलेंगे। इसके अलावा, ब्राजील जैव ईंधन और स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में अग्रणी देश है। भारत के 'नेशनल ग्रीन हाइड्रोजन मिशन' को देखते हुए दोनों देशों ने हरित ऊर्जा के क्षेत्र में तकनीकी साझेदारी को बढ़ावा देने का निर्णय लिया है। साथ ही ब्रिक्स, जी20 और संयुक्त राष्ट्र जैसे वैश्विक मंचों पर भारत और ब्राजील ने विकासशील देशों के अधिकारों और हितों की रक्षा के लिए समन्वय बढ़ाने पर सहमति जताई। ब्राजील ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत की स्थायी सदस्यता की मजबूत वकालत की।

हम आपको बता दें कि ब्राजील के साथ मजबूत संबंध भारत को लैटिन अमेरिका में रणनीतिक पहुँच प्रदान करते हैं। यह महाद्वीप ऊर्जा, खनिज और कृषि संसाधनों से समृद्ध है और भारत के लिए एक नया आर्थिक और भू-राजनीतिक अवसर है।

इसके अलावा, ब्राजील के साथ मजबूत संबंध भारत को लैटिन अमेरिका में रणनीतिक पहुँच प्रदान करते हैं। यह महाद्वीप ऊर्जा, खनिज और कृषि संसाधनों से समृद्ध है और भारत के लिए एक नया आर्थिक और भू-राजनीतिक अवसर है। हम आपको यह भी बता दें कि ब्राजील, विश्व का सबसे बड़ा सोया उत्पादक और निर्यातक है। भारत की खाद्य सुरक्षा के लिए यह साझेदारी महत्त्वपूर्ण हो सकती है। साथ ही, ब्राजील के पास प्रचुर मात्रा में कच्चा तेल, इथेनॉल और जलविद्युत क्षमता है जो भारत की ऊर्जा रणनीति में योगदान कर सकती है।

इसके अलावा, अंतरिक्ष तकनीक, रक्षा उत्पादन और एयरोनॉटिक्स के क्षेत्र में ब्राजील की विशेषज्ञता और भारत की विनिर्माण क्षमता मिलकर एक मजबूत टेक्नोलॉजिकल गठजोड़ बना सकते हैं। हेल और ऐम्बयर जैसे संस्थानों के बीच सहयोग की संभावनाएं प्रबल हैं। हम आपको यह भी बता दें कि भारत और ब्राजील दोनों जलवायु परिवर्तन के मुद्दों पर समान सोच रखते हैं। ग्लोबल साउथ के हिस्से के रूप में, दोनों मिलकर विकसित देशों से जलवायु फंड और तकनीकी हस्तांतरण के लिए सामूहिक दबाव बना सकते हैं।

हम आपको बता दें कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और ब्राजील के राष्ट्रपति लुईस इनासियो लूला डी सिल्वा के बीच वार्ता के दौरान दोनों नेताओं ने आतंकवाद से निपटने पर भी विचार-विमर्श किया। इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि दोनों पक्ष इस बात पर स्पष्ट हैं कि आतंकवाद पर दोहरे मानदंडों के लिए कोई जगह नहीं है। मोदी ने मीडिया को दिये अपने बयान में कहा, ''आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में हमारी सोच एक जैसी है, यथा- आतंकवाद को कतई बर्दाश्त नहीं करने की नीति और यह कि इसे लेकर दोहरा मानदंड नहीं अपनाया जाना चाहिए।'' उन्होंने कहा, ''हम आतंकवाद और आतंकवाद का समर्थन करने वालों का कड़ा विरोध करते हैं।'' मोदी ने कहा, ''हम चाहते हैं कि भारत-ब्राजील संबंध कार्निवल (रंगारंग जुलूस) की तरह रंगीन हों, फुटबॉल की तरह जोशीले हों, और सांबा (नृत्य) की तरह दिलों को जोड़ने वाले हों और वीजा काउंटर पर लंबी कतारें न हों। इस भावना के साथ।'' उन्होंने कहा, ''हम दोनों देशों के लोगों, खासकर पर्यटकों, छात्रों, खिलाड़ियों और व्यापारियों के बीच आपसी संपर्क को सुविधाजनक बनाने के लिए प्रयास करेंगे। विभिन्न भू-राजनीतिक घटनाक्रमों पर प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत-ब्राजील साझेदारी स्थिरता और संतुलन का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है और दोनों पक्ष इस बात पर एकमत हैं कि सभी विवादों को बातचीत और कूटनीति के माध्यम से सुलझाया जाना चाहिए। हम आपको यह भी बता दें कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को ब्राजील के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'ग्रैंड कॉलर ऑफ द नेशनल ऑर्डर ऑफ द सदर्न क्रॉस' से सम्मानित किया गया। ब्राजील के राष्ट्रपति लुईस इनासियो लूला डी सिल्वा ने प्रधानमंत्री मोदी को द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने और प्रमुख वैश्विक मंचों पर भारत-ब्राजील सहयोग बढ़ाने में उल्लेखनीय योगदान के लिए यह सम्मान दिया। मोदी ने लूला के साथ प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता के बाद संयुक्त प्रेस वक्तव्य में कहा, ''आज राष्ट्रपति द्वारा ब्राजील के सर्वोच्च राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित होना न केवल मेरे लिए, बल्कि 140 करोड़ भारतीयों के लिए भी अत्यंत गर्व और भावना का क्षण है।'' हम आपको बता दें कि मई 2014 में मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद से किसी विदेशी सरकार द्वारा उन्हें दिया गया यह 26वां अंतरराष्ट्रीय सम्मान है। हम आपको यह भी बता दें कि प्रधानमंत्री मोदी का ब्रासीलिया के अल्वोराडा पैलेस में 114 घोड़ों की एक अनूठी परेड के साथ भव्य औपचारिक स्वागत किया गया। इसके बाद, प्रधानमंत्री के होटल पहुंचने पर भारतीय समुदाय के लोगों ने उनका स्वागत भारत माता की जय के नारों से किया। मोदी ने वहां मौजूद लोगों के साथ बातचीत भी की। प्रधानमंत्री का स्वागत संगीत और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ किया गया। बहरहाल, प्रधानमंत्री मोदी की ब्राजील यात्रा एक बार फिर यह सिद्ध करती है कि उनका नेतृत्व केवल भाषणों या आयोजनों तक सीमित नहीं है, बल्कि वह अंतरराष्ट्रीय रणनीति, साझेदारी और भारत के दीर्घकालिक हितों की ठोस पैरवी में भी प्रभावशाली है। आज जब विश्व एक बहुध्रुवीय व्यवस्था की ओर बढ़ रहा है, तो ऐसे में भारत का नेतृत्व एक ऐसे व्यक्ति के हाथों में है जो न केवल अपने देश के लिए सोचता है, बल्कि दुनिया के भविष्य को भी दिशा देने की क्षमता रखता है। साथ ही प्रधानमंत्री मोदी की यह यात्रा सिर्फ एक औपचारिक राजनयिक दौरा नहीं थी, बल्कि यह ग्लोबल साउथ की आवाज़ को संगठित करने और भारत की एक जिम्मेदार, भरोसेमंद भागीदार के रूप में छवि को और मजबूती देने की दिशा में एक ठोस कदम थी।

'जल गंगा संवर्धन अभियान' से प्रदेश होगा जल-समृद्ध

(लोकेन्द्र सिंह राजपूत)

जल गंगा संवर्धन अभियान को गति देने के लिए मनरेगा योजना के अंतर्गत खेत तालाबों, अमृत सरोवरों और कूप रिचार्ज पिट का निर्माण किया गया है। साथ ही पुरानी जल संरचनाओं का जीर्णोद्धार भी किया गया है। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव अपने अभिनव प्रयोगों से अपनी विशेष पहचान बना रहे हैं। मध्यप्रदेश में जल संरक्षण के लिए प्रारंभ हुआ 'जल गंगा संवर्धन अभियान' मुख्यमंत्री डॉ. यादव की दूरदर्शी पहल है। निकट भविष्य में हमें इसके सुखद परिणाम दिखायी देंगे। शुभ प्रसंग पर शुभ संकल्प के साथ जब कोई कार्य प्रारंभ किया जाता है, तब उसकी सफलता के लिए प्रकृति एवं ईश्वर भी सहयोग करते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की पहल पर मध्यप्रदेश सरकार ने गुड़ी पड़वा (30 मार्च) से 30 जून तक प्रदेश स्तरीय 'जल गंगा संवर्धन अभियान' चलाकर जल संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया, जो जनांदोलन में परिवर्तित हो गया। सरकार को भी विश्वास नहीं रहा होगा कि जल संरक्षण जैसे मुद्दे को जनता का इतना अधिक समर्थन मिलेगा कि सरकारी अभियान असरकारी बन जाएगा और समाज इस अभियान को अपनी जिम्मेदारी के तौर पर स्वीकार कर लेगा। 'जल गंगा संवर्धन अभियान' के अंतर्गत और इससे प्रेरित होकर प्रदेश में अनेक स्थानों पर जल स्त्रोतों को पुनर्जीवित किया गया, उनको व्यवस्थिति किया गया और वर्षा जल को एकत्र करने की रचनाएं बनायी गईं। कहना होगा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की पहल और प्रतिबद्धता ने जल संरक्षण के इस अभियान को एक जनांदोलन का रूप दे दिया है, जिससे जल संरक्षण में अभूतपूर्व प्रगति हुई है।

जल गंगा संवर्धन अभियान को गति देने के लिए मनरेगा योजना के अंतर्गत खेत तालाबों, अमृत सरोवरों और कूप रिचार्ज पिट का निर्माण किया गया है। साथ ही पुरानी जल संरचनाओं का जीर्णोद्धार भी किया गया है। इस अभियान में 2 लाख 39 हजार जलदूतों का सक्रिय सहयोग मिला, जिन्होंने जल संवर्धन के संदेश को घर-घर तक पहुँचाया। ये जलदूत जब गाँव-गाँव, नगर-नगर और घर-घर जल संरक्षण का संदेश लेकर पहुँचे तो एक सकारात्मक वातावरण भी बना और जल संरक्षण को लेकर समाज के भीतर एक जागरूकता भी आई। निस्संदेह, यदि यह जनजागरूकता स्थायी हो जाए तो जल गंगा संवर्धन अभियान की सबसे बड़ी सफलता होगी। अभियान को शुरू करते समय सरकार ने जो लक्ष्य तय किया था, उससे कहीं अधिक परिणाम धरातल पर प्राप्त हुआ है। जल संरक्षण के लिए 38 हजार नए खेत तालाबों का निर्माण किया गया है। खंडवा जिले में 254 करोड़ रुपये की लागत से 1 लाख से अधिक कुओं को रिचार्ज किया गया, जिसके लिए खंडवा को देश में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है। इंदौर संभाग ने स्वच्छता और जल संरक्षण में नंबर-एक का स्थान हासिल किया है। ये दो प्रमुख उदाहरण हैं। प्रदेश के अन्य जिलों में भी उल्लेखनीय कार्य हुआ है। समूचे मध्यप्रदेश में 70 हजार कुओं, बावड़ियों, नदियों और तालाबों का संरक्षण किया गया, जो जल संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करनेवाले हैं। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से प्रेरित हैं। याद हो कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जल संरक्षण के लिए जनांदोलन चलाने का आह्वान किया था। उन्होंने प्रत्येक व्यक्ति से आग्रह किया कि वह अपने स्तर पर वर्षा जल के संरक्षण के लिए प्रयास करे। प्रधानमंत्री मोदी की पहलकदमी पर भारत सरकार के जल शक्ति मंत्रालय ने राष्ट्रीय जल मिशन के अंतर्गत 'कैच द रेन' अभियान को शुरू किया है। इस अभियान का मुख्य लक्ष्य वर्षा जल संचयन और जल संरक्षण को बढ़ावा देना है। यह अभियान व्यक्तियों, समुदायों और सभी हितधारकों को वर्षा जल संचयन संरचनाएं बनाने तथा जल संरक्षण की पद्धतियों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करता है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भी इसी तर्ज पर 'जल गंगा संवर्धन अभियान' को जनता के बीच ले जाने का अनुकरणीय कार्य किया है। यह भी स्मरण रखना चाहिए कि प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. यादव, दोनों ही प्रकृति, पर्यावरण एवं समाज के प्रति गहरी संवेदनाएं रखते हैं। राजनीति से इतर वे इन सब विषयों पर बात रखते हैं और लोगों को इस दिशा में प्रेरित भी करते हैं। उल्लेखनीय है कि अपने लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 120वें संस्करण में प्रधानमंत्री मोदी ने जल संरक्षण को देश के लिए अत्यंत आवश्यक बताया था। उन्होंने जल संचय जन-भागीदारी अभियान के महत्व पर भी जोर दिया और कहा कि यह हमारी जिम्मेदारी है कि जो प्राकृतिक संसाधन हमें मिले हैं, उसे हमें अगली पीढ़ी तक सही सलामत पहुँचाना है।

सुडोकू पहेली — क्रमांक- 5791

	4					5	6	
	3	9			8		7	
7			2	5				
3	1				6	7		
		5		7		1		
		6	4				8	9
				9	7			2
	2		8			6	5	
	8	1					9	

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5790

3	9	2	8	5	1	6	7	4
6	8	7	4	2	3	1	9	5
4	5	1	9	7	6	2	8	3
5	6	9	2	3	4	8	1	7
2	3	8	7	1	5	4	6	9
1	7	4	6	9	8	5	3	2
9	1	6	3	4	2	7	5	8
8	2	3	5	6	7	9	4	1
7	4	5	1	8	9	3	2	6

वर्ग पहेली 5791

संकेतः बाएं से दाएं
1. 1919 को इस देश ने खुद को ब्रिटेन से आजाद घोषित किया (6)
7. घर्षण करना, रगड़ना, धीरे-धीरे घिसना (3)
8. वर देने वाला, वर दायक (4)
9. सर्वसाधारण, जनता (2)
10. प्रकार, जेवर, गहना (3)
11. अंधेरा, अंधकार, कालिख, कालिमा (2)
12. प्रसिद्ध संगीतकार आरडी बर्मन इस नाम से भी जाने जाते थे, पांचवा (3)
14. पश्चिमी अफ्रिका के घाना देश की राजधानी (3)
16. संगी, मित्र, सखा, दोस्त (2)
17. गले से नीचे पेट में उतारना, निगलना (3)
18. सार, जगत का मूल कारण, एलिमेंट (2)
19. अप्राप्त, जो जल्दी न मिल सके, दुर्लभ, मुश्किल (3)
20. हलफ, सौगंध, कसम (3)
21. मुनाफा, फायदा, हित, मिलना, प्राप्ति (2)

ऊपर से नीचे
1. यह नाम सरोदवादन के साथ जुड़ा है (7)
2. परिणाम उत्पन्न करना, फलना (3)
3. गीत प्रस्तुत करना, स्तुति करना (2)
4. स्तुति करने वाला, स्तुति वादक (3)
5. नरम दिल का व्यक्ति (5)
6. आय-व्यय एवं लेन-देन आदि का लेखा, अनाज रखने का गड्डा (2)
10. प्रेमकर्ता, आनंदप्रद, एक प्रकार की विलायती मदिरा (2)
11. गीत, नगमा (3)
13. बड़े होने का भाव, गुरूता, अधिक परिणाम जनक (3)
15. अव्यक्त मधुर ध्वनि, बीता या आने वाला दिन (2)
16. वाराणसी के समीप (करीब 6 किमी उत्तर-पूर्व में स्थित बौद्धों का एक तीर्थस्थल, सारंगनाथ)(4)
18. जाकिर हुसैन नाम इस वाद्य के साथ जड़ा है (3)

वर्ग पहेली 5790 का हल

हं	ग	री		पा	र	स	
स	म	ता	पा	र्टी		वा	दा
		फा	ल		ज	ल	द
न		रि		रा	ह	ज	नी
फ	रि	या	द		र	वा	
र	त		रि	द		ब	ल
त	ना	व	दा	र			गा
		ह		मा	ल	दी	व

आज का राशिफल

मेष
आज का दिन कार्यक्षेत्र में अच्छा है। आपकी लीडरशिप स्किल्स की तारीफ होगी और इससे आपको प्रमोशन मिल सकता है। नए प्रॉजेक्ट शुरू करने के लिए यह अच्छा समय है। टीम में अगर कोई मतभेद है, तो उसे कूटनीति से सुलझाएं। बिजनस में विदेशी सौदे या ऑनलाइन माध्यम से कमाई के मौके मिल सकते हैं। आर्थिक रूप से दिन अच्छा है, लेकिन निवेश करने से पहले किसी एक्सपर्ट से सलाह जरूर लें।

वृष
आज जातकों के लिए बिजनस में स्थिरता बनी रहेगी, लेकिन कॉम्पिटिशन से निपटने के लिए कुछ नया करना होगा। नौकरी करने वालों को अपने बॉस के साथ मीटिंग में सावधानी से बात करनी चाहिए। आपकी एक गलती आपकी इमेज खराब कर सकती है। दोपहर के बाद आपकी इनकम बढ़ सकती है, लेकिन खर्चों पर कंट्रोल रखें। शेयर बाजार, म्यूचुअल फंड या रियल एस्टेट में निवेश करने के लिए दिन अच्छा है।

मिथुन
आज जातकों को कार्यक्षेत्र में तनाव हो सकता है, लेकिन आप अपनी बातचीत करने की कला से स्थिति को संभाल लेंगे। बिजनस में किसी बड़े सौदे में रुकावट आ सकती है, लेकिन आपको धैर्य रखना होगा। फ्रीलांसर और मीडिया से जुड़े लोगों को नई डील मिल सकती है। पैसों की स्थिति थोड़ी कमजोर रह सकती है। खासकर उधार दिए हुए पैसे वापस मिलने में दिक्कत होगी और आपको इस वजह से आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ सकता है।

तुला
आज बिजनस में पार्टनर के साथ रिश्ते अच्छे होंगे और इससे आपको बड़ा लाभ होगा। अगर आप करियर में बदलाव करने की सोच रहे हैं, तो प्लानिंग करने के लिए अच्छा दिन है। डिजिटल क्षेत्र, मार्केटिंग या कला से जुड़े लोगों को नए प्रॉजेक्ट मिल सकते हैं। आपकी इनकम का एक नया सोर्स बन सकता है, लेकिन पुराने कर्ज चुकाने में देरी हो सकती है। आपको धन लाभ के साथ कारोबार में बड़ी सफलता प्राप्त होने से मन काफी प्रसन्न होगा।

वृश्चिक
आज कार्यक्षेत्र में आपकी योजनाएं सफल होंगी, आपके बॉस आपकी तारीफ करेंगे। व्यापारियों के लिए मार्केटिंग में नए आइडिया सफलता दिला सकते हैं। पैसों के मामले में दिन अच्छा है, आपका अटका हुआ पैसा वापस मिल सकता है। लॉन्ग टर्म निवेश के लिए अच्छा समय है। खासकर सोना, फिक्स्ड डिपॉजिट या सरकारी योजनाओं में निवेश करना फायदेमंद रहेगा। अगर आप निवेश करके कोई नया बिजनस आरंभ करने के बारे में सोच रहे हैं तो उसमें आपको बड़ा लाभ हो सकता है।

धनु
आज दिन मिला-जुला रहेगा। ऑफिस में काम का बोझ ज्यादा रहेगा, लेकिन आपके काम से आपके सीनियर खुश रहेंगे और बिजनस में आपको नया निवेश करने से बड़ा लाभ हो सकता है। आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी, लेकिन वाहन या इलेक्ट्रॉनिक सामान पर बिना वजह खर्च करने से बचें, किसी पुराने लेनदेन से फायदा होने की संभावना है।

कर्क
आज दिन तरक्की के संकेत दे रहा है। ऑफिस में आपके सुझावों को महत्व दिया जाएगा। इससे आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा, व्यापारियों को अपने पुराने क्लाइंट्स से रिवॉर्ड मिल सकते हैं। आपकी इनकम बढ़ सकती है, लेकिन परिवार की जरूरतों के चलते खर्चे भी बढ़ सकते हैं। निवेश से लाभ होने की संभावना है, खासकर जमीन या प्रॉपर्टी से आपको बड़ा फायदा हो सकता है।

सिंह
आज करियर में कोई बड़ा मौका आ सकता है और यह अवसर आने वाले समय में आपके भविष्य की दिशा तय करेगा। प्राइवेट सेक्टर में काम करने वालों को एक्स्ट्रा प्रॉजेक्ट मिल सकता है। इससे उनकी इनकम बढ़ेगी और जीवन में बड़ी सफलता हासिल करेंगे। व्यापारियों को सरकारी कॉन्ट्रैक्ट से फायदा हो सकता है और आर्थिक मामलों में बड़ी तरक्की हो सकती है।

कन्या
आज ऑफिस में आपकी मेहनत रंग लाएगी और आपके सीनियर आपकी तारीफ करेंगे। टीमवर्क से मुश्किल प्रॉजेक्ट भी आसान हो सकते हैं। बिजनस करने वाले लोग पार्टनरशिप में लाभ की उम्मीद कर सकते हैं और आपके लिए लाभ और तरक्की के योग हैं। खासकर खेती, कपड़ा या फूड इंडस्ट्री से जुड़े लोगों को फायदा होगा। आपकी इनकम बढ़ेगी और बिना सोचे-समझे खर्च करने से बचें।

मकर
आज कार्यक्षेत्र में योजना बनाकर काम करने से बड़ी सफलता मिलेगी। तकनीकी क्षेत्र या मैनेजमेंट में काम करने वाले लोगों को एक्स्ट्रा फायदा मिलेगा। आपको व्यापारियों के लिए ग्राहकों की संख्या बढ़ेगी और कमाई में सुधार होगा। खर्चों पर कंट्रोल रखना जरूरी है, क्योंकि अचानक परिवार में कोई जरूरत आ सकती है। आपके मान सम्मान में वृद्धि हो सकती है और अचानक से कहीं से बड़ी मात्रा में पैसा मिल सकता है।

कुंभ
आज करियर में बड़ी सफलता मिलने की उम्मीद है। कोई जरूरी मीटिंग या इंटरव्यू से आपको बड़ा लाभ होने की उम्मीद है। ऑफिस में पुराने प्रॉजेक्ट को दोबारा शुरू करने का मौका मिलेगा और ऐसा करने से आपकी आर्थिक स्थिति और बेहतर होगी। व्यापारियों को नई पार्टनरशिप से फायदा मिलेगा। पैसों के मामले में दिन लाभ से भरा होगा और आपको अचानक से कोई काम की जानकारी मिल सकती है।

मीन
आज बिजनस में कोई सौदेबाजी में सफलता मिलेगी। इससे आपको आर्थिक लाभ हो सकता है। नौकरी करने वाले लोगों को बॉस की सलाह फायदेमंद रहेगी। करियर में आपको किसी गुरु या मेंटर का मार्गदर्शन मिलेगा। पैसों के मामले में सावधान रहें, क्योंकि कोई करीबी आपको आर्थिक रूप से नुकसान पहुंचा सकता है। ऐसे निवेशों पर ध्यान दें जिनसे आपको अच्छा रिटर्न मिले।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक श्रीराम अम्बष्ट द्वारा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, (डी वी कार्पो. लि.) उड़ान टोला, दानापुर कैंट, शिवाला रोड, खगौल, पटना में मुद्रित एवं सोन वर्षा वाणी बिल्डिंग, क्लब रोड, औरंगाबाद (बिहार) से प्रकाशित
संपादक- श्रीराम अम्बष्ट, उप संपादक- **साकेत अम्बष्ट** फोन/फैक्स-06186-226116 मो.-9934957121, E-mail : sonevershavani@gmail.com, **RNI-BIHHIN/1998/03009**

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com

बीएफआई इलेक्शनः

बीएफआई चुनावों में देरी का मामला, आईओए अध्यक्ष पीटी उषा ने वजह पता लगाने के लिए समिति गठित की

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष पीटी उषा ने भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) के चुनावों में हो रही देरी के कारणों का पता लगाने और निष्पक्ष तथा समय पर चुनाव सुनिश्चित करने के लिए एक खाके की सिफारिश करने हेतु तीन सदस्यीय फैक्ट फाइंडिंग समिति का गठन किया है। शुक्रवार को गठित इस समिति की अध्यक्षता आईओए के कोषाध्यक्ष सहदेव यादव करेंगे, जबकि आईओए कार्यकारी परिषद के सदस्य भूपेंद्र सिंह बाजवा और अधिवक्ता पायल काकरा इसके सदस्य हैं।

आईओए के 11 जुलाई के कार्यालय आदेश में उषा ने कहा, बीएफआई की वर्तमान कार्यकारी समिति का कार्यकाल दो फरवरी को समाप्त हो गया था और तब से नए चुनाव नहीं हुए हैं। आदेश में कहा गया कि यह समिति बीएफआई की वर्तमान कानूनी और प्रशासनिक स्थिति की जांच करेगी और भारत में मुक्केबाजी के संचालन और कामकाज पर देरी के प्रभावों का आकलन करेगी। यह समिति विश्व मुक्केबाजी के साथ बातचीत सहित आवश्यक कार्रवाई की सिफारिश करेगी और निष्पक्ष एवं समय पर चुनाव कराने के लिए एक स्पष्ट खाका सुझाएगी। समिति को एक सप्ताह के भीतर अपनी रिपोर्ट सौंपने को कहा गया है जिससे कि विश्व मुक्केबाजी के समक्ष तथ्यात्मक स्थिति प्रस्तुत की जा सके। इस समिति का गठन खेल मंत्रालय द्वारा पांच जुलाई को लिखे गए एक पत्र के बाद हुआ है जिसमें उषा से अनुरोध किया गया था कि विश्व मुक्केबाजी के साथ परामर्श करके एक उपयुक्त व्यवस्था तैयार करें ताकि राष्ट्रीय खेल संहिता 2011 और बीएफआई के उपनियमों के अनुसार जल्द से जल्द चुनाव सुनिश्चित किए जा सकें।

डब्ल्यूपीएल ने खिलाड़ियों की प्रगति में अहम भूमिका निभाई, टी-20 श्रृंखला जीत के बाद बोले मजूमदार

बर्मिंघम, एजेंसी। भारतीय कोच अमोल मजूमदार ने इंग्लैंड के खिलाफ पहली बार महिला टी20 श्रृंखला जीतने की ऐतिहासिक उपलब्धि का श्रेय महिला प्रीमियर लीग को देते हुए कहा कि इसने खिलाड़ियों की प्रगति में 'अहम भूमिका निभाई है। उन्होंने इस सफलता का श्रेय प्रतिस्पर्धी घरेलू सत्र को भी दिया। भारत शनिवार को पांचवां और अंतिम मैच हार गया लेकिन श्रृंखला 3-2 से अपने नाम कर ली।

मजूमदार ने पांचवें टी20 में अंतिम गेंद पर भारत की पांच विकेट की हार के बाद कहा, खिलाड़ियों की प्रगति का एक अहम हिस्सा रहा है। इसमें कोई शक नहीं है। लेकिन भारत में और भी टूर्नामेंट हैं जिन पर हमारी नजर है। बहुत सारे घरेलू खिलाड़ी खेल रहे हैं। उन्होंने कहा, बीसीसीआई की पहल का एक हिस्सा मात्र है। इसलिए मुझे लगता है कि डब्ल्यूपीएल हमारे लिए एक सुखद अनुभव रहा है। लेकिन साथ ही ऐसे अन्य टूर्नामेंट भी हैं जो महत्वपूर्ण हैं। भारत की पदार्पण करने वाली बाएं हाथ की स्पिनर श्री चरणी ने 10 विकेट लेकर श्रृंखला जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और अपने खेलने के दिनों में घरेलू स्तर पर सबसे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ियों में से एक रहे मजूमदार ने कहा कि वह 'डब्ल्यूपीएल की खोज रहीं।

इगा स्वियातेक ने रचा इतिहास

विंबलडन 2025:

लंदन, एजेंसी। लंदन की हरी घास पर, जहां हर कदम इतिहास बनता है और हर विजेता अमरता की ओर बढ़ता है, वहीं 12 जुलाई 2025 को पोलैंड की 24 वर्षीय टेनिस स्टार इगा स्वियातेक ने एक ऐसा मुकाम हासिल किया, जो अब तक उनके देश के लिए केवल सपना था। उन्होंने विंबलडन महिला सिंगल्स का खिताब जीतकर न केवल अपने करियर का पहला विंबलडन टाइटल अपने नाम किया, बल्कि वह यह उपलब्धि हासिल करने वाली पोलैंड की पहली महिला खिलाड़ी भी बन गईं।

फाइनल में इगा ने अमेरिका की अमांडा एनिसिमोवा को मात्र 57 मिनट में 6-0, 6-0 से हराकर एकतरफा अंदाज़ में खिताब अपने नाम किया। टेनिस की दुनिया में इस तरह के स्कोर को 'डबल बैगेल' कहा जाता है – एक ऐसी स्थिति जहां सामने वाला खिलाड़ी एक भी गेम नहीं जीत पाता। यह प्रदर्शन न केवल तकनीकी रूप से श्रेष्ठ था, बल्कि मानसिक दृढ़ता और आत्मविश्वास का एक ऐसा प्रदर्शन था जिसे वर्षों तक याद रखा जाएगा। इगा के इस जीत की विशेषता सिर्फ उसकी तेज़ी और सटीकता में नहीं थी, बल्कि इस बात में थी कि वह विंबलडन में अब तक कभी इस स्तर पर नहीं पहुंची थीं। फ्रेंच ओपन में चार बार खिताब जीत चुकीं और एक बार यूएस ओपन की चैंपियन रह चुकीं स्वियातेक को विंबलडन की घास पर कभी-कभी असहज भी महसूस हुआ करता था। मगर इस साल कुछ बदला हुआ था – खेल में एक अलग निखार, चेहरे पर आत्मविश्वास की एक नई चमक, और हर सर्व में छिपी चुपचाप की गई मेहनत। मैच के बाद उन्होंने स्वीकार किया कि उन्होंने कभी सोचा भी नहीं था कि वे विंबलडन जीतेंगी। उनका कहना था, मैंने इसका सपना भी नहीं देखा था, यह मेरे लिए काफी दूर की बात लगती थी। मैंने ग्रैंड स्लैम जीते हैं, खुद को अनुभवी मानती हूं, लेकिन विंबलडन... इसकी कल्पना नहीं की थी। उनकी आँखों में वह आभार साफ़ झलक रहा था, जो केवल एक सच्चे चैंपियन में होता है – जो जितना ऊँचा उठता है, उतना ही विनम्र बनता जाता है। इगा की प्रतिद्वंद्वी अमांडा एनिसिमोवा के लिए यह पहला ग्रैंड स्लैम फाइनल था। 21 वर्षीय अमेरिकी खिलाड़ी के लिए यह सफर बहुत प्रेरणादायक रहा, भले ही फाइनल उनके लिए किसी बुरे सपने जैसा रहा हो। लेकिन टेनिस की दुनिया जानती है कि अनुभव ही खिलाड़ी को परिपक्व बनाता है, और अमांडा को यह अनुभव आगे ज़रूर मजबूत बनाएगा। इगा ने भी उन्हें मंच से सराहते हुए कहा कि वो चाहती हैं कि वे दोनों मिलकर भविष्य में और भी कई फाइनल मुकाबले खेलें। स्वियातेक की इस उपलब्धि ने पोलैंड को गर्व से भर दिया है।

पोलैंड को दिलाया पहला महिला सिंगल्स खिताब

झराजधानी वारसा में प्रशंसकों ने स्क्रीन पर लाइव मैच देखा और जीत के बाद सड़कों पर उतरकर जश्न मनाया। पोलैंड के राष्ट्रपति ने उन्हें बधाई देते हुए कहा कि यह सिर्फ एक टेनिस खिताब नहीं, बल्कि पूरे देश की उम्मीदों और आत्मविश्वास की जीत है। इगा अब पोलैंड की सांस्कृतिक पहचान का हिस्सा बन चुकी हैं, जैसे रॉबर्ट लेवांडोव्स्की ने फुटबॉल में किया था, अब वही इगा ने टेनिस में किया। इस जीत के साथ इगा स्वियातेक अब छह ग्रैंड स्लैम खिताबों की विजेता बन चुकी हैं – चार फ्रेंच ओपन, एक यूएस ओपन और अब एक विंबलडन। इस आंकड़े से कहीं ज़्यादा महत्वपूर्ण है यह संकेत कि वह मौजूदा दौर की सबसे निरंतर और खतरनाक खिलाड़ी बन चुकी हैं। वर्ल्ड नंबर वन की रैंकिंग अब सिर्फ एक संख्या नहीं, बल्कि एक जिम्मेदारी है, जिसे वे बखूबी निभा रही हैं।

दिग्गज टेनिस खिलाड़ियों ने भी उनकी जीत को ऐतिहासिक करार दिया। मार्टिना नवरातिलोवा ने कहा कि इगा का प्रदर्शन उन विरले मैचों में से एक था, जहां मानसिक संतुलन और तकनीकी महारत का आदर्श संगम दिखा। वहीं रोजर फेडरर ने कहा कि घास के कोर्ट पर इस स्तर की नियंत्रण क्षमता असाधारण है और इगा का सफर अब नई ऊँचाइयों की ओर बढ़ता हुआ दिख रहा है।

विंबलडन की यह जीत स्वियातेक के लिए सिर्फ एक ट्रॉफी नहीं थी, यह एक प्रतीक थी – उस धैर्य, समर्पण और जुनून की जो एक खिलाड़ी को महान बनाता है। उन्होंने न केवल अपने आलोचकों को जवाब दिया, बल्कि उन लाखों युवा खिलाड़ियों को भी प्रेरणा दी, जो मानते हैं कि कुछ सतहें, कुछ परिस्थितियाँ या कुछ प्रतियोगिताएं उनकी क्षमता के बाहर हैं।

इगा ने दिखाया कि जब मेहनत, धैर्य और आत्मविश्वास एक साथ चलते हैं, तो सबसे कठिन मंच भी जीत का गवाह बन जाता है। विंबलडन 2025 में उनके नाम के साथ अब सिर्फ ट्रॉफी नहीं जुड़ी है – अब इतिहास में एक चमकदार अध्याय लिखा जा चुका है, जो आने वाले वर्षों तक टेनिस प्रेमियों के दिलों में जीवित रहेगा।

इंडिया-इंग्लैंडः

शेफाली वर्मा के अर्धशतक के बावजूद हारा भारत, इंग्लैंड में पहली बार टी20 सीरीज जीती

बर्मिंघम, एजेंसी। इंग्लैंड की सरजमीं पर पहली बार टी20 श्रृंखला जीत सुनिश्चित करने वाली भारतीय महिला टीम को शनिवार को यहां पांचवें और अंतिम टी20 मैच में मेजबान टीम के खिलाफ अंतिम गेंद पर पांच विकेट से हार का सामना करना पड़ा। भारत ने हालांकि श्रृंखला 3-2 से जीती। भारत ने शेफाली वर्मा की 75 रन की तेजतर्रार पारी से सात विकेट पर 167 रन बनाए लेकिन इंलैंड ने अंतिम गेंद पर पांच विकेट शेष रहते 168 रन बनाकर मैच जीत लिया।

टॉस हारकर बल्लेबाजी करने उतरे भारत की उप-कप्तान स्मृति मंधाना ने एम आर्लोट (42 रन पर एक विकेट) पर लगातार दो चौकों के साथ शुरुआत की लेकिन अंतिम गेंद पर लिन्से स्मिथ को कैच दे बैठीं। जेमिमा रोड्रिग्ज भी सिर्फ एक रन बनाकर लिन्से की गेंद पर बोल्ड हो गईं जिससे भारत का स्कोर दो विकेट पर 19 रन हो गया। शेफाली और कप्तान हरमनप्रीत कौर (15) ने इसके बाद तीसरे विकेट के लिए 43 गेंद में 66 रन की साझेदारी की। ऑफ स्पिनर चार्ली डीन (23 रन पर तीन विकेट) ने हरमनप्रीत को बोल्ड करके इस साझेदारी को तोड़ा। हरलीन देओल भी सिर्फ चार रन बनाने के बाद सोफी एकलेस्टोन (28 रन पर दो विकेट) की गेंद पर बोल्ड हो गईं। शेफाली ने एक छोर संभाले रखा। उन्होंने सातवें ओवर में तेज गेंदबाज इसी वोंग पर तीन चौके और एक छक्के से 20 रन बटोरे। शेफाली ने एकलेस्टोन पर कवर्स में चौका जड़कर सिर्फ 23 गेंद में अर्धशतक पूरा किया जो महिला टी20 में किसी भारतीय का संयुक्त रूप से दूसरा सबसे तेज अर्धशतक है। माइया बूचियर ने 14वें ओवर में डीन की गेंद पर शेफाली का शानदार कैच लपकर भारत का स्कोर पांच विकेट पर 111 रन किया। शेफाली ने 41 गेंद का सामना करते हुए 14 चौके और एक छक्का मारा। विकेटकीपर रिचा घोष ने इसके बाद 16 गेंद में 24 जबकि राधा यादव ने 14 गेंद में 14 रन की पारी खेली जिससे भारत ने अंतिम 41 गेंद में 56 रन जोड़े। लक्ष्य का पीछा करते हुए सलामी बल्लेबाजों सोफिया डंक्ले (46 रन, 30 गेंद) और डेनियली वॉट हॉज (56 रन, 37 गेंद) ने पहले विकेट के लिए सिर्फ 10.4 ओवर में 101 रन की साझेदारी करके इंग्लैंड को शानदार शुरुआत दिलाई। भारत ने शतकीय साझेदारी के बाद डंक्ले और वॉट हॉज को जल्दी-जल्दी आउट करके वापसी का प्रयास किया लेकिन कप्तान टैमी ब्युमोंट (30) और बूचियर (16) ने मेजबान टीम को जीत दिला दी। इंग्लैंड को अंतिम ओवर में जीत के लिए छह रन की दरकार थी। अरुंधति रेड्डी (47 रन पर दो विकेट) ने ब्युमोंट और ऐमी जोन्स को आउट किया लेकिन एकलेस्टोन और पेज स्कोफील्ड ने टीम को लक्ष्य तक पहुंचा दिया। दोनों टीमों के बीच अब 16 जुलाई से साउथम्पटन में तीन मैच की एकदिवसीय श्रृंखला खेली जाएगी।

लॉर्ड्स टेस्ट- दूसरी पारी में इंग्लैंड का स्कोर 125/4

● भारत के सिराज को 2 विकेट

लंदन, एजेंसी। भारत और इंग्लैंड के बीच एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी का तीसरा टेस्ट लॉर्ड्स स्टेडियम में खेला जा रहा है। इंग्लैंड ने दूसरी पारी में 4 विकेट पर 125 रन बना लिए हैं। जो रूट और बेन स्टोक्स नाबाद हैं। हैरी ब्रूक (23 रन) को आकाश दीप ने बोल्ड कर दिया। नीतीश कुमार रेड्डी ने जैक क्रॉली (22 रन) को यशस्वी जायसवाल के हाथों कैच कराया। जबकि, मोहम्मद सिराज ने ओली पोप (4 रन) और बेन डकेट (12 रन) को पवेलियन भेजा। पहली पारी में किसी टीम को बढ़त नहीं मिली, इनमें भारत और इंग्लैंड की टीमें एक समान 387-387 के स्कोर पर ऑलआउट हुईं।

WWE में शोक की लहर, रेसलर की गोली मारकर हत्या

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रोफेशनल रेसलिंग की दुनिया में कहानियां, उत्साह और रोमांच तो होता ही है, लेकिन कभी-कभी दुखद घटनाएं भी इसका एक हिस्सा बन जाती हैं। हाल ही में

रेसलिंग जगत को एक और बड़ा झटका लगा है। अनुभवी रेसलर केविन निकेल, जिन्हें रिंग में इवान वारसॉ और नक्कल्स मैडसेन के नाम से जाना जाता था उनका 41 साल की आयु में निधन हो गया है। निकेल ने इंडिपेंडेंट रेसलिंग सीन और TSW, UWN और मेम्फिस रेसलिंग जैसे कई प्रमोशन्स में लगभग दो दशक बिताए, जहां उन्होंने अपनी एक खास पहचान बनाई थी।

अर्कांसस में गोली लगने से हुई मौत: यह दुखद खबर तब सामने आई जब यह पता चला कि वारसॉ को अर्कांसस में एक घटना के दौरान गोली मार दी गई थी।

शुक्रवार की रात उन्हें पेट में गोली लगी और तत्काल अस्पताल ले जाने के बावजूद, उन्हें बचाया नहीं जा सका।

फिडे विश्व महिला शतरंज कपः

वंतिका ने कैटरीना लागनो, दिव्या ने थेओडोरा इंजाक को हराया

बटुमी (जॉर्जिया), एजेंसी। भारतीय ग्रैंडमास्टर अवंतिका अग्रवाल और दिव्या देशमुख ने शनिवार को यहां 691250 डॉलर पुरस्कार वाले फिडे विश्व महिला शतरंज कप में क्रमशः रूस की कैटरीना लागनो और सर्बिया की थेओडोरा इंजाक के खिलाफ तीसरे दौर का पहला गेम जीतकर प्री-क्वार्टर फाइनल के लिए अपनी दावेदारी पक्की कर ली। इस नॉकआउट प्रतियोगिता में अब सिर्फ 32 प्रतिभागी बचे हैं।

वंतिका ने ऊंची रैंक वाली लागनो को हराकर भारतीय महिलाओं के बीच अपनी तेजी से बढ़ती प्रतिष्ठा का एक और संकेत दिया है। खिताब की दावेदार दिव्या अपनी उम्मीदों पर खरा उतरते हुए काले मोहरों से थेओडोरा को हराया। भारत की सर्वोच्च वरीयता प्राप्त कोनेरू हम्पी को इस बीच पोलैंड की कुलॉन क्लॉडिया के साथ ड्रॉ से संतोष करना पड़ा। सफेद मोहरों के साथ यह परिणाम थोड़ा निराशाजनक था, क्योंकि उनसे जीत की उम्मीद की जा रही थी। डी हरिका भी जीत हासिल नहीं कर सकीं और उन्होंने त्सोलाकिदौ स्टावरौला के साथ ड्रॉ खेला। आर वैशाली ने अमेरिका की कैरिसा यिप के साथ ड्रॉ खेला।

टी20आई त्रिकोणीय श्रृंखलाः

फिन एलन चोटिल, इस कीवी बल्लेबाज की न्यूजीलैंड टीम में एंट्री

नई दिल्ली, एजेंसी। आईसीसी वेबसाइट के अनुसार डेवोन कॉनवे, मिच हे, जिमी नीशम और टिम रॉबिन्सन जिम्बाब्वे और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आगामी त्रिकोणीय श्रृंखला के लिए न्यूजीलैंड की टी20आई टीम में शामिल होने के लिए तैयार हैं। त्रिकोणीय श्रृंखला 14 जुलाई को मेजबान जिम्बाब्वे और दक्षिण अफ्रीका के बीच मुकाबले के साथ शुरू होगी जबकि न्यूजीलैंड अपना पहला मुकाबला 16 जुलाई को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेलेगा। 26 जुलाई को खेले जाने वाले फाइनल से पहले दोनों टीमें एक-दूसरे से दो-दो मैच खेलेंगी। विकेटकीपर-बल्लेबाज कॉनवे, फिन एलन की जगह लेंगे जो संयुक्त राज्य अमेरिका में चल रही मेजर लीग क्रिकेट में खेलते हुए पैर में लगी चोट के कारण श्रृंखला से बाहर हो गए थे। न्यूजीलैंड में आगे के परामर्श के बाद एलन के ठीक होने की समय-सीमा तय की जाएगी। हे, नीशम और रॉबिन्सन माइकल ब्रेसवेल, मार्क चैपमैन, ग्लेन फिलिप्स और रचिन रवींद्र के अतिरिक्त कवर के रूप में टीम में शामिल हुए हैं, जो सोमवार को होने वाले मेजर लीग क्रिकेट टूर्नामेंट के फाइनल में हैं। कीवी टीम के मुख्य कोच, रॉब वाल्टर, इस बात से निराश थे कि फिन एलन इस टीम का हिस्सा नहीं होंगे।

रॉब वाल्टर ने कहा, हम फिन के लिए बहुत निराश हैं, मैं उनके साथ काम करने और एमएलसी से उनके शानदार प्रदर्शन को जारी रखने के लिए उत्सुक था, लेकिन दुर्भाग्य से चोटें लग जाती हैं। हम भाग्यशाली हैं कि फिन की जगह डेवोन जैसे बेहतरीन खिलाड़ी को टीम में शामिल कर पाए हैं।

टी20 त्रिकोणीय श्रृंखला का शेड्युलः

14 जुलाई - जिम्बाब्वे बनाम दक्षिण अफ्रीका
16 जुलाई - दक्षिण अफ्रीका बनाम न्यूजीलैंड
18 जुलाई - जिम्बाब्वे बनाम न्यूजीलैंड
20 जुलाई - जिम्बाब्वे बनाम दक्षिण अफ्रीका
22 जुलाई - न्यूजीलैंड बनाम दक्षिण अफ्रीका
24 जुलाई - जिम्बाब्वे बनाम न्यूजीलैंड
26 जुलाई - फाइनल।

पदकों की हैट्रिक की ओर बढ़ रही ज्योति सुरेखा

भारत ने तीरंदाजी विश्व कप जीता कांसा और चांदी

नई दिल्ली, एजेंसी। मैड्रिड में तीरंदाजी विश्व कप के चौथे चरण में भारत ने महिला कंपाउंड स्पर्धा में रजत और मिश्रित टीम स्पर्धा में कांस्य पदक जीता। ज्योति सुरेखा वेन्नम ने भारत की मेडल रेस की अगुआई की। अब उनकी नजर पदकों की हैट्रिक पर है। भारत ने महिला कंपाउंड टीम के रजत और मिश्रित टीम के कांस्य पदक स मैड्रिड में तीरंदाजी विश्व कप के चौथे चरण में दो पोडियम स्थान हासिल किए। भारत ने महिला कंपाउंड टीम के रजत और मिश्रित टीम के कांस्य पदक से शनिवार को मैड्रिड में तीरंदाजी विश्व कप के चौथे चरण में दो पोडियम स्थान हासिल किए जिसमें ज्योति सुरेखा वेन्नम पदकों की हैट्रिक की ओर बढ़ रही हैं।

हालांकि, पदक जीतने के बावजूद इस प्रदर्शन ने मुश्किल परिस्थितियों के दबाव में भारतीय तीरंदाजों की असक्षमता को उजागर कर दिया। क्वालिफिकेशन दौर में कुल 2116 अंकों के साथ शीर्ष स्थान हासिल करने वाली ज्योति सुरेखा वेन्नम, परनीत कौर और पदार्पण कर रही 16 वर्षीय पृथिका प्रदीप की तिकड़ी

स्वर्ण पदक की ओर बढ़ती दिख रही थी और तीसरे दौर के बाद 170-169 की बढ़त बनाए थी। लेकिन यह तिकड़ी निर्णायक क्षण में आए दबाव में लड़खड़ा गई और चीनी ताइपे से 225-227 से हारकर स्वर्ण पदक से चूक गई।

चीनी ताइपे की तिकड़ी को स्वर्ण

इस हार ने फिर टीम की मानसिक कमजोरियों को उजागर कर दिया और 2022 एशियाई खेलों के बाद कंपाउंड कोच सर्जियो पाग्नी के जाने के बाद से पैदा हुए खालीपन को भी उजागर कर दिया। चीनी ताइपे की हुआंग आई-जौ, चेन यी-हसुआन और चिउ यू-एर्ह की तिकड़ी ने संयम बनाकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

बाद में मिश्रित टीम स्पर्धा में ज्योति और ऋषभ यादव की शीर्ष वरीयता प्राप्त भारतीय जोड़ी ने 10वीं वरीयता प्राप्त एल साल्वाडोर की पाओला कोराडो और डगलस व्लादिमीर नोलास्को की जोड़ी को 156-153 से हराकर कांस्य पदक जीता।

ज्योति सुरेखा के साथ परनीत कौर भी प्रतिस्पर्धा में भारतीय मिक्स्ड डबल्स जोड़ी ने पहले दिन कुल 1431 अंकों के साथ क्वालीफाइंग विश्व रिकॉर्ड तोड़ा था। भारतीय मिक्स्ड डबल्स जोड़ी शुक्रवार को सेमीफाइनल में उम्मीदों पर खरी नहीं उतरी थी और 12वीं वरीयता प्राप्त नीदरलैंड्स से 152-155 से हार गई थी। ज्योति सुरेखा व्यक्तिगत स्पर्धा में परनीत कौर के साथ भी प्रतिस्पर्धा में हैं और दोनों तीरंदाजों को दिन में अपने-अपने सेमीफाइनल में हिस्सा लेना है।

न्यूज बाइट्स

कुर्की वारंटी रामाशीष सिंह गिरफ्तार

बारूण (औरंगाबाद) (नि. सं.)। सलैया थाना पुलिस ने न्यायालय द्वारा निर्गत कुर्की वारंट के तहत रामाशीष सिंह को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी की यह कार्रवाई ग्राम-रघु बिगहा से की गई है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, रामाशीष सिंह के खिलाफ कोर्ट द्वारा कुर्की वारंट निर्गत किया गया था, जिसके अनुपालन में सलैया थाना की टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर गांव में दबिश दी और उन्हें मौके से धर-दबोचा। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने उन्हें विधि सम्मत न्यायिक प्रक्रिया के तहत कोर्ट में प्रस्तुत किया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। थानाध्यक्ष ने बताया कि सलैया थाना क्षेत्र में कुर्की वारंटी और फरार अभियुक्तों की धरपकड़ को लेकर अभियान तेज किया गया है। इस कार्रवाई से यह साफ संदेश गया है कि कानून से बचना अब किसी के लिए आसान नहीं होगा। गांव के लोगों ने भी पुलिस की तत्परता की सराहना की है और उम्मीद जताई है कि ऐसे ही अपराधियों के खिलाफ सख्त रुख अपनाया जाता रहेगा।

एक फीसदी भी वोट कटेगा तो नतीजों पर अंतर होगा : तेजस्वी

पटना (नि. सं.)। महागठबंधन ने एक बार फिर चुनाव आयोग पर हमला बोला है। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी प्रसाद यादव ने कहा है कि अगर एक फीसदी मतदाता का भी नाम कट जाए तो उससे नतीजों पर अंतर होगा। बिहार में सात करोड़ 90 लाख मतदाता हैं। एक फीसदी में सात लाख 90 हजार मतदाता यानी हर विधानसभा में तीन हजार 251 मतदाताओं का नाम कट जाएगा। 2020 में 35 सीटों पर जीत-हार का यह अंतर था। एक विधानसभा में औसतन 320 बूथ हैं। अगर एक बूथ पर 10 का नाम कटे तो किसी को पता भी नहीं चलेगा। रविवार को अपने सरकारी आवास एक पोलो रोड में गठबंधन के साझा प्रेस वार्ता में तेजस्वी ने कहा कि चुनाव आयोग हमारी शंकाओं का समाधान नहीं कर रहा है। सूत्रों की जगह आयोग को खुद सामने आना चाहिए। शहर से लेकर गांव तक फॉर्म फेंके जा रहे हैं। झारखंड के देवघर में जलेबी बेचने वाले के पास हजारों फॉर्म मिले हैं। पावती रसीद नहीं मिलने से नाम कटने पर मतदाता कोई दावा नहीं कर सकेंगे। आयोग बताए कि प्रपत्र सत्यापित, स्वैच्छिक और वैध तरीके से भरे गए हैं। बिना सहमति के बीएलओ द्वारा फर्जी अंगूठा या हस्ताक्षर लगाकर प्रपत्र अपलोड किए जा रहे हैं। विपक्षी दलों के बीएलए को सूचित नहीं किया जा रहा है। तेजस्वी ने आरोप लगाया कि भाजपा और केंद्र सरकार के इशारे पर आयोग इस तरह की गतिविधियों को अंजाम दे रहा है, लेकिन अबकी बार बिहार से आर-पार होगा। सरकार गरीबों की रोटी छीन सकती है, लेकिन वोट का अधिकार छीनने नहीं देंगे। राजेश राम बोले-बीएलओ कहीं दिख नहीं रहे प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम ने कहा कि आयोग ने सात जुलाई को 36.11 प्रतिशत, 11 जुलाई को 74.39 फीसदी और 12 जुलाई को 80 फीसदी फॉर्म संग्रह कर अपलोड करने का दावा किया।

घर में साफ-सफाई के दौरान लगा झटका, मोतिहारी में थी पोस्टिंग, दो दिन पहले लौटा था घर

छुट्टी में घर आए बिहार पुलिस के सिपाही की करंट लगने से मौत

- घटना की जानकारी मिलते ही थानाध्यक्ष उपेंद्र कुमार सिंह पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

निज संवाददाता | मदनपुर (औरंगाबाद)

फाइल फोटो

» संजय कुमार की शादी 2010 में रेणु देवी से हुई थी, दो बेटे – सूर्यकांत सूर्या (9 वर्ष) और ओंकार सूर्या (5 वर्ष)। असमय मौत से पूरा गांव शोक में डूबा, परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल।

जिले के सलैया थाना क्षेत्र के जोगड़ी गांव में सामने आया है, जहां छुट्टी में घर आए एक बिहार पुलिस के सिपाही की करंट लगने से मौत हो गई। मृतक की पहचान संजय कुमार (उम्र 32 वर्ष) के रूप में हुई है, जिनकी पोस्टिंग मोतिहारी में थी। घटना के बाद पूरे गांव और मृतक के परिवार में मातम छा गया है। संजय कुमार दो दिन पहले ही छुट्टी लेकर अपने गांव आए थे। रविवार को वे घर के साफ-सफाई कार्य में लगे हुए थे। इसी दौरान अचानक वे करंट की चपेट में आ गए। घरवालों ने जैसे ही उन्हें बेसुध देखा, फौरन बिजली कनेक्शन को काटा और संजय को तुरंत मदनपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। स्थिति गंभीर देखते हुए डॉक्टरों ने उन्हें सदर अस्पताल रेफर कर दिया, लेकिन अफसोस की बात है कि रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही सलैया थाना अध्यक्ष उपेंद्र कुमार सिंह पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पुलिस ने परिजनों के बयान के आधार पर घटना की जांच शुरू कर दी है। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया जाएगा, जिसके बाद अंतिम संस्कार की प्रक्रिया की जाएगी।

संजय कुमार का पारिवारिक जीवन भी बेहद भावुक है। उन्होंने वर्ष 2010 में रेणु देवी से शादी की थी। शादी के सात साल बाद संजय की बिहार पुलिस में नौकरी लगी थी। उन्हें दो छोटे बच्चे हैं। बड़ा बेटा सूर्यकांत सूर्या 9 साल का है जबकि छोटा बेटा ओंकार सूर्या महज 5 वर्ष का है। पिता के अचानक निधन से दोनों बच्चों का भविष्य अनिश्चितता में झूल गया है। घर में संजय कुमार की मौत की खबर सुनते ही कोहराम मच गया। पत्नी रेणु देवी, माता-पिता और अन्य परिजन बेसुध होकर रोते-बिलखते रहे। पूरे गांव के लोग परिवार को ढांढस बंधाने पहुंच रहे हैं, लेकिन गहरे शोक में डूबे परिवार के आंसू थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। यह घटना एक बार फिर गांवों में बिजली सुरक्षा और जनजागरूकता की कमी को उजागर करती है। एक जिम्मेदार जवान का इस तरह असामयिक निधन न सिर्फ उनके परिवार, बल्कि पूरे समाज के लिए क्षति है।

बोलेरो की टक्कर से दो महिला सिपाही गंभीर रूप से घायल, चालक फरार

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

जिले से एक दर्दनाक सड़क हादसे की खबर सामने आई है, जहां रविवार को शहर के रमेश चौक के पास बोलेरो गाड़ी की टक्कर से दो महिला सिपाही बुरी तरह घायल हो गईं। दोनों महिला पुलिसकर्मी पैदल सड़क किनारे जा रही थीं, तभी तेज रफ्तार से आ रही एक बोलेरो ने पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। हादसे के बाद बोलेरो चालक गाड़ी लेकर मौके से फरार हो गया। घायलों की पहचान सासाराम निवासी उदय पासवान की पुत्री वंदना कुमारी (22 वर्ष) और विनोद कुमार पासवान की पुत्री पूजा कुमारी के रूप में हुई है। दोनों बिहार पुलिस में कार्यरत हैं और इन दिनों औरंगाबाद के करमा रोड स्थित पुलिस लाइन में उनकी ड्यूटी लगी हुई है। हादसे के समय वे पासपोर्ट साइज फोटो खिंचवाने बाजार की ओर जा रही थीं। परिजनों और प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, जैसे ही बोलेरो ने टक्कर मारी, दोनों महिला सिपाही सड़क पर गिर पड़ीं। कुछ ही क्षणों में वहां स्थानीय लोगों की भारी भीड़ जुट गई। लेकिन, तभी आरोपी चालक मौका देखकर बोलेरो लेकर फरार हो गया। स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए तुरंत पुलिस कंट्रोल को सूचना दी। थोड़ी ही देर में पुलिस की गाड़ी मौके पर पहुंची और घायलों को प्राथमिक इलाज के लिए मदनपुर सामुदायिक अस्पताल ले जाया गया। वहां से वंदना को गंभीर हालत में सदर अस्पताल रेफर किया गया, जहां डॉक्टरों की टीम ने तत्काल उपचार शुरू किया। वंदना के पैर में गंभीर चोटें आई हैं, जबकि पूजा की हालत भी चिंताजनक बनी हुई है।

घटना की जानकारी मिलते ही सलैया थाना के थानाध्यक्ष उपेंद्र कुमार सिंह भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि बोलेरो की चपेट में आकर दोनों महिला सिपाही घायल हुई हैं। मामले की गहन छानबीन की जा रही है और आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं, ताकि फरार चालक की पहचान की जा सके। थाना अध्यक्ष ने बताया कि वाहन और उसके नंबर की पहचान होते ही आरोपी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। वहीं दूसरी ओर, इस हादसे से पुलिस महकमे में भी चिंता की लहर दौड़ गई है, क्योंकि घायल सिपाही खुद कानून-व्यवस्था को संभालने वाली महिला कर्मी हैं।

यह हादसा आम लोगों के बीच भी गहरी चिंता का विषय बन गया है। लोग यह सवाल उठा रहे हैं कि जब पुलिसकर्मियों की भी सड़क पर सुरक्षा सुनिश्चित नहीं हो पा रही है, तो आम नागरिकों की स्थिति क्या होगी।

नाबालिग की अपहरण के बाद सदर अस्पताल में हंगामा

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

एक लड़की का अपहरण किए जाने का मामला उस समय आग की तरह फैल गयी। जब परिजनों ने खोजबीन शुरू किया तो पता चला कि गांव से सवारी लेकर आने जाने वाले एक ऑटो चालक द्वारा अपहरण किया गया है। जब इसकी सूचना सलैया थाना की पुलिस को दी गई तो सलैया थाना की पुलिस ने आवेदन पर कोई विचार नहीं किया। करीब दस दिन बीत जाने के बाद सलैया थाना की पुलिस ने किसी तरह दोनों को बरामद कर लिया और थाना लाया। इसके बाद परिजनों को बुलाकर यह कहा गया कि जो आवेदन अपहरण का दिया गया है उसमें अपहृता को नाबालिग बताया गया है। पुलिस ने परिजनों से कहा कि आवेदन को बदलकर बालिग कर दिया जाय। इसके बाद परिजनों ने आवेदन को बदलने से इनकार कर दिया। अपहृता के चाचा ने बताया कि पुलिस के अनुसार लड़की बालिक है, लेकिन जब परिजनों ने उसकी आधार कार्ड व अन्य दस्तावेज पुलिस को दी तो उससे प्रतीत होता है कि वह नाबालिक है। पुलिस के पास अपहरण करने वाले युवक द्वारा एक जन्म प्रमाण पत्र दिया गया, जिसमे वह बालिग है, लेकिन परिजनों के अनुसार वह जन्म प्रमाण पत्र फर्जी है। रविवार को इसी मामले की जांच पड़ताल करने सलैया थाना की पुलिस अपहृता लड़की को लेकर सदर अस्पताल पहुंची तो मौके पर परिजन भी पहुंच गए और हंगामा करने लगे। काफी देर तक सदर अस्पताल में हंगामे के दौर चला। भारी संख्या में लोगों की भीड़ जुट गई। हालांकि रविवार होने के कारण जन्म प्रमाण पत्र काउंटर बंद था। इसके कारण जन्म प्रमाण पत्र किसने बनाया, इसकी जानकारी नहीं मिल सकी। लड़की के चाचा ने कहा की स्कूल के सभी दस्तावेज में लड़की नाबालिक है, लेकिन थानाध्यक्ष द्वारा मेरे दस्तावेज को नहीं माना जा रहा है और कहां जा रहा है कि आवेदन में अस्पताल के जन्म प्रमाण पत्र के आधार पर जन्मतिथि अंकित किया जाए जो कि वह फर्जी है।

वर्ल्ड स्किन हेल्थ डे पर आयोजित हुआ निशुल्क त्वचा जांच शिविर, सैकड़ों मरीजों ने उठाया लाभ

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

रविवार को वर्ल्ड स्किन हेल्थ डे के अवसर पर शहर के रामाबंध स्थित आवासीय क्लिनिक पर त्वचा रोग विशेषज्ञ डॉ. मृत्युंजय कुमार द्वारा निशुल्क त्वचा जांच शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर इंडियन एसोसिएशन ऑफ डर्मेटोलॉजिस्ट्स, वेनेरियोलॉजिस्ट्स एंड लेप्रोलॉजिस्ट्स के राष्ट्रीय आह्वान पर आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य आम लोगों को त्वचा संबंधी बीमारियों के प्रति जागरूक करना और उन्हें मुफ्त परामर्श व जांच की सुविधा देना था। शिविर में सौ से अधिक मरीजों ने भाग लिया और विभिन्न त्वचा संबंधी रोगों के लिए जांच एवं चिकित्सकीय सलाह प्राप्त की। मरीजों की लंबी कतार इस बात का प्रमाण रही कि लोग स्वास्थ्य को लेकर जागरूक हो रहे हैं और ऐसे आयोजनों की आवश्यकता हर स्तर पर है।

इस अवसर पर डॉ. मृत्युंजय कुमार ने बताया कि संस्था की ओर से हर साल वर्ल्ड स्किन हेल्थ डे मनाया जाता है और इस बार का उद्देश्य इंटरनेशनल बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में नाम दर्ज कराना है। इसके लिए देशभर में एक ही दिन में सबसे अधिक स्किन हेल्थ कैंप और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, ताकि लाखों लोगों को निशुल्क सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकें। उन्होंने कहा कि इस शिविर का मुख्य मकसद था लोगों को त्वचा, बाल, नाखून और जननांग से जुड़ी बीमारियों के प्रारंभिक लक्षणों के प्रति जागरूक करना, उनकी समय पर जांच करना और उन्हें उचित इलाज की दिशा में मार्गदर्शन देना। शिविर में मुख्य रूप से त्वचा एलर्जी, फंगल इन्फेक्शन, पिगमेंटेशन, मुहांसे, बाल झड़ना, समय से पहले सफेद होना, आदि समस्याओं से ग्रसित मरीजों की जांच की गई। साथ ही जरूरतमंदों के बीच यथासंभव निशुल्क दवाइयों का भी वितरण किया गया। डॉ. कुमार ने आमजन से अपील करते हुए कहा कि यदि शरीर में किसी भी प्रकार की त्वचा संबंधी समस्या या लक्षण दिखाई दे, तो बिना देरी किए किसी योग्य चिकित्सक से परामर्श लें। सही समय पर इलाज से गंभीर बीमारियों से बचा जा सकता है। इस सफल आयोजन के लिए शहरवासियों ने डॉक्टर और उनके पूरे टीम की सराहना की और ऐसी सेवाएं समय-समय पर होते रहने की उम्मीद जताई।

शिक्षक मतदाता सूची में व्यस्त, स्कूलों में पढ़ाई ठप

कुटुंबा (औरंगाबाद)(नि.सं.)। कुटुंबा प्रखंड में मतदाता सूची विशेष पुनरीक्षण कार्य ने स्कूलों की पढ़ाई पर गहरा असर डाला है। प्रखंड में कुल 1437 शिक्षकों में से 179 को बीएलओ बनाया गया है और प्रत्येक बीएलओ के साथ औसतन चार शिक्षक सहायक के रूप में कार्यरत हैं। इस तरह 895 शिक्षक इस कार्य में लगे हैं, जिसके चलते केवल 541 शिक्षक ही स्कूलों के संचालन के लिए बचे हैं। प्रखंड के 196 प्राथमिक, मध्य और 23 हाई स्कूलों में करीब 50 हजार छात्र पढ़ते हैं, लेकिन औसतन 90 छात्रों पर एक शिक्षक और एक स्कूल पर मात्र दो शिक्षक उपलब्ध हैं। कई स्कूलों की स्थिति बेहद चिंताजनक है। जानकारी के अनुसार, मुजहिदा मिडिल स्कूल और पोला हाई स्कूल के सभी शिक्षक मतदाता सूची पुनरीक्षण में लगे हैं जबकि परता मिडिल स्कूल में चार सौ छात्रों के लिए केवल एक-दो शिक्षक बचे हैं। इस तरह के अन्य कई स्कूल हैं।

अष्टभुजी महोत्सव समिति ने लगाया निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर

- मेदांता हॉस्पिटल, पटना के विशेषज्ञ डॉक्टरों से इलाज का मिला मौका
- समिति ने आगे भी ऐसे सेवा कार्यक्रम चलाने की बात कही

निज संवाददाता | बारूण (औरंगाबाद)

अष्टभुजी महोत्सव आयोजन समिति के अनुरोध पर मेदांता हॉस्पिटल, पटना के चिकित्सकों की टीम ने रविवार को पिपरा में एक निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया। शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीणों और स्थानीय लोगों ने भाग लिया और मेदांता के विशेषज्ञ डॉक्टरों से इलाज एवं परामर्श प्राप्त किया। शिविर में केवल जांच और इलाज ही नहीं, बल्कि मेदांता की ओर से एक विशेष सुविधा भी दी गई। चिकित्सकों ने जानकारी दी कि जिन मरीजों ने आज शिविर में इलाज कराया है, वे अगला एक महीना तक मेदांता हॉस्पिटल, पटना में इसी पुर्जा के माध्यम से बिना किसी अपॉइंटमेंट और शुल्क के इलाज करा सकते हैं।

मेदांता की इस पहल से लोगों में काफी उत्साह देखा गया। ग्रामीणों ने बताया कि इस तरह के स्वास्थ्य शिविर गांवों के लिए बहुत मददगार होते हैं, जहां बड़े अस्पतालों तक पहुंचना और वहां इलाज कराना अक्सर कठिन होता है।

अष्टभुजी महोत्सव आयोजन समिति के सदस्यों ने इस मौके पर कहा कि हम सिर्फ महोत्सव नहीं मनाते, बल्कि समाज सेवा और जनकल्याण को भी अपनी जिम्मेदारी मानते हैं। यह स्वास्थ्य शिविर उसी सोच का हिस्सा है। समिति ने भविष्य में भी इस तरह के सामाजिक एवं सेवा कार्यों को जारी रखने की बात कही है। आयोजन स्थल पर दवाइयों का भी वितरण किया गया और मरीजों को स्वास्थ्य से जुड़ी सलाह और जीवनशैली से जुड़ी जागरूकता भी दी गई। यह आयोजन न केवल स्वास्थ्य लाभ का जरिया बना, बल्कि महोत्सव को सामाजिक सेवा से जोड़ने का एक सुंदर उदाहरण भी प्रस्तुत किया।

राष्ट्रीय विद्यार्थी दिवस पर परिषद खेल उत्सव का भव्य आयोजन

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के स्थापना दिवस सप्ताह के उपलक्ष्य में रविवार को 'राष्ट्रीय विद्यार्थी दिवस' के मौके पर 'खेलो भारत' अभियान के तहत औरंगाबाद के इंडोर स्टेडियम में परिषद खेल उत्सव का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में छात्राओं की कबड्डी प्रतियोगिता, और छात्रों की वॉलीबॉल एवं बैडमिंटन प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस आयोजन का उद्घाटन परिषद के पूर्व प्रदेश मंत्री दीपक कुमार, खेलो भारत के जिला संयोजक निक्कू सिन्हा, नगर मंत्री प्रभात कुमार, वरिष्ठ कार्यकर्ता कान्हा सिंह और पीटी शिक्षक रविशंकर कुमार ने संयुक्त रूप से किया। उद्घाटन के अवसर पर सरस्वती मां एवं स्वामी विवेकानंद जी के चित्र पर दीप प्रज्वलन और पुष्प अर्पित कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई।

इस अवसर पर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पूर्व प्रदेश मंत्री दीपक कुमार ने कहा कि खेल केवल एक प्रतियोगिता नहीं है, बल्कि यह अनुशासन, टीम भावना और राष्ट्र निर्माण की दिशा में एक सशक्त माध्यम भी है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी जीवन में खेलों को प्राथमिकता देना बेहद जरूरी है क्योंकि इससे न केवल शारीरिक, बल्कि मानसिक विकास भी होता है। खेलो भारत के जिला संयोजक निक्कू सिन्हा और नगर मंत्री प्रभात कुमार ने बताया कि विद्यार्थी परिषद के इस विशेष कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों के समग्र विकास के लिए उन्हें खेलकूद से जोड़ना है। खेलो भारत के तहत जिला और राज्य स्तर पर विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन लगातार किया जा रहा है, ताकि युवाओं में नेतृत्व और सहयोग की भावना का विकास हो सके। कार्यक्रम में रेफरी की भूमिका निभाने वाले देव कुमार, खुशी कुमारी, अवधेश कुमार, राजू कुमार, अजय कुमार और हरिओम कुमार ने खेल को निष्पक्ष और सफल बनाने में अहम योगदान दिया। इसके अलावा आयोजन को सफल बनाने में कान्हा सिंह, उदय तिवारी, निखिल, अजय, निशांत, विकास, पीयूष, रोहित तिवारी, गोल्डी सिंह, प्रियंका, प्रीति, रिया, निक्की और अन्य कार्यकर्ताओं की भी महत्वपूर्ण भूमिका रही। कार्यक्रम के अंत में यह संदेश दिया गया कि एबीवीपी केवल एक छात्र संगठन नहीं, बल्कि एक वैचारिक आंदोलन है जो शिक्षा, संस्कृति और राष्ट्र सेवा के लिए युवाओं को जागरूक करता है। परिषद का उद्देश्य विद्यार्थियों को सशक्त, संस्कारित और राष्ट्रनिष्ठ बनाना है। यह आयोजन न केवल खेल प्रतिभाओं को मंच देने का एक अवसर बना, बल्कि विद्यार्थियों को सामाजिक और राष्ट्रहित के कार्यों में भागीदारी के लिए प्रेरित करने वाला एक सार्थक प्रयास भी साबित हुआ।

विजेताओं को किया गया सम्मानित

प्रतियोगिता में विजेता और उपविजेता टीमों को ट्रॉफी और प्रोत्साहन राशि देकर सम्मानित किया गया। खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाने के लिए आयोजन समिति की ओर से सराहनीय सहयोग प्रदान किया गया।

मेरा युवा भारत के द्वारा तीन दिवसीय लीडरशिप बूट कैंप का आयोजन

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक लाख युवाओं को नेतृत्व से जोड़ने के विजन के तहत भावी युवा नेताओं को प्रशिक्षित करना। ग्रासरूट स्तर पर नेतृत्व क्षमता को बढ़ावा देना इसका उद्देश्य है

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

मेरा युवा भारत (माय भारत) द्वारा तीन दिवसीय आवासीय लीडरशिप बूट कैंप प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ शुक्रवार को जिले के होटल झरी प्लेस में किया गया। यह कार्यक्रम 12 जुलाई से 14 जुलाई 2025 तक आयोजित किया जा रहा है, जिसमें औरंगाबाद जिले के 35 चयनित युवा प्रतिभागी भाग ले रहे हैं। शिविर की शुरुआत जिला युवा अधिकारी दिव्या शर्मा, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के नामित प्रशिक्षक मनीष कुमार, सुनील कुमार तथा पारिजात त्रिपाठी (लेखा एवं कार्यक्रम सहायक) द्वारा दीप प्रज्वलन एवं स्वामी विवेकानंद की तस्वीर पर माल्यार्पण के साथ की गई। इस बूट कैंप का मुख्य उद्देश्य देश में नेतृत्व क्षमता से संपन्न युवाओं को तैयार करना है, ताकि वे आने वाले समय में भारत के राजनीतिक और सामाजिक भविष्य को एक नई दिशा दे सकें। कार्यक्रम को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक लाख युवाओं को नेतृत्व में शामिल करने के आह्वान के साथ जोड़ा गया है।

जिला युवा अधिकारी दिव्या शर्मा ने उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि आज के युवा ही कल के राष्ट्र निर्माता हैं। उन्हें नेतृत्व, संवाद, नीति और सामाजिक सेवा की दिशा में प्रशिक्षित करना बेहद आवश्यक है। उन्होंने कहा कि यह बूट कैंप ग्रामीण और शहरी दोनों पृष्ठभूमियों के युवाओं को बराबरी से अवसर देने वाला मंच है। प्रशिक्षण में शामिल हार्टफुलनेस संस्था से आए प्रशिक्षक मनीष कुमार, सुनील कुमार और पारिजात त्रिपाठी ने युवाओं को वित्तीय साक्षरता, केंद्र सरकार की प्रमुख योजनाएं, करियर गाइडेंस, डिजिटल साक्षरता, व्यक्तित्व विकास, योग और ध्यान, वॉलंटरी एक्शन जैसे विषयों पर सत्रों के माध्यम से प्रशिक्षण देना शुरू किया। प्रशिक्षण के दौरान युवाओं के बीच "युवा संवाद" का भी आयोजन होगा, जिसमें वे आपसी विचारों को साझा करेंगे और समाज व देश की बेहतरी के लिए अपने सुझाव और पहल की रूपरेखा तैयार करेंगे। कार्यक्रम के अंतिम दिन प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र भी प्रदान किया जाएगा।

रघौलिया राजकीय मध्य विद्यालय की नीची बाउंड्री बनी परेशानी का कारण

नशा और जुए का अड्डा बन रहा विद्यालय परिसर, शिक्षक-छात्र परेशान

- प्रशासन से मांग- स्कूल की चारदीवारी को पक्की और ऊंची बनाया जाए। स्कूल परिसर को सुरक्षित बनाया जाए
- बच्चों के भविष्य और सुरक्षा को लेकर अभिभावक चिंतित

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

सदर प्रखंड के मध्य विद्यालय रघौलिया से, जहां स्कूल की बाउंड्री वॉल नीचे होने के कारण शिक्षकों और छात्रों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सुरक्षा के अभाव में स्कूल का परिसर अब उदंड लड़कों के नशा और जुए के अड्डे में तब्दील हो गया है। विद्यालय में वर्तमान में 245 छात्र नामांकित हैं और 08 शिक्षक कार्यरत हैं। लेकिन, शैक्षणिक माहौल दिन-ब-दिन बिगड़ता जा रहा है। स्कूल के प्रभारी राकेश कुमार सिन्हा ने जानकारी देते हुए बताया कि बाउंड्री वॉल की ऊंचाई काफी कम है, जिससे बाहरी तत्व स्कूल परिसर में बेरोकटोक प्रवेश कर रहे हैं।

उन्होंने बताया कि बाहर के युवक स्कूल परिसर में बैठकर जुआ खेलते हैं, नशा करते हैं, जिससे न केवल शिक्षण कार्य बाधित होता है बल्कि छात्र-छात्राओं पर भी बुरा असर पड़ रहा है। स्थानीय ग्रामीणों ने भी इस स्थिति पर आपत्ति जताई है और कई बार स्कूल प्रबंधन को इसकी जानकारी दी है। गांव के लोगों का कहना है कि स्कूली बच्चों की सुरक्षा और उनके भविष्य को देखते हुए स्कूल की चारदीवारी को अविलंब ऊंचा किया जाना चाहिए।

विद्यालय प्रशासन ने जिला शिक्षा पदाधिकारी और संबंधित विभाग से मांग की है कि विद्यालय की बाउंड्री को ऊंचा कर पक्की दीवार बनाई जाए, ताकि स्कूल का माहौल सुरक्षित और पढ़ाई के अनुकूल बन सके।

इस पूरे मामले ने शिक्षा व्यवस्था और सुरक्षा इंतजाम पर सवाल खड़ा कर दिया है। अभिभावकों और समाज के लोगों ने भी प्रशासन से मांग की है कि विद्यालय परिसर को बाहरी तत्वों से मुक्त कर सुरक्षित शैक्षणिक वातावरण सुनिश्चित किया जाए।

बिहार सरकार स्वास्थ्य विभाग एवं बिहार स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय द्वारा मान्यता प्राप्त
बिहार का श्रेष्ठ एवं उतम संस्थान
श्री राज नर्सिंग ट्रेनिंग एंड पारा मेडिकल इंस्टीच्यूट
courses :
ANM GNM B.Sc Nursing BOPT
BPT BRIT BHM BMLT
DPT DMRT DOTA DMLT
CMD
STUDENT CREDIT CARD Facility Available
श्री राज ट्रस्ट हॉस्पिटल
पता- मीठापुर बस स्टैंड रोड, जक्कनपुर थाना के पास, पटना, बिहार 800001
Helpline No :
9155558888, 9162413233
9102879092, 8092769193
For Nursing srirajnursing.com
For More Details Scan This Qr Codes
For Paramedical biharparamedical.org
Dr. N P PRIYEDERSHY
Consultant Surgeon / Managing Director